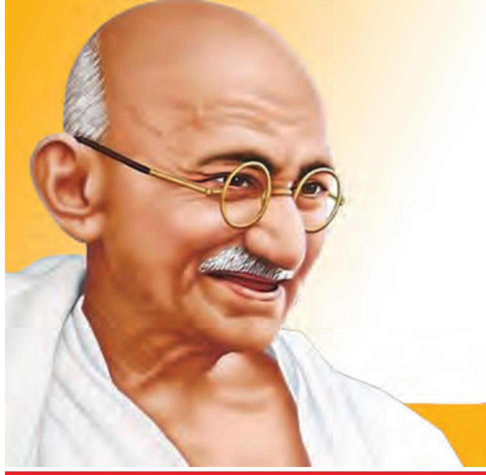

आज

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

१०७ वर्ष

लालबहादुर शास्त्रीको जयंती पर नमन

वाराणसी, शुक्रवार २ अक्तूबर, २०२६ सौर १६, आश्विन कृष्ण ६, २०८३ वि.। वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज (रीवा संस्करण), कानपुर (झांसी संस्करण), लखनऊ, आगरा, बरेली, हल्द्वानी,पटना (कोलकाता संस्करण), रांची (धनबाद संस्करण) तथा जमशेदपुर से प्रकाशित * काशी संस्करण पृष्ठ १२, मूल्य ३.०० रुपये

२०१७ से पहले प्रदेशमें चलती थी माफियाओंकी समानांतर सरकार-योगी

मुख्यमंत्रीने ८७ इंटरसेप्टर वाहनको किया रवाना, बहादुर पुलिसकर्मियोंका किया सम्मान

लखनऊ (आससे)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकार की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के हर जिले में दुर्दांत

माफिया का बोलबाला था। समानांतर सरकारें चलती थीं। माफिया के सामने नाक रगड़ी जाती थी, घुटने टेके जाते थे और पुलिस मजबूर थी। राजनीतिक नेतृत्व की रीढ़ ही टेढ़ी हो तो वह कानून-व्यवस्था को सीधा कैसे कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लोकभवन सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाई, वीर पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए और पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद सरकार ने पुलिस सुधारों को आगे बढ़ाया। प्रकाश सिंह ने जिस पुलिस रिफॉर्म की वकालत की थी, उसे उत्तर प्रदेश ने देश में सबसे पहले लागू किया। प्रदेश में अब सात पुलिस कमिश्नरेट काम कर रहे हैं। आज यूपी पुलिस के सामने विचार, वीरता और तकनीक, तीनों का समन्वय दिखाई दे रहा है। 'संघर्ष' के माध्यम से पुलिस सेवा के अनुभव और चुनौतियां सामने आई हैं तो जांबाजों की वीरता का सम्मान हुआ है और सड़क सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहन पुलिस बल को समर्पित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद कमरे में बैठकर किसी के प्रति कोई भी टिप्पणी करना आसान है। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो और उसे अपने पद का कितना भी गुरूर हो, सुरक्षा हटा दी जाए तो अराजकता के माहौल में उसे भीगी बिल्ली बनने में देर नहीं लगेगी। स्वस्थ चिंतन तभी संभव है, जब समाज में सुरक्षा का वातावरण हो। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि की परिकल्पना (शेष पृष्ठ ९ पर)

ईसीके खिलाफ आज से देशभरमें विरोध-प्रदर्शन

नयी दिल्ली (आससे.)। कांग्रेस ने 2 से 8 अक्टूबर 2026 तक देशभर में सेव डेमोक्रेसी वीक यानी लोकतंत्र बचाओ सप्ताह मनाने का ऐलान किया है. ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) और डीसीसी/सीसीसी अध्यक्षों को इस राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम के लिए निर्देश जारी किए हैं. जानकारी के मुताबिक, इस अभियान के तहत जिला स्तर पर %वोट बचाओ, देश बचाओ मार्च निकाला जाएगा.यह कार्यक्रम इंडिया ब्लॉक की बैठक के फैसलों के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसका मकसद निर्वाचन आयोग के खिलाफ गठबंधन के आंदोलन को आगे बढ़ाना है. कांग्रेस ने पत्र के जरिए सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने, उन पर मुकदमा चलाने और उन्हें अरेस्ट करने की अपनी मांग दोहराई है.

कांग्रेसने शुरू किया लोकतंत्र बचाओ अभियान

हालांकि इसे ढ्ढहृष्ठढ्ढ ब्लॉक की संयुक्त पहल बताया गया है, लेकिन कांग्रेस इकाइयों को विरोध प्रदर्शनों को आयोजित करने और उन्हें अंजाम देने में नेतृत्व करने का निर्देश दिया गया है, साथ ही अलग-अलग राज्यों और ज़िलों में राजनीतिक स्थितियों के अनुसार गठबंधन सहयोगियों के साथ समन्वय करने को कहा गया है। कार्यक्रम के पहले दिन इंडिया ब्लॉक की पार्टियों की संयुक्त जिला स्तरीय बैठकें और संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस होंगी, वरिष्ठ राज्य नेताओं को भाग लेने का निर्देश दिया (शेष पृष्ठ ९ पर)

राहुलने मृत बच्चोंके परिजनोंसे की मुलाकात, भाजपा सरकारपर लगाया लापरवाहीका आरोप

कांग्रेस नेताने बैगा आदिवासियोंसे की मुलाकात, ३० बच्चोंकी बीमारीसे मौतपर जताया दुःख

बालाघाट (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में सियासत गर्म है। गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी बालाघाट के बिरसा ब्लॉक के जगला गांव पहुंचे और वहां बैगा आदिवासियों से मुलाकात की। यहां वे एक घंटे रुके। इस दौरान वे उन बच्चों के परिवारों से भी मिले, जिनकी बीमारी के चलते मौत हुई थी। राहुल से मिलने के लिए आसपास के गांवों के डेढ़ हजार लोग पहुंचे थे। परिवार से मिलने के बाद राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उन्होंने कहा कि बहुत सारे बच्चों की मौत हुई है। कुपोषण और बीमारी के कारण मौत हुई है। इसका समय पर इलाज न मिलना सरकार का फेलियर है। सरकार ने कोई सपोर्ट नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि आधे से ज्यादा लोगों को मुआवजा तक नहीं दिया गया। (शेष पृष्ठ ९ पर)

शिक्षामित्रों की स्पेशल टीईटी २०२६ में शामिल करने की मांग वाली याचिका खारिज

प्रयागराज (आससे.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट से शिक्षामित्रों को राहत नहीं मिली। शिक्षामित्रों को स्पेशल टीईटी 2026 में शामिल करने की मांग को लेकर दाखिला याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। यह फैसला न्यायमूर्ति मंजूरानी चौहान की एकल पीठ ने सुनाया है। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों को विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (ङ्क्षश्वञ्ज) में आवेदन का अवसर दिए जाने की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले में आदेश सुरक्षित (शेष पृष्ठ ९ पर)

यूपीएससीमें समयबद्ध परीक्षा जरूरी, जनसेवाको प्राथमिकता दें युवा-मोदी

नयी दिल्ली (आससे.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत की कार्यसंस्कृति जनहित, सक्रियता और सुशासन पर आधारित है। उन्होंने संघ लोक सेवा

आयोग (यूपीएससी) की शताब्दी समारोह में कहा कि देश तेजी से सुधारों की राह पर आगे बढ़ रहा है और परीक्षा कराने वाली संस्थाओं को भी समय की जरूरत के अनुरूप सुधार करना चाहिए।भारत मंडपम में आयोजित समारोह में मोदी ने कहा कि परीक्षा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य से जुड़ी प्रक्रिया है। कुछ महीने की देरी भी युवाओं के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है, इसलिए परीक्षा प्रणाली में समय की निश्चितता जरूरी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवा में ऐसे युवाओं को आना चाहिए, जिनकी

यूपीएससीके सौ वर्ष पूरे होनेपर किया संबोधित

रुचि पद में नहीं, बल्कि जनसेवा में हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 का भारत आज से काफी अलग होगा। अगले 20-25 वर्ष देश और उसकी संस्थाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोग विकसित भारत के निर्माण के लिए सक्षम प्रशासन तैयार करने में अहम (शेष पृष्ठ ९ पर)

व्यावसायिक गैस सिलिंडर ७१ रुपये हुआ महंगा

नयी दिल्ली (आससे.)। अक्टूबर की शुरुआत में व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से जारी नई दर के अनुसार 19

किलो का वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर अब 3115 रुपये में मिलेगा। इसकी कीमत में 71 रुपये की वृद्धि की गई है। नई दर एक अक्टूबर 2026 से प्रभावी हो गई है।वहीं, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 14.2 किलो का घरेलू सिलेंडर 1040 रुपये में ही मिलेगा। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली है।

रायगढ़ : दिवेआगर बीच पर पिकनिक मनाने आये आठ छात्र डूबे

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दिवेआगर बीच पर गुरुवार को पिकनिक मनाने आए 8 छात्रों की डूबने से मौत हो गई। सभी छात्रों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, छात्र पिकनिक के लिए पुणे से आए थे। ये सभी समंदर के पानी में उतरे, गहराई का अंदाजा न होने के कारण डूब गए। पुलिस ने सभी 8 छात्रों के शव बरामद किए हैं। सभी 8 शवों को पानी से निकालने के बाद पास के अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुणे के आलंदी इलाके से 48 लोगों का एक ग्रुप दिवेआगर घूमने आए थे। पुलिस ने बताया कि 11वीं और 12वीं के छात्र विनर्स एकेडमी के थे। वे मुंबई से लगभग 170द्मद्व दूर रायगढ़ के दिवेआगर बीच आए थे। ग्रुप में 25 लड़के, 17 लड़कियां और 6 टीचर शामिल थे। उन्होंने कहा कि आठ छात्र समुद्र में चले गए और पानी की गहराई और बहाव का अंदाजा न लगा पाने के कारण बह गए। सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची और शवों को बरामद किया।

कानूनकी नजरमें सब बराबर, पूर्व जिला जज को भी नहीं मिलेगी प्राथमिकता- सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली (आससे.)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित पूर्व जिला जज की सेवा से कथित अवैध बर्खास्तगी से जुड़ी याचिका पर प्राथमिकता से सुनवाई का निर्देश देने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं और केवल पूर्व न्यायिक अधिकारी होने के आधार पर किसी याचिकाकर्ता को अन्य (शेष पृष्ठ ९ पर)

शाहजहांपुर : मंदिर परिसरमें दो साधुओंकी हत्यासे हड़कंप

लखनऊ (आससे.)। यूपी के शाहजहांपुर में जिले खुदा गंज थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह अचानक उस समय हड़कंप मच गया जब मंदिर परिसर में दो साधुओं की हत्या कर दी। उनका जला हुआ कंकाल मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी उस समय हुई जब मंदिर परिसर में बनी झोपड़ी से धुआं निकल रहा था।यह माजरा देख लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की खबर मिलते ही एडिशनल एसपी सहित कई पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे।पुलिस मामले की छानबीन कर एक संदिग्ध शख्स को हिरासत में लेकर (शेष पृष्ठ ९ पर)

परचून दुकानदारके खातेमें एक अरबसे अधिक का लेनदेनको लेकर ईडी की २० घंटे की जांच

बरेली (एजेंसी)। बरेली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के चिटौली गांव में परचून दुकानदार पोशाकीलाल मौर्य के घर पर करीब 20 घंटे तक जांच की। बृहस्पतिवार सुबह टीम वापस दिल्ली चली गई। टीम ने पोशाकीलाल को तो फिलहाल छोड़ दिया है, उनका मोबाइल फोन साथ ले गई है। उनके खाते में एक अरब से अधिक लेनदेन का इनपुट मिलने पर ये कार्रवाई करने की बात सामने आ रही है। ईडी की टीम बुधवार सुबह चिटौली गांव पहुंची थी। पोशाकीलाल मौर्य एक मामूली किसान हैं और घर में परचून की दुकान चलाते हैं। छापेमारी के दौरान पोशाकीलाल (शेष पृष्ठ ९ पर)

यूपीमें पीडियाट्रिक ट्रॉमा इंटीग्रेशन से हर साल बचेंगी १८०० जानें

लखनऊ (आससे.)। योगी सरकार ने बच्चों को गंभीर दुर्घटनाओं और चोटों के बाद समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में पीडियाट्रिक ट्रॉमा केयर को मौजूदा इमरजेंसी स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ने का रोडमैप तैयार कर लिया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के करीब 06 करोड़ बच्चों के लिए हाई-लेवल कम लागत वाली एकीकृत ट्रॉमा केयर व्यवस्था विकसित करना है। इसके तहत अस्पतालों, (शेष पृष्ठ ९ पर)

ब्रह्मोससे भारतकी रक्षा ताकतको मिली नयी उड़ान

६०० मिलियन डॉलर पार होगा निर्यात

नयी दिल्ली (आससे.)। भारत की रक्षा ताकत अब सिर्फ अपनी जरूरतें पूरी करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि दुनिया के कई देशों तक पहुंच रही है। इसी कड़ी में ब्रह्मोस मिसाइल भारत की उभरती रक्षा निर्यात कहानी का बड़ा उदाहरण बनकर सामने आई है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा है कि ब्रह्मोस का

निर्यात 600 मिलियन डॉलर के आंकड़े को पार करने वाला है। भारत ने दक्षिण-पूर्व एशिया के तीन देशों को इस रणनीतिक मिसाइल प्रणाली की बिक्री के लिए करार या समझौते किए हैं।रक्षा सचिव ने बताया कि फिलीपींस को करीब 330 मिलियन डॉलर की ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति की जा चुकी है। इसके अलावा इंडोनेशिया और वियतनाम के लिए भी निर्यात की दिशा में समझौते या करार हुए हैं। उनके मुताबिक वियतनाम के लिए शुरुआती निर्यात करीब 100 मिलियन डॉलर और इंडोनेशिया के लिए करीब 200 मिलियन डॉलर (शेष पृष्ठ ९ पर)

मुकीमगंज में हर्षोल्लास से मना राम जन्मोत्सव

श्रीराम कथा के पांचवें दिन जन्म प्रसंग पर भावविभोर हुए श्रद्धालु, भजनों और जयकारों से गूंजा कथा पंडाल

मुकीमगंज स्थित शंकर सरदार का बाड़ा गुरुवार को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की खुशियों से सराबोर रहा। श्रीराम कथा के पांचवें दिन गुरुवार को कथा व्यास पंडित रविशंकर पाठक ने प्रभु श्रीराम के जन्म का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया तो पूरा कथा पंडाल भक्ति और उल्लास से झूम उठा। जन्मोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए और वातावरण राममय हो गया। गोवर्धन

पूजा समिति एवं हरे कृष्ण हरे राम संकीर्तन सोसाइटी के सहयोग से मानव सत्य सनातनी समिति की ओर से आयोजित कथा में पंडित रविशंकर पाठक ने कहा कि भगवान की भक्ति का पहला सोपान विश्वास है। मन में प्रभु के प्रति विश्वास जागृत होने के बाद ही प्रेम और समर्पण का भाव विकसित होता है। उन्होंने कहा कि भक्ति केवल शास्त्रों के अध्ययन तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वास और प्रेम के माध्यम से ईश्वर की अनुभूति का मार्ग है। कथा व्यास ने संत रामकृष्ण परमहंस के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि आध्यात्मिक यात्रा में ईश्वर की अनुभूति को विशेष महत्व प्राप्त है। उन्होंने श्रद्धालुओं को भक्ति के साथ जीवन में विश्वास, प्रेम और समर्पण का भाव अपनाने का संदेश दिया। राम जन्मोत्सव के प्रसंग पर कथा स्थल का माहौल देखते ही बना। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन में सहभागिता की। कार्यक्रम में आयुष मंत्री डॉक्टर दयाशंकर मिश्र 'दयालु', डॉक्टर प्रभा रानी प्रसाद, केपी प्रभु, गणेश प्रभु, दीनदयाल प्रभु, सीताराम यादव, अशोक प्रभु, अशोक यादव, गणेश केशरी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। महिलाओं की भी उल्लेखनीय सहभागिता रही।

बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, ३० यूनिट रक्त संग्रहित

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान स्थित ट्रॉमा सेंटर में गुरुवार को आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कुल ३० यूनिट रक्त का स्वैच्छिक दान किया गया। शिविर में ट्रॉमा सेंटर के नर्सिंग अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ और संस्थान के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदाताओं ने जरूरतमंद मरीजों के उपचार और आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रोफेसर एस. एन. शंखवार ने कहा कि रक्तदान महान मानवीय सेवा है। दुर्घटना पीड़ितों, गंभीर रूप से बीमार मरीजों और आपातकालीन परिस्थितियों में उपचाराधीन मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता जीवनरक्षक साबित होती है। ट्रॉमा सेंटर जैसे उच्चस्तरीय आपातकालीन चिकित्सा केंद्र में पर्याप्त रक्त की उपलब्धता गंभीर मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान का माध्यम बन सकता है। उन्होंने आमजन से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की।

सीताराम के गवने की पालकी का पट खुलते ही पूरी अयोध्या उनके जयकारों से गूंज उठी

जनकपुर में जेवनार के समय गारी सुनकर दशरथ हुए प्रसन्न, बारातियों के स्वागत और अमावट की चटनी का किया बखान

रामनगर। जनकपुर से बारात की विदाई होकर जब सीताराम के गवने की पालकी अयोध्या के द्वार पर पहुंची और उसका पट खुला तो पूरी अयोध्या सीताराम के जयकारो से गूंज उठी। द्वार पर परिछन के लिए खड़ी माताओ ने उनका परिछन किया। शुभ मुहूर्त में उनकी पालकी अयोध्या के महल में प्रवेश की। उधर जनकपुर में जेवनार के समय दशरथ वहां की नारियों की गारियां सुनकर बड़े प्रसन्न हुए। बारात के अयोध्या आने पर उन्होंने वहां बारातियों को खिलायी गयी अमावट की चटनी का बखान किया। जनकपुर में राजा जनक ने दशरथ को जेवनार के लिए बुलाया सभी जेवनार के लिए पहुंचे। वहां उन्होंने जब भोजन करना शुरू किया तो वहां की नारियों ने गारियां गाना शुरू कर दिया। उन्होंने भगवान श्रीराम की ओर संकेत करते हुए कहा कि रघुवर सुनिए मधुर स्वर गारियां,मइया तुम्हार कुमग पर नाचो,लोग हंसे दे तालियां। इन गारियों को सुनकर दशरथ बड़े प्रसन्न हुए। जेवनार करने के बाद उन्हें पान खिलाया गया। जिससे वह प्रसन्न होकर ब्राह्मणों को गऊ दान एवं याचकों को नेग न्योछावर दिया। इसके बाद उन्होंने राजा जनक से अयोध्या जाने के लिए विदा मांगा। जिस पर उन्होंने इसकी अनुमति नहीं दी लेकिन विश्वामित्र के समझाने पर उन्होंने दहेज का सारा सामान जनवासे में भिजवाया। सखियों ने सीता को समझाने लगी की सास,ससुर की सेवा करना और पति की आज्ञा में रहना। सुनैना ने श्रीराम से अपनी पुत्री जानकी को अपने प्राणों की भांति समझना के लिए कहती है। जिस पर उन्होंने उनसे कहा कि आप प्रेम में विकल मत हो। प्रसन्न मन से आशीर्वाद देकर विदा कीजिए द्य जनक और सुनैना ने अपनी पुत्री को सास,ससुर की सेवा करने और पति की आज्ञा में रहने के लिए समझाया द्य जनक बारातियों को विदा करने के बाद सभी से मिलकर वापस लौट गये। इधर बारात अयोध्या के द्वार पर पहुंची तो माताएं थाल सजाकर परिछन के लिए खड़ी थी। सीताराम की पालकी का पट खुलते ही पूरी अयोध्या उनके जयकारों से गूंज उठी। माताओ ने परिछन किया। उसके उपरांत वह बहूओ को लेकर महल में गयी। जहां उनके चरण धोकर उनकी पूजा की गई द्य दशरथ ने सभी को स्नान आदि कराने के बाद कुटुंबियों को भोजन कराया द्य इसके बाद सभी शयन करने चले गए द्य दशरथ ने रानियों को बुलाकर कहा कि बहूए अभी लरिका है द्य ऊपर से पराए घर से आई है। इनको आंख के पालक की भांति रखना। उन्होंने राजा जनक के द्वारा बारातियों की की गई खातिरदारी और वहां खाने के लिए दी गई अमावट की चटनी का खूब बखान किया। उधर शयन के दौरान माता कौशल्या ने श्रीराम से विश्वामित्र के साथ जाने से लेकर धनुष यज्ञ तक की पूरी कहानी के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि सब आपके चरण कमल के प्रताप से हुआ है। उधर विश्वामित्र दशरथ से अपने आश्रम जाने के लिए विदा मांगते है। जिस पर उन्होंने अपने और अपने पुत्रों पर सदैव कृपा बनाए रखने और दर्शन देने के लिए कहां। इसके उपरांत विश्वामित्र उनका आशीर्वाद देकर अपने आश्रम चले गये। माता कौशल्या ने अपने पुत्रों और बहूओ की आरती उतारी इसी के साथ लीला संपन्न हुयी।

काशीकी रामलीला

२ अक्तूबर, शुक्रवार

रामनगर- श्री जनकपुर दर्शन, अष्ट सखी संवाद, फुलवारी।

औरंगाबाद- रामादि जन्म अद्‌भुत झांकी, विराट दर्शन, बाल लीला, मृगया, विश्वामित्र आगमन।

काशीपुरा- श्री रामजन्म एवं विश्वामित्र आगमन।

लोहता - मुकुट पूजन, प्रसाद वितरण।

दार्जिलिंग के सिसने पाहा मेंढक की आनुवंशिक विविधता बेहद कम, बीएचयू के शोध में चेतावनी

पहली बार डीएनए जांच में दार्जिलिंग की आबादी एशिया के अन्य क्षेत्रों से अलग और कम विविधता वाली मिली

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के ज्ञान लैब के जीन विज्ञानी प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे सहित देश के पांच संस्थानों के १२ वैज्ञानिकों के अध्ययन में दार्जिलिंग और कलिम्पोंग क्षेत्र में पाए जाने वाले मार्बल्ड कैस्केड फ्रॉग अमोलॉप्स मारमोरेटस की आनुवंशिक विविधता बेहद कम पाई गई है। स्थानीय स्तर पर सिसने पाहा या सिसने पा के नाम से पहचाने जाने वाले इस मेंढक पर भौगोलिक अलगाव के साथ पारंपरिक शिकार का भी दबाव है। शोध अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका बीएमसी जेनेटिक्स में प्रकाशित हुआ है। शोध दल ने दार्जिलिंग हिल रीजन की ५७ जगहों पर दो सौ से २४ सौ मीटर ऊंचाई तक झरनों, तेज धाराओं और चट्टानी नालों में सर्वे किया। ६० मेंढक देखे गए, जिनमें ३५ के डीएनए का विश्लेषण किया गया। पहचान की पुष्टि प्राणी सर्वेक्षण भारत, कोलकाता ने की। वैज्ञानिकों ने 16एस आरआरएनए और सीओआई जीन का अध्ययन किया। दुनिया भर के डीएनए अनुक्रमों से तुलना में दार्जिलिंग की आबादी में आनुवंशिक विविधता सबसे कम मिली। शोध के अनुसार यह समूह एशिया की अन्य आबादियों से काफी हद तक अलग-थलग है। वैज्ञानिकों ने इसके पीछे भौगोलिक अलगाव, सीमित जीन प्रवाह और ऐतिहासिक जनसंख्या घटनाओं को प्रमुख कारण बताया है। प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे ने कहा कि कम आनुवंशिक विविधता वाली आबादी जलवायु परिवर्तन, बीमारी और अंत:प्रजनन के प्रति अधिक संवेदनशील होती है। स्थानीय समुदायों को जागरूक किए बिना संरक्षण अधूरा रहेगा। शोधकर्ताओं ने अनियमित शिकार पर नियंत्रण, समुदायों में जागरूकता और निचली तथा मध्यम ऊंचाई वाली धाराओं के संरक्षण की जरूरत बताई है।

मेडिकल कालेज निर्माण में देरी पर प्राचार्य सख्त, गुणवत्ता के साथ समय पर काम पूरा करने के निर्देश

पण्डित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन मेडिकल कालेज के निर्माण कार्य में हो रही देरी को लेकर प्राचार्य प्रोफेसर आर.बी. कमल ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को तलब कर बैठक की और निर्माण कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। प्राचार्य ने मैनपावर बढ़ाकर काम में तेजी लाने के साथ निर्धारित समयावधि में निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए प्राचार्य ने कार्यदायी संस्था से अब तक हुए कार्य की प्रगति रिपोर्ट तलब की। उन्होंने नोडल अधिकारी के माध्यम से कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी कराने और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने की चेतावनी देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि काम में देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जायेगी और तय समय के अनुसार निर्माण की प्रगति सुनिश्चित की जाए। प्राचार्य ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयावधि दोनों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। निर्माण में निर्धारित मानकों और तकनीकी विशेष विवरण का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा कार्य की नियमित निगरानी की जाए।

वाराणसी खण्ड स्नातक से आशुतोष सिन्हा एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से संजय प्रियदर्शी व ऋतिका दुबे ने किया नामांकन

अब तक वाराणसी खण्ड स्नातक के लिए २६ एवं शिक्षक निर्वाचन के लिए ११ लोगो ने नामांकन पत्र लिए वाराणसी खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिये नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन गुरुवार को वाराणसी खण्ड स्नातक से आशुतोष सिन्हा एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से संजय प्रियदर्शी व ऋतिका दुबे ने अपना नामांकन किया। जबकि खंड स्नातक के लिये सर्वश्री केदार नाथ सिंह (भाजपा), दिनेश चंद्र राय (निर्दल), राकेश कुमार श्रीवास्तव (निर्दल), जनार्दन यादव (निर्दल), राजकुमार दुबे (राष्ट्रीय समाज पक्ष) व पारस सिंह यादव (निर्दल) सहित कुल छह तथा शिक्षक निर्वाचन के लिए अवधेश सिंह (निर्दल) ने पर्चा लिया।

:: छठवीं पुण्यतिथि ::

श्रद्धेय स्व० देवराज यादव जी

देहावसान: 2 अक्टूबर 2020

आपूर्यमाणमचलप्रतिष्ठं समुद्रमापः प्रविशन्ति यद्वत्।
तद्वत्कामा यं प्रविशन्ति सर्वे स शान्तिमाप्नोति न काममापी।
(श्रीमद्‌भगवद्‌गीता २/७०)

जिस प्रकार सब ओर से अचल प्रतिष्ठा वाले समुद्र के प्रति नाना नदियों के जल उसको चलायमान न करते हुए भी उसमें समा जाते हैं, उसी प्रकार स्थिर बुद्धि पुरुष के प्रति सम्पूर्ण कामनांए, बिना किसी प्रकार का विकार उत्पन्न किये उसमें समा जाती हैं और वह पुरुष परम शान्ति को प्राप्त करता है।

अपनी विलक्षण प्रतिभा और अथक परिश्रम से यादव परिवार को गति देने वाले श्रद्धेय स्व. देवराज यादव जी की छठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आपकी विनम्रता एवं सहनशीलता को हम नमन करते हैं। आपके प्रेरणादायक जीवन की महान स्मृतियां व आदर्श सदैव हमारा मार्ग दर्शन करती रहेंगी।

:: भावभीनी श्रद्धांजलि ::

श्रीमती लक्ष्मीना यादव (पत्नी)
श्रीमती छाया यादव-परमानन्द यादव (पुत्र) धनीराज यादव (अग्रज)
श्रीमती निशा यादव-कृष्णानन्द यादव (पुत्र) श्रीमती आशा यादव-धर्मानन्द यादव (भतीजा)
श्रीमती इन्दु यादव-विवेकानन्द यादव (पुत्र)
श्रीमती ममता यादव-शिवानन्द यादव (पुत्र)
श्रीमती उषा यादव- मदनमोहन यादव (दामाद)

एवं समस्त यादव परिवार

निवास: ग्राम-महेवां (बिलारीडीह) NH-19 मुगलसराय-चंदौली।

एक नजर इधर भी

काशी टैक्स कॉन्क्लेव में कल जुटेंगे देशभर के कर विशेषज्ञ

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर कानूनों के समसामयिक मुद्दों पर होगा मंथन

इनकम टैक्स बार एसोसिएशन, वाराणसी, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स और जीएसटी बार एसोसिएशन, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में काशी टैक्स कॉन्क्लेव-२०२६ नेशनल टैक्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन तीन और चार अक्टूबर को होटल क्लार्क्स, द मॉल में होगा। एआईएफटीपी के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित सम्मेलन में देशभर के वरिष्ठ अधिवक्ता, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कर विशेषज्ञ, न्यायविद और कर पेशेवर शामिल होंगे। आयकर भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में सम्मेलन अध्यक्ष आसिम ज़फ़र और सम्मेलन सलाहकार अरविंद शुक्ल ने सम्मेलन की रूपरेखा साझा की। उद्घाटन सत्र में इलाहाबाद उच्च न्यायालय

के न्यायाधीश पीयूष अग्रवाल और न्यायाधीश इन्द्रजीत शुक्ल सहित वरिष्ठ कर विधि विशेषज्ञ और एआईएफटीपी के राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। तकनीकी सत्रों में जीएसटी के तहत अपीलीय उपाय, व्यावहारिक कठिनाइयों और करदाताओं के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर चर्चा होगी। आयकर से जुड़े सत्र में सीपीसी समायोजन, वेतन आय, व्यापार एवं पेशे की अस्वीकृतियां, टीडीएस-टीसीएस और विदेशी परिसंपत्तियों से जुड़े अनुपालन पर मंथन होगा। सीए बिमल जैन, सीए जगदीश पंजाबी, सीए आंचल कपूर और सीए धर्मेन्द्र श्रीवास्तव सहित अन्य विशेषज्ञ भाग लेंगे।

बीएचयू में स्तन कैंसर जागरूकता माह का शुभारंभ

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की ओर से स्तन कैंसर जागरूकता माह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रोफेसर एस. एन. शंखवार ने किया। इस अवसर पर कैंसर जागरूकता पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रोफेसर मनोज पांडेय, प्रोफेसर मल्लिका तिवारी, रेजिडेंट डाक्टर और मरीज उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने, समय पर जांच और उपचार के महत्व की जानकारी दी गई। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग पिछले करीब २१ वर्षों से स्तन कैंसर के विशेषज्ञ उपचार में कार्यरत है। विभाग में स्तन कैंसर के मरीजों के लिए स्तन संरक्षण सर्जरी, सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी सहित विभिन्न अत्याधुनिक शल्य प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं। विशेषज्ञों के अनुसार समय पर बीमारी की पहचान और उचित उपचार से स्तन कैंसर के उपचार में बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

चयनित सहायक लेखाकार-लेखा परीक्षकों के प्रमाणपत्रों का सत्यापन तीन को

मुख्य कोषाधिकारी गोविंद सिंह ने बताया कि जिले में सहायक लेखाकार एवं लेखा परीक्षक पद पर चयनित अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों का सत्यापन तीन अक्टूबर को किया जायेगा। अभ्यर्थियों को सुबह १० से शाम पांच बजे तक कलेक्ट्रेट स्थित जिला राइफल क्लब सभागार में उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थियों को पूर्ववृत्त/चरित्र सत्यापन, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, जाति, स्वतंत्रता सेनानी आश्रित, भूतपूर्व सैनिक, दिव्यांगता तथा मेडिकल सर्टिफिकेट समेत सभी संबंधित प्रमाणपत्र मूल रूप में लेकर पहुंचना होगा। प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद रिपोर्ट शासन को समय से भेजी जाएगी।

विभिन्न मांगों को लेकर बीएसएनएल अधिकारी और कर्मचारियों ने किया जोरदार प्रदर्शन

केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देश पर अपनी विभिन्न मांगों को पूरा कराने के लिए लोगों में भरा जोश

लम्बित विभिन्न मांगों को लेकर बीएसएनएल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रिय यूनियन के निर्देश पर गुरुवार को बीएसएनएल महाप्रबंधक सहित अन्य आफिसों में जोरदार धरना और प्रदर्शन किया। जिसमें कर्मचारियों की थर्ड पीआरसी मांगों को लेकर केन्द्रिय अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों की मांग शीघ्र पुरी करने के लिए आवाज उठायी। इस अवसर पर संबोधित करते हुए एसएनईए के जिलासचिव पंकज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कर्मचारी और अधिकारी बीएसएनएल को एक मजबूत और सफल पब्लिक सेक्टर के रूप में देखना चाहते हैं लेकिन इनकी जायज मांगों पर अभी तक केन्द्र सरकार और बीएसएनएल कारपोरेट स्तर के अधिकारियों ने नहीं सुनवाई की। जिसके लिए कर्मचारियों का दिन-प्रतिदिन सब्र टूटता जा रहा है। वहीं उपमहाप्रबन्धक डीके उपाध्याय ने क्रान्तिकारी वक्तव्य देते हुए कहा कि बीएसएनलए के लिए हम अपना जी-जान लगा देंगे लेकिन अपनी जायज मांगों के लिए हमे जागरुक रहना होगा और अपनी मांगों को

लेकर लेकर रहना होगा। प्रदर्शन में एक्सीटीव और नान एक्सीटीव वर्ग के कर्मचारी और अधिकारियों ने प्रदर्शन में भाग लेते हुए अपनी मांगों के संबंध में आवाज बुलंद की। जबकि कर्मचारियों के एक और संस्था के जिला सचिव प्रभात कुमार यादव ने कहा कि एकता में सबसे बड़ी ताकत है। अधिकारी और कर्मचारी एकजुट होकर मुद्दा उठायेंगे तो भविष्य में इसका असर प्रभावी होगा। उल्लेखनीय है कि केन्द्रिय नेतृत्व के आह्वान पर बुधवार से ही अधिकारी और कर्मचारी लामबंद हो गये और लंच के समय विभिन्न कार्यालयों में प्रदर्शन करते हुए अपनी आवाज लखनऊ और दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचायी। प्रदर्शन में रविश कुमार तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, एमडीराम, प्रेम कुमार सहित अन्य लोगों ने अपने विचार रखे।

मां शीतला का हुआ भव्य श्रृंगार

'रसमंजरी' में लोकगीत का लोगों ने उठाया लुत्फ

बड़ागणेश-लोहटिया स्थित श्री शीतला माता का गुरुवार को विभिन्न सुगंधित फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। मां को हुलवा-घुघरी के साथ ही फल एवं मिष्ठान का भोग लगाकर उनकी दिव्य आरती की गयी। श्रृंगार के अवसर पर मां के चरणों में पचरा तथा धार्मिक एवं पारंपरिक अनुष्ठान भवानी कीर्तन महिला मण्डल की ओर से आयोजित की गयी। मंदिर परिसर सहित पूरे क्षेत्र की झालर बत्तियों से आकर्षक सजावट की गयी थी। मां के पूजन के बाद भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। श्रृंगार के उपलक्ष्य में रात्रि में आयोजित 'रसमंजरी' बिरहा दंगल का आयोजन किया गया। रसमंजरी में गाजीपुर के सुप्रसिद्ध बिरहा गायक चंचल यादव एवं आजमगढ़ के अंसार अहमद के बीच मुकाबला होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष डाक्टर संतोष यादव, विष्णु शर्मा, प्रकाशचन्द्र यादव, जयप्रकाश गुप्त, भईयालाल सेठ, रविशंकर सिंह, छोटे लाल विश्वकर्मा, राजन शर्मा, रामेश्वर प्रसाद, मोहनलाल यादव, छबीले लाल, गोपाल यादव, पार्षद भइयालाल यादव, शुभ जायसवाल, जगदीश प्रसाद आदि उपस्थित ररहे। अन्त में मुन्नू लाल विश्वकर्मा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

दहेज हत्या में वांछित महिला समेत तीन गिरफ्तार

दहेज हत्या में वांछित महिला सहित तीन आरोपियों को एसीपी और चौक पुलिस ने गुरुवार को बड़ी पियरी में स्थित मकान पर छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में चौक थाना क्षेत्र के बड़ी पियरी निवासी रजत कसेरा, अशोक कुमार कसेरा तथा एक महिला शामिल है। पीड़ित पक्ष के अनुसार मेरी पुत्री की शादी १८ माह पूर्व बड़ी पियरी निवासी रजत कसेरा के साथ हुई थी। विवाह उपरान्त पति, सास, श्वसुर दहेज में दस लाख रुपये और एक चार पहिया गाड़ी की मांग कर रहे थे। जिसको लेकर मेरी पुत्री को प्रताड़ित किया जा रहा था। २६ सितम्बर को मेरी पुत्री को जान से मार दिया गया। इस घटना के संबंध में पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के निर्देश पर चौक थाने में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। छापेमारी में सहायक पुलिस आयुक्त (दशाश्वमेध) डाक्टर अतुल अंजान त्रिपाठी चौक थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार शुक्ल, पियरी चौकी प्रभारी विकास मिश्र, महिला आरक्षी शिवानी कुमारी शामिल रही।

सौतेली बेटी से दुष्कर्म के आरोप में कलयुगी पिता गिरफ्तार

सौतेली बेटी से दुष्कर्म के आरोप में कलयुगी पिता को गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक दयाशंकर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने काररवाई करते हुए आरोपी को बाग बरियारसिंह से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार इस मामले में पीड़िता की ओर से लिखित शिकायत मिलने के बाद कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गयी। जांच के दौरान सामने आये तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने काररवाई करते हुए आरोपी को बाग बरियार क्षेत्र से पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ

नियमानुसार कानूनी काररवाई की जा रही है। इस मामले में पुलिस द्वारा पीड़िता के बयान समेत अन्य साक्ष्यों को जांच में शामिल किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकरण की विवेचना जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक काररवाई की जायेगी। नाबालिग से संबंधित ऐसे मामलों में पुलिस द्वारा पीड़िता की पहचान गोपनीय रखने के निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

स्वच्छता को केवल विशेष अभियान तक सीमित न करें- दीप सिंह

एक घंटा, एक दिन, एक साथ के संकल्प के साथ पीएनबी कार्यालय ने भारत माता मंदिर परिसर में किया श्रमदान

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) अंचल कार्यालय की ओर से च्स्वच्छता ही सेवा अभियानज्ज के अंतर्गत गुरुवार को ऐतिहासिक भारत

माता मंदिर परिसर में आयोजित च्एक घंटा, एक दिन, एक साथज्ज श्रमदान कार्यक्रम में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यों ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में अंचल प्रबंधक दीपक सिंह, उप अंचल प्रबंधक हरविंदर सिंह रंघावा, उप महाप्रबंधक रमेंद्र नारायण ओम, सहायक महाप्रबंधक राजेश कुमार एवं सहायक महाप्रबंधक संजीव पुरकाएत समेत अंचल कार्यालय के सभी मुख्य प्रबंधकों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने सामूहिक रूप से सफाई कार्य के उपरांत पर्यायवरण संरक्षण एवं हरित परिवेश के संदेश के साथ पौधरोपण भी किया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सफाई मित्रों को उपहार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रबंधक दीपक सिंह ने पंजाब नेशनल बैंक के स्वच्छता संकल्प का स्मरण कराते हुए कहा कि स्वच्छता केवल किसी विशेष अभियान अथवा एक दिन तक सीमित गतिविधि नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की दैनिक जिम्मेदारी और सामाजिक दायित्व है। स्वच्छ कार्यस्थल, स्वच्छ सार्वजनिक स्थल और स्वच्छ परिवेश के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी सदस्यों से स्वच्छता को अपने दैनिक व्यवहार का अभिन्न अंग बनाने तथा समाज में भी इसके प्रति जागरूकता प्रसारित करने का आह्वान किया।

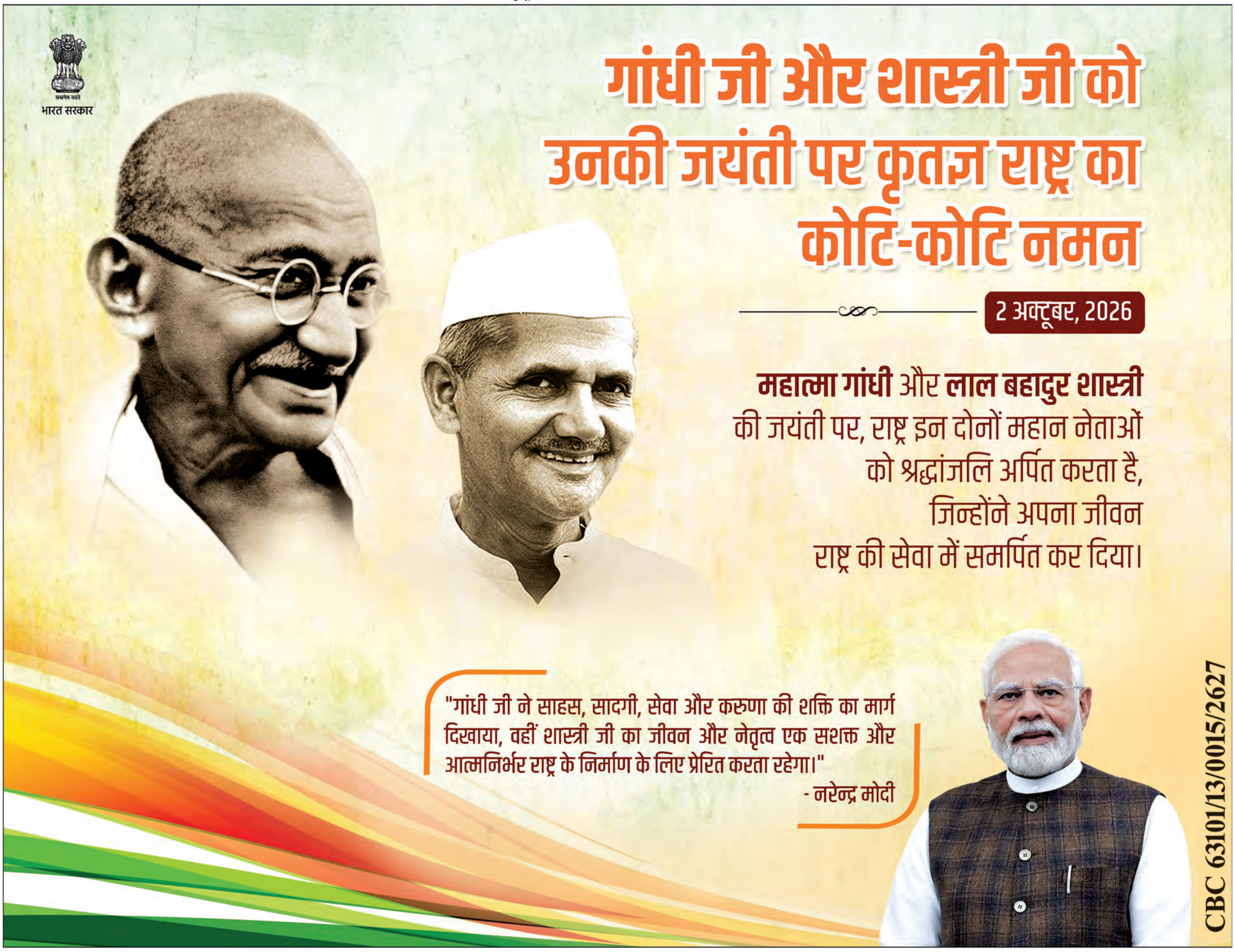

एक नजर इधर भी

सड़क हादसे के मामले में कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कैंट थाना क्षेत्र में २५ सितंबर की रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से होटल कर्मचारी संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया था इस मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर वाहन एवं चालक की तलाश शुरू कर दी है। पिंडरा के भरथीपुर निवासी संदीप कैंटोनमेंट स्थित होटल टेंपल्स टाउन में कर्मचारी है। तहरीर के मुताबिक, रात करीब ११ बजे ड्यूटी खत्म करने के बाद वह साथी विक्की एवं अन्य कर्मचारियों के साथ पैदल जा रहा था। होटल ताज के आगे अमन मेडिकल के सामने पीछे से आई सफेद वैगन आर ने संदीप को टक्कर मार दी उसमें उसका साथी विक्की भी कार की चपेट में आकर नाले में गिर गया और घायल हो गया। हादसे के बाद चालक कार समेत फरार हो गया। राहगीरों ने संदीप को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, संदीप के मौसेरे भाई राम कुमार की तहरीर पर पुलिस ने वाहन संख्या यूपी ६७ एजे ७०११ के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

सारनाथ में नाबालिग को भगाने वाला प्रयागराज से गिरफ्तार

सारनाथ पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और पॉक्सो एक्ट के तहत वांछित आरोपी को गुरुवार की सुबह प्रयागराज में छापा मार कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी रोहित कुमार चौधरी बिहार के गया का मूल निवासी है। जानकारी के अनुसार २५ जुलाई को पीड़िता के पिता धीरेंद्र कुमार झा ने सारनाथ थाने में अपनी नाबालिग बेटी के बिना बताये घर से लापता होने की लिखित शिकायत दर्ज करायी थी। पुलिस ने तत्काल बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना सब-इंस्पेक्टर शिवनारायण को सौंपी थी। गया से प्रयागराज तक पुलिस की दबिश दी गयी थी मुकदमे में गैर-जमानती वारंट भी जारी किया गया था। वारंट होने के बाद भी पुलिस टीम आरोपी की तलाश में उसके गृह जनपद गया (बिहार) पहुंची। वहां पता चला कि आरोपी प्रयागराज में छुप कर रह रहा है। इसके बाद पुलिस टीम सर्विलांस और मुखबिर की सटीक सूचना पर सारनाथ पुलिस टीम ने प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित आंबेडकर चौराहे पर घेराबंदी कर आरोपी को गुरुवार की सुबह धर दबोचा। गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम में सारनाथ थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी, उप-निरीक्षक शिवनारायण सिंह, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार और हेड कांस्टेबल पंकज सिंह शामिल रहे। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम कानूनी कारवाई में जुटी है।

दुष्कर्म के आरोप में डीरेका रेलकर्मी दोषमुक्त

युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपित डीरेका के रेलकर्मी को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गयी। अपर जिला जज (सक्षम) विकास श्रीवास्तव की अदालत ने ठठरा, मिर्जामुराद निवासी आरोपित रेलकर्मी जितेंद्र कुमार राही को आरोप सिद्ध न होने पर संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, बृजपाल सिंह यादव 'गुड्डू' एवं नरेश यादव एडवोकेट ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को २३ सितंबर २०२० को प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप था कि ठठरा, मिर्जामुराद निवासी जितेंद्र कुमार राही मेरे भाई का दोस्त है और मेरे गांव में अक्सर क्रिकेट खेलने के लिए आता था। और वर्तमान में वह रेलवे में ग्रुप डी में नौकरी करता है। जब मेरी उम्र १७ वर्ष थी, उसी दौरान जितेंद्र उससे शादी करने का झांसा देकर और पीड़िता के साथ यौन उत्पीड़न एवं दुष्कर्म किया। उसके बाद से वह अक्सर जल्द से जल्द शादी करने का झांसा देकर ऐसा कृत्य करता रहा। इसके बाद वह २० अगस्त २०२० को रात करीब ९ बजे जितेंद्र राही पीड़िता के घर आया और पुन: उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान पीड़िता स्लैब जब उससे शादी करने के लिए कहा तो उसने कहा घबराओ मत हो जायेगा। इस पर जब प्रार्थीनी ने कहा कि ७-८ वर्षों से वह उसके साथ बराबर मेरे साथ संभोग कर रहे हो और शादी की बात पर टालमटोल कर रहे हो इस पर जितेंद्र भद्दी-भद्दी गालियां देने लगा और शादी करने से इंकार कर दिया। साथ ही धमकी दिया कि यदि जबरदस्ती करोगी तो तुम्हारी हत्या कर दूंगा। इस मामले में पुलिस ने १३ अक्तूबर २०२० को मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अदालत में विचारण के दौरान पीड़िता समेत पांच गवाहों को परीक्षित कराया गया। अदालत ने गवाहों के बयान एवं साक्ष्यों के अवलोकन के बाद आरोप सिद्ध न होने पर आरोपित को दोषमुक्त कर दिया।

टीएसपीसी मुखिया बृजेश गंझू की मुठभेड़ में मौत की मजिस्ट्रियल जांच शुरू

पिछले २० सितंबर की रात मुठभेड़ में टीएसपीसी के मुखिया बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता की हुई मृत्यु की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गयी है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार के निर्देश पर जांच अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) कर रहे हैं। अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) ने बताया कि घटना से संबंधित किसी व्यक्ति के पास कोई जानकारी, दस्तावेज या अन्य साक्ष्य है, तो वह २४ अक्तूबर २०२६ तक उनके न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। साक्ष्य लिखित या मौखिक, दोनों रूपों में दर्ज कराया जा सकेगा। जांच में घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों को शामिल किया जायेगा।

हल्का दरोगा के ऊपर व्यापारियों ने लगाया अभद्रता का आरोप

पिंडरा। फूलपुर कस्बा के व्यापारियों ने गुरुवार को हल्का दरोगा के ऊपर व्यापारी के साथ अभद्रता का आरोप लगाते हुए फूलपुर इंस्पेक्टर से शिकायत की। जिसपर इंस्पेक्टर ने निष्पक्ष जांच कराने के साथ दरोगा से स्पष्टीकरण लेने का आश्वासन देकर व्यापारियों को शांत कराया। बताया जाता है कि फूलपुर बाजार निवासी व्यापारी बनारसी सेठ ने अपनी दुकान संजय सेठ को किराये पर दे रखी है, जहां संजय सेठ द्वारा जूता-चप्पल का कारोबार किया जा रहा था। इसी दौरान बनारसी सेठ के भाई जो मध्यप्रदेश में रहता है उसके द्वारा दुकान पर कब्जा करने की सूचना हल्का दरोगा को दी। जिसपर हल्का दरोगा गोविंद यादव ने व्यापारी और उसके परिवार के सदस्यों से कथित तौर पर अभद्रता की और दुकान का शटर बंद कर उसकी चाबी अपने पास रख ली गयी तथा बनारसी सेठ और उनके पुत्र को करीब दो घंटे तक थाने पर बैठाये रखा गया। मामले की जानकारी व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को हुई, तो वे तत्काल फूलपुर थाने पहुंचे और व्यापारी एवं उसके पुत्र को थाने से ले आये। इसके बाद पदाधिकारियों ने प्रभारी निरीक्षक अजय राज वर्मा से पूरे मामले की शिकायत करते हुए उचित कारवाई की मांग की। जिसपर प्रभारी निरीक्षक ने हल्का दरोगा से स्पष्टीकरण तलब किया। इस बाबत इंस्पेक्टर ने बताया कि दो भाइयों के विवाद की शिकायत पर पुलिस गयी थी। इंस्पेक्टर से मिलने वालों में व्यापार मंडल फूलपुर के भानू प्रकाश सेठ, जितेंद्र जायसवाल सपालू, रमेश विश्वकर्मा, विनोद सेठ, भरत जायसवाल, अशोक सेठ, जेपी पटेल, राजकुमार गुप्त, सोनू भोजवाल, संतोष सेठ, सोनू वर्मा सहित अन्य व्यापारी शामिल रहे।

कामाख्या गांधीधाम एक्सप्रेस से नौ बच्चे रेस्क्यू, कैंट स्टेशन पर उतारा गया

सीआईबी वाराणसी, आरपीएफ कैंट एवं अयोध्या कैंट की संयुक्त टीम ने ट्रेन नंबर १५६६८ कामाख्या गांधीधाम एक्सप्रेस से तस्करी के तहत ले जाए जा रहे नौ बच्चे को बरामद किया है। ये बच्चे १३ से २० वर्ष के हैं और इन्हें बालश्रम के लिए लेकर जा रहे थे। टीम के लोग पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से ट्रेन को चेक करना शुरू किया तो गार्ड साइड जनरल कोच से नौ बच्चे डरे सहमें हुए दिखाई पड़े जिनसे पूछताछ करने पर पता चला कि तीन बच्चे कोकराझार से गांधीधाम तथा तीन बच्चे गोलपाड़ा से गांधीधाम और तीन बच्चे कटिहार से लखनऊ के लिए जा रहे हैं। जहां पर इनसे बालश्रम करवाया जाता है। जानकारी के अनुसार, बच्चों को तस्करी के माध्यम से विभिन्न जगहों पर भेजा जा रहा था। जहां उन्हें श्रमिक के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जाना था। पूछताछ में उन्होंने बताया कि कुछ लोगों के परिवार को १५००० से लेकर ३००० तक एडवांस दिया गया है।रेस्क्यू के बाद तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में अपना नाम आमीन, निवासी अररिया (बिहार), मोहम्मद मुत्तादूर निवासी गोसाईगांव जिला कोकराझार (असम) और तीसरा फोरिजुल शेख निवासी जुगीर गुप्पा जिला बोगाई गांव (असम) बताया।जिनसे पूछताछ की जा रही है।

सूचना पर कमिश्नरेट पुलिस की एएचटीयू की उप निरीक्षक निकिता सिंह टीम के साथ आरपीएफ पोस्ट पर पहुंच गई है और तीनों बार तस्करों को उनके सुपुर्द कर दिया गया। तीनों बाल तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की गहन जांच कर रही है। इस घटना ने मानव तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की आवश्यकता को एक

तीन तस्कर गिरफ्तार

बार फिर उजागर किया है। मानव तस्करी एक गंभीर अपराध है, जो न केवल बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन करता है, बल्कि समाज में भी कई समस्याएं उत्पन्न करता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सतर्कता और जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

सूचना

सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी ने श्रीमती चन्द्रकला सिंह पत्नी पारस सिंह एवं श्रीमती रेनू सिंह उर्फ रेणू कौशलेन्द्र सिंह से मौजा करोमा, परगना अठगावां तहसील पिण्डरा जनपद वाराणसी स्थित आ.नं. 498 रकबा 10620 वर्गफीट का आवासीय भूखण्ड गत 28.09.2026 को क्रय किया। भूखण्ड को मूल विक्रय पत्र जो उपनिबन्धक कार्यालय पिण्डरा वाराणसी में बही सं. 1, जिल्द सं. 2791 पृष्ठ सं. 165 से 196 पर दस्तावेज सं. 1837 पर दिनांक 13.04.2019 को पंजीकृत है, का अन्तिम पृष्ठ/ नजरी नक्शा/ दफा 60, कचहरी वाराणसी । स्थित फोटो स्टेट की दुकान नारायण इण्टरप्राइजेज से गुम हो गया है। इसका प्रयोग अवैध माना जायेगा। **श्रीमती सोनी सिंह** पत्नी श्री सुजीत सिंह, म.सं. एस-7/1-सी गोलघर पोस्ट कचहरी वार्ड सिकरौल, जनपद वाराणसी।

डेढ़ करोड़ की गबन में वांछित आरोपी जौनपुर से गिरफ्तार

आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये अभियान के अन्तर्गत उच्चाधिकारीगण के कुशल निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में ईओडब्लू वाराणसी की टीम ने गुरुवार को जेसीज चौराहा, लाईन बाजार जौनपुर से वांछित को गिरफ्तार किया। अभियुक्त एवं तत्कालीन शाखा प्रबन्धक एवं कैशियर काशी ग्रामीण गोमती बैंक, मंडी समिति चौकिया जौनपुर ने आपस में मिली भगत कर बैंक नियमों के विपरीत स्वयं के लाभ

के लिये ७७ विभिन्न योजनाओं में फर्जी ऋण स्वीकृत कर उसका फर्जी वितरण दर्शाकर शासकीय धन लगभग १.५० करोड़ रुपये का गबन कूटरचित दस्तावेज के आधार पर किया है। अभियुक्त जोगेन्द्र प्रसाद उर्फ योगेन्द्र प्रसाद (एजेन्ट)-४२ वर्ष पुत्र इन्द्रजीत निवासी ग्राम प्रेमापुर, थाना-गौरा बादशाहपुर जौनपुर वर्तमान पता ग्राम इब्राहिमाबाद, थाना लाइन बाजार,जौनपुर का रहनेवाला है,जो वर्तमान में सरकार से लाइसेंस प्राप्त कर चांदनी सोलर ऊर्जा के नाम से यशवंत कटरा,जेसीज चौराहा जौनपुर के पास एजेंसी खोलकर पिछले कई वर्षों से जुड़ा है। अभियुक्त के द्वारा सैकड़ों लाभार्थियों को फर्जी सत्यापित किया गया है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू वाराणसी प्रदीप कुमार ने निरीक्षक सुनील कुमार वर्मा,निरीक्षक स्वामीनाथ प्रसाद, मुख्य आरक्षी प्रिंस तिवारी और सरफराज अंसारी की टीम गठित थी।

लंका में संचालित जुए के अड्डे पर छापेमारी, २० जुआड़ी गिरफ्तार

लाखों रूपये नकदी और ताश की गड्डियां बरामद

लंका थाना क्षेत्र के बजबजा प्लांट के पास गुरुवार को लंका पुलिस ने छापेमारी कर २० लोगों को मौके से गिरफतार किया है। पुलिस ने जुए के अड्डे से लाखों रूपये नगद, तास की गड्डिया बरामद की है। पुलिस की दबिश पड़ते ही अड्डे पर भगदड़ मच गयी। पुलिस को बजबजा प्लांट के आसपास लंबे समय से जुआ खेले जाने की शिकायतें मिल रही थीं। सूचना को गंभीरता

से लेते हुए गुरुवार को पुलिस टीम ने पूरी तैयारी के साथ अड्डे पर दबिश दी। टीम के पहुंचते ही जुआरियों में खलबली मच गई। भागने की कोशिश कर रहे लोगों को पुलिस ने चारों तरफ से घेरकर पकड़ लिया।इसके बाद पुलिस ने मौके की तलाशी ली तो जुए में लगी नकदी और ताश की गड्डियां बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार बरामद रकम लाखों रुपये में है। पकड़े गये करीब 20 लोगों को गिरफ्तार में लेकर पूछताछ की जा रही है। अब पुलिस की जांच इस बात पर टिक गयी है कि बजबजा प्लांट के पास जुए का यह अड्डा आखिर कौन चला रहा था और इतने बड़े पैमाने पर यहां जुआ किसकी शह पर चल रहा था। पुलिस पकड़े गये लोगों से पूछताछ कर अड्डे से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। बरामद नकदी और ताश की गड्डियों को कब्जे में लेकर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में लंका थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा, रमना चौकी प्रभारी प्रिंस तिवारी, उप निरीक्षक हर नारायण, शैलेश शर्मा अनिल कुमार आदि शामिल रहे ।

जंसा में अपहृता किशोरी बरामद, अपहर्ता गिरफ्तार

सेवापुरी। जंसा पुलिस ने नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर घर से ले जाने के मामले में अपहर्ता को गिरफ्तार कर अपहृता को बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार गुरुवार को क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग तथा वांछित अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने हरपुर अंडरपास के पास से अभियुक्त अविनाश उर्फ रुद्र पुत्र लम्बई, निवासी ग्राम सरइया सिकन्दरपुर, थाना चुनार, मिर्जापुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के कब्जे से संबंधित अपहृता को सकुशल बरामद किया।

कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, भदोही

पत्रांक: समग्र शिक्षा / सामु.सह. /1615 / 2026-27 / दिनांक: 01.10.2026

विज्ञप्ति

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, उ०प्र० लखनऊ के कार्यालय पत्रांक: प्री-प्राईमरी / ECCE Educator / 2392 / 2025-26 दिनांक: 07 जुलाई 2025 एवं शासनादेश संख्या-81/2025/1/1006319 / 2025-68-5099 / 178 / 2024 के क्रम में जिलाधिकारी महोदय भदोही के अनुमति दिनांक 25.09.2026 के अनुपालन में ई.सी.सी.ई. एजूकेटर पद हेतु द्वितीय चरण की रैण्डमाईजेशन सूची के आधार पर अभ्यर्थियों का साक्षात्कार / अभिलेख मिलान निम्नवत् तिथियों में प्रस्तावित है

क्र.सं.	निर्धारित तिथि	अभ्युक्ति
1	08.10.2026	ई.सी.सी.ई. एजूकेटर पद हेतु रैण्डमाईजेशन सूची के समस्त 210 अभ्यर्थी
2	09.10.2026	ई.सी.सी.ई. एजूकेटर पद हेतु दिनांक 08.10. 2026 को अनुपस्थित समस्त अभ्यर्थी

अभ्यर्थियों की रैण्डमाईजेशन सूची जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में चस्पा है। साक्षात्कार/अभिलेख मिलान हेतु अभ्यर्थियों की सूची जनपद भदोही के N.I.C वेबसाइट https://bhadohi.nic.in पर क्लिक करके जानकारी प्राप्त की जा सकती है ।

(शिवम पाण्डेय),
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
जनपद-भदोही ।

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि.
अधीक्षण अभियन्ता विद्युत कार्य मण्डल वाराणसी

ई निविदा सूचना:-31/EWC(V)/2026-27 दिनांक-27.10.2026

कार्य का विवरण: वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री, अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, वाराणसी के लिए 220के.वी. विद्युत उपकेन्द्र हरहुआ, वाराणसी से प्रस्तावित नये मीटर रूम / उपकेन्द्र भवन तक सेकेण्डरी सोर्स 33 के. वी. लाईन के निर्माण कार्य टर्नकी आधार पर ।

ई-निविदा प्रपत्र शुल्क: रू. 5900.00 | **धरोहर राशि:** रू. 3.90 लाख

ई-निविदा की अंतिम तिथि: 26.10.2026 14.00 बजे

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जाएगी।

"राष्ट्रहित में बिजली बचायें" (अनूप मिश्रा)
पत्रांक-694/वि.का.मं.(वा.)/निविदा दिनांक:01.10.2026 अधीक्षण अभियन्ता

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

सार्वजनिक सूचना

श्री रतन बाबू पुत्र रामबाबू उर्फ रामलाल द्वारा आराजी सं0-832/5, मौजा खजुरी, परगना-शिवपुर, वार्ड-सिकरौल, जिला-वाराणसी पर होटल का निर्माण कराया गया है, जिसे शमनित कराने हेतु प्राधिकरण में शमन मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। वाराणसी महायोजना-2031 के अनुसार प्रश्नगत भूमि जिस पर होटल निर्मित है, का भू-उपयोग आवासीय क्षेत्र है इस भू-उपयोग में वाराणसी महायोजना-2031 के जोनिग रेगुलेशन्स के अनुसार आवासीय क्षेत्र में होटल का निर्माण अनुमन्य उपयोग की श्रेणी के अन्तर्गत आता है। प्रचलित वाराणसी महायोजना-2031 के जोनिंग रेगुलेशन्स के प्रस्तर सं0 15.1.3 के बिन्दु सं0-4 में यह प्राविधान है "कि प्रमुख भू-उपयोग जोन के अन्तर्गत कुल विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया/उपयोग (भले ही जोनिंग रेगुलेशन्स के अनुसार ऐसी क्रिया/ उपयोग सामान्यत: अनुमन्य / सशर्त अनुमन्य / विशेष अनुमति से अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु न्यूनतम 15 दिन की समयावधि प्रदान करते हुये जनता से आपत्ति / सुझाव, उचित माध्यमों से आमंत्रित किये जायेगें एवं इन आपत्तियों एवं सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति / अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी।" चूंकि प्रश्नगत प्रकरण में प्रमुख भू-उपयोग आवासीय है एवं होटल संचालन की क्रिया इस मूल उपयोग से इतर होने के कारण जनता से आपत्ति / सुझाव प्राप्त किया जाना आवश्यक है। अत: उक्त प्राविधान के दृष्टिगत यदि किसी हितबद्ध व्यक्ति / संस्था को प्रश्नगत होटल के शमन मानचित्र के सम्बन्ध में कोई आपत्ति/ सुझाव प्रस्तुत करना हो, तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति/ सुझाव भवन अनुभाग (जोन- 1) वाराणसी विकास प्राधिकरण, वाराणसी के कार्यालय कक्ष में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समय अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति / सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

नगर नियोजक /प्रभारी अधिकारी (मानचित्र)
वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी।

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय
आफिस कम शापिंग काम्पलेक्स, जवाहर नगर (भेलूपुर), वाराणसी

"सर्व साधारण सूचना"

उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद की कबीर नगर योजना, वाराणसी में स्थित उच्च आय वर्ग फ्लैट संख्या-43/1 श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री जीत सिंह के पक्ष में आवंटित किया गया, जिसका कब्जा आवंटी द्वारा प्राप्त कर विक्रय विलेख निष्पादन करा लिया गया था।

श्रीमती गीता देवी द्वारा दिनांक-04.04.2003 को बही सं0-1 पुस्तक सं0-42 के पृष्ठ सं0-95 से 128 के क्रमांक-1697 द्वारा पंजीकृत कराकर श्रीमती इन्द्रा सिंह पत्नी स्व० देवेन्द्र सिंह के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। श्रीमती इन्द्रा सिंह के पुत्रगण श्री विवेक कुमार व श्री विनय कुमार द्वारा अवगत कराया गया है कि उनकी माता श्रीमती इन्द्रा सिंह की दि0-11.11.2021 को मृत्यु हो गयी है तथा मृत्युपरान्त उक्त सम्पत्ति को जिलाधिकारी कार्यालय, वाराणसी के पत्र संख्या-2686 / रा0स0-2 दिनांक-15.09.2026 द्वारा निर्गत निकटतम संबंधी प्रमाण पत्र के आधार पर अपने पक्ष में दिनांक-26.09.2026 को जनहित पोर्टल पर आवेदन कमांक-MU2026092615073018 के माध्यम से प्रपत्र अपलोड करते हुए अन्तरण किये जाने हेतु अनुरोध किया गया है तथा निकटतम संबंधी प्रमाण पत्र के अनुसार अन्य कोई वारिसान नहीं है।

हितबद्ध पक्ष अथवा अन्य व्यक्ति / पक्ष जिन्हें उक्त सम्पत्ति को निकटतम संबंधी प्रमाण पत्र के आधार पर अन्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 30 दिन के अन्तर्गत लिखित रूप से सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय, उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद, जवाहर नगर, (भेलूपुर) वाराणसी में अपना पक्ष साक्ष्यों सहित प्राप्त करा सकते हैं अन्यथा निर्धारित अवधि के पश्चात् यह समझा जायेगा कि उक्त सम्पत्ति के अन्तरण में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, तदोपरान्त परिषद की कबीर नगर योजना, वाराणसी में स्थित उच्च आय वर्ग फ्लैट संख्या-43/1 को श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री जीत सिंह के स्थान पर श्री विवेक कुमार व श्री विनय कुमार पुत्रगण स्व० देवेन्द्र सिंह के पक्ष में परिषद नियमानुसार अन्तरण कर दिया जाएगा तथा निर्धारित अवधि के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सम्पत्ति प्रबन्धकउ०प्र० आवास एवं विकास परिषद, वाराणसी

सूचना

संस्था ग्रा.शि.स बीरापट्टी वाराणसी के कालातीत प्रबंध समिति के चुनाव कराए जाने के क्रम में कार्यालय आदेश पत्रांक 1860 (I-XIII)/ आई-49859 (चुनाव) / 2026-27/वाराणसी: दिनांक 29/9/2026 के अनुपालन मे संस्था ग्रा.शि.स बीरापट्टी वाराणसी के साधारण सभा के 12 सदस्यों की अंतिम एवं वैध सदस्यता सूची

क्र.सं.	नाम	पिता/पति नाम	पता
1.	शिव प्रसाद	-	ग्राम वीरापट्टी पोस्ट घमहापुर, वाराणसी
2.	शिवकरन	-	ग्राम वीरापट्टी पोस्ट घमहापुर, वाराणसी
3.	श्री लालचन्द प्रसाद सिंह	शिवजोर	ग्राम वीरापट्टी पोस्ट घमहापुर, वाराणसी
4.	श्री विश्वनाथ	-	बझियाबारी पोस्ट हरहुआ वाराणसी
5.	श्री झन्ना लाल	श्यामनरायन	ग्राम वीरापट्टी पोस्ट घमहापुर, वाराणसी
6.	श्री कत्तू राम	-	वीरापट्टी पोस्ट घमहापुर, वाराणसी
7.	श्री जयराम सिंह	मिता सिंह	ग्राम वीरापट्टी पोस्ट घमहापुर, वाराणसी
8.	श्री डोमन राम	-	ग्राम वीरापट्टी पोस्ट घमहापुर, वाराणसी
9.	श्री रामअधार	-	मोहनपुर पोस्ट हरहुआ वाराणसी
10.	श्री जितन	-	मोहनपुर पोस्ट हरहुआ वाराणसी
11.	श्री बभूती	-	ग्राम वीरापट्टी पोस्ट घमहापुर, वाराणसी
12.	श्री छकौड़ी राम	-	वीरापट्टी पोस्ट घमहापुर, वाराणसी

चुनाव कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम	दिनांक	समय
1	नामांकन पत्रों का वितरण	17.10.2026	11.00 बजे से 11.30 बजे तक
2.	नामांकन पत्रों को जमा किया जाना	17.10.2026	11.30 बजे से 12.00 बजे तक
3.	नामांकन पत्रों की जांच	17.10.2026	12.00 बजे से 12.30 बजे तक
4.	नामांकन पत्रों की वापसी	17.10.2026	12.30 बजे से 01.00 बजे तक
5.	वैध नामांकन पत्रों का प्रकाशन	17.10.2026	01.00 बजे से 01.30 बजे तक
6.	मतदान	17.10.2026	01.30 बजे से 02.00 बजे तक
7.	मतगणना एवं चुनाव परिणाम की घोषणा	17.10.2026	02.00 बजे से चुनाव प्रकिया पूर्ण होने तक

नोट:-
1. समस्त चुनाव प्रक्रिया कार्यालय सहायक निबन्धक, फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स, हुकुलगंज, वाराणसी पर निष्पादित की जायेगी
2. निर्वाचन कार्यक्रम नोटिस बोर्ड पर चस्पा
3. नामांकन शुल्क अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रबन्धक, उपप्रबन्धक एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु रू. 5,000/-प्रति।
4. नामांकन शुल्क सदस्य पद हेतु रू. 3,000/- प्रति।
5. उपरोक्त चुनाव कार्यक्रम के बिन्दु संख्या 01 से 07 तक की कार्यवाही क्षेत्रीय कार्यालय सहायक निबन्धक, फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स वाराणसी मण्डल वाराणसी पर सम्पन्न होगें। मतदान के समय मतदाता को अपने-अपने परिचय पत्र, जो निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित किये गये है, आवश्यक रूप से लाना है।

चुनाव अधिकारी/सहायक निबन्धक
फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स, वाराणसी मण्डल, वाराणसी।

वर्गीकृत विज्ञापन

सूचना

सूचना-सूचित किया जाता है कि मेरे आर्मी सर्विस नंबर संख्या 15 22 8903 k में पिता जी का नाम अंग्रेजी में Lalata prasad yadav के जगह Lalta prasad yadav तथा उनके जन्म तिथि में 01.01.1959 के जगह 07.04.1962 हो गया है जबकि सही नाम **Lalata prasad yadav** व जन्म तिथि 01.01.1959 है। **दिनेश कुमार यादव** पुत्र लालता प्रसाद यादव ग्राम- गद्दोपुर ,पोस्ट- हाथी,जिला वाराणसी। मो. नं. 9721 696 947

सूचना-सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरा हाईस्कूल वर्ष 2021अनुक्रमांक 212482086 का मूल प्रमाणपत्र सह अंकपत्र खो गया है। **युवराज** पुत्र कल्लू सिंह ग्राम कटका, नरायनपुर मिर्जापुर

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड संख्या-7334 4678 7039 मेरा नाम कुमारी मुस्कान अंकित है जो गलत है, जबकि मेरे हाईस्कूल के अंकपत्र में मेरा नाम मुस्कान अंकित है जो सही है। कुमारी मुस्कान व मुस्कान दोनों ही नाम एक व्यक्ति का है। अत: मेरे हाईस्कूल के अंकपत्र के अनुसार मेरे आधार कार्ड में मेरा सही नाम दर्ज किया जाए। **मुस्कान** पुत्री रविंद्र कुमार, ग्राम-यारपुर बेदुआ, तहसील व जिला- बलिया, उ.प्र.

सूचना

सूचना-सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का उसके समस्त शैक्षणिक अभिलेखों में नाम अर्पिता यादव पुत्री कमलेश यादव है, जोकि उसका सही नाम है। मेरी पुत्री के आधारकार्ड में त्रुटिवश नाम आरती यादव अंकित हो गया है, जिसे सुधार किया जाना आवश्यक एवं न्याय संगत होगा। **कमलेश यादव** , निवासी ग्राम मझवां, तहसील चुनार, जिला मीरजापुर।

सूचना-मेरा पुत्र विहान लढ़ा जो सनबीम स्कूल लहरतारा वाराणसी में कक्षा-10 मे अध्यनरत है, स्कूल के रिकार्ड में मेरा नाम VINEET SANTOSH LADHA अंकित हो गया है जो गलत है सही नाम **VINIT LADHA** है जिसे सुधार किया जाना न्यायसंगत होगा। विनीत लढ़ा पुत्र स्व. सन्तोष लढ़ा पता जे. 12/34-1 के धूपचण्डी नाटीईमली वाराणसी।

सूचना-सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम गुंजा देवी (GUMJA DEVI) दर्ज है जिसमें अंग्रेजी में नाम गलत एवं त्रुटिपूर्ण है जबकि मेरे निर्वाचन कार्ड में गुन्जा देवी (GUNJA DEVI) दर्ज है जो सही है अत: भविष्य में मेरे सही नाम गुन्जा देवी (**GUNJA DEVI**) के नाम से जाना व पहचाना जाय। गुन्जा देवी पत्नी राहुल कन्नौजिया निवासिनी पूरे रघुनाथ गोपीगंज संत रविदास नगर भदोही।

पाठकों से

'आज' में छपे किसी भी विज्ञापन के सम्बन्ध में पाठक स्वत: जांच करके कार्य करें। इसके सम्बन्ध में कोई भी दावा 'आज' प्रकाशन पर न होगा।
प्रबन्धक

कार्यालय नगर पालिका परिषद, गाजीपुर

पत्रांक: मेमो/ 23- विज्ञापन/ न.पा.परि.गा./ 2026-27 दिनांक-01.10.2026

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 01.10.2026 को नगर पालिका परिषद गाजीपुर द्वारा "स्वच्छ सेवा संकल्प" के दृष्टिगत साई घाट पर अभियान चलाया गया, जिसमें मा० राज्य सभा सांसद श्रीमती संगीता बलवन्त भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री कृष्ण बिहारी राय एवं जिलाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश राय नगर पालिका परिषद गाजीपुर की अध्यक्ष श्रीमती सरिता अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष श्री विनोद कुमार अग्रवाल एवं मा० सभासदगण श्री रवि केशरी, श्री अजय कुशवाहा, श्री नन्दू कुशवाहा व भारी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ-साथ यूनियन बैंक आफ इण्डिया के सभी अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहे। जिसमें साईघाट पर व्यापक सफाई के साथ-साथ वृक्षारोपण का कार्य किया गया। जिसमें कुल लगभग 2500 की संख्या में लोग उपस्थित रहे। समस्त कार्य नगर पालिका परिषद गाजीपुर के अधिशासी अधिकारी डॉ धीरेन्द्र कुमार राय एवं उनके अधीनस्थ अधिकारी / कर्मचारी द्वारा सफल आयोजन कराया गया है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद गाजीपुर

कार्यालय : ग्राम पंचायत, भदौरा विकास खण्ड भाँवरकोल, गाजीपुर

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026-27 में जी राम जी/चतुर्थ/पंचम राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त आयोग/पी.जी.आई.एफ/स्वच्छ भारत मिशन स्वच्छ शौचालय, आंगनबाड़ी केन्द्र पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय एवं अन्य मदों/योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराए जाने वाले कार्यों के लिए कार्य स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता प्रकाशन तिथि से 05 कार्य दिवस के अन्दर प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते हैं। जो निविदा हेतु गठित समिति के सदस्यों के सामने खोली जाएगी। निविदा प्रकाशन की तिथि 02 अक्टूबर 2026 और निविदा खुलने की तिथि 07 अक्टूबर 2026 समय 01:00 बजे अपराह्न, स्थान ग्राम पंचायत भवन पर निर्धारित है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है।

1. ईट 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेन्ट प्रति बैग, 3. महीन बालू सफेद बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एम.एम. से 53 एम.एम. (अलग-अलग) प्रति घन मीटर, 5. सरिया प्रति कुन्टल, 6.- एस्वेट्ससीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुन्तल/प्रतिनग, 7 ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एम.एम.पी. 3 प्रतिनग, 8. सोलर लाइट प्रतिनग, 9 इंटरलाकिंग ईट 200 गुणे, 160 गुणे, 80 एम.एम. प्रति हजार, 10. पटिया जी आई पाइप पी. बी.सी. पाइप साकेत-प्रतिनग, 11. मोटा बालू प्रतिघन मीटर, 12. ईट गिट्टी 20 एम.एम./40एम.एम. प्रतिघन मी., 13. हैण्डपम्प सामग्री इंडिया मार्का II हैण्डपम्प मरम्मत प्रतिनग, 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रतिनग, 15. चूना ब्लिचिंग पाउडर पेन्ट डिस्टेम्पर प्रति कि.ग्रा. / प्रतिबन्ध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है।

अविनाश कुमार
सचिव
मो.नं.-8687744711

बिट्टू सिंह कुशवाहा
ग्राम पंचायत प्रशासक

कार्यालय : ग्राम पंचायत, तरॉंव विकास खण्ड भाँवरकोल, गाजीपुर

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026-27 में जी राम जी/चतुर्थ/पंचम राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त आयोग/पी.जी.आई.एफ/स्वच्छ भारत मिशन स्वच्छ शौचालय, आंगनबाड़ी केन्द्र पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय एवं अन्य मदों/योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराए जाने वाले कार्यों के लिए कार्य स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता प्रकाशन तिथि से 05 कार्य दिवस के अन्दर प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते हैं। जो निविदा हेतु गठित समिति के सदस्यों के सामने खोली जाएगी। निविदा प्रकाशन की तिथि 02 अक्टूबर 2026 और निविदा खुलने की तिथि 06 अक्टूबर 2026 समय 01:00 बजे अपराह्न, स्थान ग्राम पंचायत भवन पर निर्धारित है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है।

1. ईट 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेन्ट प्रति बैग, 3. महीन बालू सफेद बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एम.एम. से 53 एम.एम. (अलग-अलग) प्रति घन मीटर, 5. सरिया प्रति कुन्टल, 6.- एस्वेट्ससीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुन्तल/प्रतिनग, 7 ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एम.एम.पी. 3 प्रतिनग, 8. सोलर लाइट प्रतिनग, 9 इंटरलाकिंग ईट 200 गुणे, 160 गुणे, 80 एम.एम. प्रति हजार, 10. पटिया जी आई पाइप पी. बी.सी. पाइप साकेत-प्रतिनग, 11. मोटा बालू प्रतिघन मीटर, 12. ईट गिट्टी 20 एम.एम./40एम.एम. प्रतिघन मी., 13. हैण्डपम्प सामग्री इंडिया मार्का II हैण्डपम्प मरम्मत प्रतिनग, 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रतिनग, 15. चूना ब्लिचिंग पाउडर पेन्ट डिस्टेम्पर प्रति कि.ग्रा. / प्रतिबन्ध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है।

अविनाश कुमार
सचिव
मो.नं.-8687744711

समीर पासवान
ग्राम पंचायत प्रशासक

एमएलसी चुनाव में भाजपा ने कसी कमर, बूथ स्तर तक माइक्रो मैनेजमेंट की तैयारी

केदारनाथ सिंह व डॉक्टर प्रमोद कुमार मिश्र के प्रत्याशी घोषित होते ही क्षेत्रीय कार्यालय में मंथन,पंजीकृत मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने की बनाई रणनीति,विधानसभा चुनाव से पहले एमएलसी चुनाव में जीत को बताया पहला लक्ष्य

वाराणसी खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशियों की घोषणा के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने विधान परिषद चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने स्नातक सीट से केदारनाथ सिंह और शिक्षक सीट से डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा को प्रत्याशी बनाया है। प्रत्याशियों के नाम घोषित होने के बाद बुधवार को रोहनिया स्थित भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय में प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें बूथ स्तर तक चुनावी रणनीति को मजबूत करने और प्रत्येक पंजीकृत मतदाता तक पहुंच बनाने पर जोर दिया गया। काशी क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव की तर्ज पर एमएलसी चुनाव में भी संगठन का माइक्रो मैनेजमेंट प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता बढ़ाने के साथ पन्ना प्रमुखों की भूमिका तय की जाएगी।

कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करने के साथ शिक्षण संस्थानों में बैठकें करने और पार्टी की नीतियों तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंजीकृत मतदाता से संपर्क और संवाद के बाद उसे मतदान केंद्र तक पहुंचाना चुनावी रणनीति का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होगा। कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची के अनुसार क्षेत्रवार जिम्मेदारी देकर अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। अशोक चौरसिया ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले एमएलसी चुनाव में जीत हासिल करना पार्टी का पहला लक्ष्य है। इसके लिए सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी योजना एवं निष्ठा के साथ तैयारी में जुटें। भाजपा ने वाराणसी स्नातक सीट पर केदारनाथ सिंह को और वाराणसी शिक्षक सीट पर डाक्टर प्रमोद कुमार मिश्रा को प्रत्याशी घोषित किया है। दोनों नाम २९ सितंबर को घोषित पार्टी की छह प्रत्याशियों की सूची में शामिल थे। बैठक में क्षेत्र उपाध्यक्ष नवरतन राठी, विद्याधर तिवारी, अजीत रावत, अनुप जायसवाल, अनिल श्रीवास्तव, जगदीश त्रिपाठी, देवेंद्र मौर्य, अमित राय,राजेश राजभर,अनिल गुप्ता तथा क्षेत्र सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर सहित अन्य पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एक नजर इधर भी

२०० टन वजनी ओवर डायमेंशन कार्गो बायलर को लेकर ३०८ पहियों वाला ट्रेलर स्वर्वेद मंदिर के समीप पहुंचा

चौबेपुर। क्षेत्र के उमरहा में गुरुवार शाम उस समय हाईवे पर हलचल बढ़ गई, जब करीब २०० टन वजनी ओवर डायमेंशन कार्गो बायलर को लेकर चल रहे ३०८ पहियों वाले विशाल ट्रेलर के रास्ते में स्वर्वेद महामंदिर के सामने बना पैदल फुट ओवरब्रिज बाधा बन गया। ट्रेलर को सुरक्षित निकालने के लिये फुट ओवरब्रिज को काटकर हटाने का काम शुरू कर दिया गया। बताया गया कि विशाल बायलर को लेकर विशेष ट्रेलर ओडिशा से सड़क मार्ग के जरिये उत्तर प्रदेश लाया जा रहा है। मशीन को बेल्जियम से समुद्री रास्ते से ओडिशा पहुंचाया गया था। वहां से इसे विशेष व्यवस्था के तहत ट्रेलर पर लादकर लखीमपुर खीरी जिले के बलरामपुर में निर्माणाधीन प्लांट तक पहुंचाया जा रहा है। ओवर डायमेंशन कार्गो होने के कारण सामान्य यातायात मार्ग पर कई स्थानों पर इसकी ऊंचाई और चौड़ाई को लेकर विशेष इंतजाम किये जा रहे हैं। उमरहा में स्वर्वेद महामंदिर के सामने फुट ओवरब्रिज की ऊंचाई ट्रेलर के रास्ते में आ रही थी। इसके बाद गुरुवार शाम पुल को काटकर हटाने का काम शुरू कराया गया। स्थानीय लोगों की निगाहें भी इस विशाल ट्रेलर पर टिकी रहीं। संभावना जतायी गयी कि ट्रेलर गुरुवार रात उमरहा पहुंचेगा। ३०८ पहियों वाले इतने बड़े ट्रेलर से २०० टन के बायलर को ले जाने का नजारा देखने के लिये आसपास के लोगों में भी उत्सुकता बनी रही।

उत्तर प्रदेश स्वर्णकार संघ की प्रदेश और जिला इकाइयां भंग

उत्तर प्रदेश स्वर्णकार संघ (पंजीकरण संख्या १३६३) की आपात बैठक प्रदेश अध्यक्ष रवि सर्राफ की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से प्रदेश इकाई, सभी जिला इकाइयों और विभिन्न प्रकोष्ठों को भंग करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष रवि सर्राफ ने बताया कि संगठन के पुनर्गठन के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश और जिले की नई इकाइयों का गठन शीघ्र किया जायेगा। बैठक में कृष्ण कुमार सेठ 'बच्चू जी', श्याम सुंदर सिंह, विनोद कुमार सेठ, कमल कुमार सिंह, विष्णु दयाल सेठ और किशोर कुमार सेठ समेत प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मांगें पूरी नहीं हुई तो पांच अक्टूबर को लखनऊ कूच करेंगे ग्राम पंचायत अधिकारी

बाबतपुर। लंबित मांगों और समस्याओं के समाधान में हो रही देरी से नाराज ग्राम पंचायत अधिकारियों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर बड़ागांव विकासखंड के ग्राम पंचायत अधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर खंड विकास अधिकारी छोटेलाल तिवारी को ज्ञापन सौंपा। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि पांच अक्टूबर २०२६ तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो प्रदेशभर के ग्राम पंचायत अधिकारी लखनऊ पहुंचकर आंदोलन करेंगे। पांच अक्टूबर को अलीगंज स्थित पंचायती राज निदेशालय (लोहिया भवन) में गांधी प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय शांतिपूर्ण सांकेतिक प्रदर्शन प्रस्तावित है। बड़ागांव के प्रतिनिधियों ने खंड विकास अधिकारी छोटेलाल तिवारी से आंदोलन में शामिल होने के लिए जनपद के सभी ग्राम पंचायत अधिकारियों को आवश्यक अनुमति देने की मांग की। इस दौरान बड़ागांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत अधिकारी और संघ के स्थानीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता वाकाथन में गूंजा 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' का संदेश

रेल अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ स्काउट-गाइड बच्चों ने लिया हिस्सा, अधिकारी कॉलोनी में हुआ श्रमदान

पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा-२०२६' पखवाड़े के तहत गुरुवार को स्वच्छता वाकाथन आयोजित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के नेतृत्व में वाकाथन अधिकारी क्लब से शुरू होकर ऑफिसर्स कॉलोनी एवं रेलवे कॉलोनी होते हुए अधिकारी क्लब की सेकेंड एंट्री पर समाप्त हुआ। इससे पहले 'आकाश गंगा' में आशीष जैन ने अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्काउट-गाइड बच्चों के साथ स्वच्छता रैली रवाना की। इसमें अपर मंडल रेल प्रबंधक अशोक कुमार वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक अजय

सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर आर. जे. चौधुरी, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर विकास कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर अनुभव पाठक और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पंकज चुघ सहित अधिकारी, कर्मचारी व आरपीएफ जवान शामिल हुए। बाद में अधिकारी कॉलोनी के उद्यान में करीब दो घंटे श्रमदान किया गया। अनुभव पाठक ने बताया कि आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, थावे, सीवान, देवरिया सदर, मऊ और प्रयागराज रामबाग में भी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम हुए।

बुजुर्ग परिवार के अमूल्य धरोहर - पूनम मौर्या

काशी विद्यापीठ ब्लाक : संयुक्त परिवार की अवधारणा को मजबूत करने तथा बच्चों में अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान, स्नेह और सेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से कंपोजिट विद्यालय महेशपुर में अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस गुरूवार को मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही चित्रकला, निबंध, पत्र लेखन प्रतियोगिताओं के जरिए सेवा, राष्ट्रप्रेम, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक

जागरूकता जैसे विषयों को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत प्रशासक पूनम मौर्या ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बुजुर्ग परिवार की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, संस्कार और आशीर्वाद नई पीढ़ी के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों को अपने दादा-दादी एवं अन्य वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए तथा उनके प्रति सेवा और सहयोग का भाव बनाए रखना चाहिए। साथ ही चल रहे सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों को जनजन तक पहुंचाने तथा संस्कारयुक्त समाज के निर्माण में विद्यालय की भूमिका को रेखांकित किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद राजेश कन्नौजिया, प्रधानाध्यापिका शीला यादव, अर्चना सिंह, ज्योत्सना त्रिपाठी, मुन्नी देवी, मंजू तिवारी आदि थे।

सिंधोरा में इलेक्ट्रिक बस सेवा पुनः शुरू

सिंधोरा क्षेत्र में काफी समय से बंद पड़ी इलेक्ट्रिक बस सेवा पुनः शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू होने पर सिंधोरा उद्योग व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, पिंडरा विधायक डॉ. अवधेश सिंह जी एवं भाजपा नेता फौजदार शर्मा के प्रति हार्दिक बधाई एवं आभार व्यक्त किया। सिंधोरा उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष धनंजय मोदनवाल उर्फ सोनू द्वारा जनप्रतिनिधियों के समक्ष सिंधोरा में बंद पड़ी इलेक्ट्रिक बस सेवा को पुनः शुरू कराने का आग्रह किया गया था। सेवा बहाल होने से सिंधोरा क्षेत्र के व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों तथा आसपास के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। व्यापार मंडल अध्यक्ष धनंजय मोदनवाल उर्फ सोनू ने कहा कि सिंधोरा में इलेक्ट्रिक बस सेवा का पुनः संचालन क्षेत्र की जनसुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बस सेवा बहाल कराने में सहयोग करने वाले सभी जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित लोगों का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सिंधोरा उद्योग व्यापार मंडल की ओर से जनप्रतिनिधियों को हार्दिक बधाई देते हुए क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े कार्यों में इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की गयी।

श्री शिवप्रसाद गुप्त मण्डलीय चिकित्सालय में ४५ यूनिट रक्तदान किया गया

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस एवं सेवा संकल्प अभियान (१७ सितंबर २०२६ से ०२ अक्तूबर २०२६) के उपलक्ष्य पर गुरुवार को लायंस क्लब वाराणसी एवं बनारसी इश्क फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में श्री शिवप्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय के रक्तकेंद्र परिसर में वृहद स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल ५४ लोगों ने पंजीकरण कराया, जिसमें ४५ स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानव सेवा एवं रक्तदान महादान का पुनीत कार्य किया। रक्तदाताओं में युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शुभ अवसर चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डॉक्टर बृजेश कुमार, रक्त बैंक प्रभारी डॉक्टर अभिषेक कुमार राय, डॉक्टर मुकुंद श्रीवास्तव, डॉक्टर मृदुला मलिक, डॉक्टर संजीव सिंह समेत रक्त केंद्र के लैब टेक्निशियन काउंसलर्स, स्टाफ नर्स एवं कर्मचारी समय बड़ी संख्या में रक्तदाता अन्य गणमान्य एवं मीडिया बंधु उपस्थित थे।

खेल मैदान और प्राथमिक विद्यालय की भूमि पर अन्नपूर्णा भवन निर्माण का आरोप

चौबेपुर। विकासखंड चिरईगांव के खेतलपुर ग्राम सभा में अन्नपूर्णा भवन के निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। ग्राम निवासी कांता यादव ने आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान और कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा शासनादेश के विपरीत राजस्व विभाग से चिन्हित स्थल के बजाय प्राथमिक विद्यालय और खेल मैदान की भूमि पर निर्माण कराया जा रहा था। आवेदक के अनुसार, अन्नपूर्णा भवन के निर्माण के लिए पूर्व में आराजी नंबर १२ की भूमि प्रस्तावित की गयी थी। आरोप है कि इसके बावजूद आराजी नंबर ११ स्थित प्राथमिक पाठशाला तथा आराजी नंबर नौ स्थित खेल मैदान की भूमि पर फर्जी प्रस्ताव के आधार पर निर्माण कराने का प्रयास किया गया। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि मामले की शिकायत के बाद जिलाधिकारी स्तर से निर्माण कार्य पर रोक लगायी गयी। इसके बाद अपर जिलाधिकारी (नगर) द्वारा भी जांच कर फर्जी प्रस्ताव के निरस्तीकरण की रिपोर्ट भेजे जाने का उल्लेख किया गया है। जांच रिपोर्ट में प्राथमिक विद्यालय और खेल मैदान की भूमि पर किसी प्रकार का हस्तक्षेप विधि सम्मत नहीं होने की बात कही गयी है। प्रकरण से संबंधित दस्तावेज में उच्च न्यायालय के ७ अप्रैल के आदेश का भी उल्लेख है। इसमें संबंधित प्रस्ताव पर आवश्यक अनुमोदन के बाद निर्माण कार्य आगे बढ़ाने की बात कही गयी है। कांता यादव ने मांग की है कि पूर्व में प्रस्तावित आराजी नंबर १२ की भूमि पर ही अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कराया जाए तथा नियमों के विपरीत निर्माण कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और ग्राम प्रधान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाये। उन्होंने मामले में शासनादेश और राजस्व अभिलेखों के अनुरूप कार्रवाई की मांग की है।

व्यापारी के निधन पर कोआपरेटिव व्यवसायिक समिति ने जताया शोक

मिंट हाउस स्थित कोआपरेटिव व्यवसायिक समिति के प्रतिष्ठित व्यापारी विक्रम देव सिंह उर्फ मुन्ना सिंह के ३० सितंबर को शाम चार बजे हुए असामयिक निधन पर समिति की ओर से गुरुवार को शोकसभा का आयोजन किया गया। व्यापारियों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। शोकसभा में व्यापारियों ने कहा कि विक्रम देव सिंह के निधन से समिति को अपूरणीय क्षति हुई है। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन घड़ी में धैर्य और संबल देने की प्रार्थना की। शोकसभा में समिति के अध्यक्ष दीपक सिंह, जितेन्द्र शुक्ल, वरुण कुमार, राहत कबीर सिद्दीकी, रिंकू, समीर गुप्त, याकिब सिद्दीकी, मनिषा लहरी, राजेश्वर सिंह, सुभाष पांडेय, मुनाऊ भाई, हलीम भाई समेत अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

रमना प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लगा ग्राम चौपाल

सीएमओ डाक्टर एन.पी. सिंह के मार्गदर्शन में डाक्टर शिवशक्ति प्रसाद द्विवेदी ने ग्रामीणों को दी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रमना द्वारा ग्राम चौपाल का

आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वाराणसी डॉ. एन.पी. सिंह के मार्गदर्शन में डॉ. शिवशक्ति प्रसाद द्विवेदी, प्रभारी राजकीय चिकित्सा अधिकारी, रमना ने ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी। इस दौरान आयुष्मान भारत योजना, टीबी उन्मूलन, जननी सुरक्षा योजना, पैथोलॉजी जाँच, आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सेवाओं तथा महिला एवं पुरुष नसबंदी एवं परिवार नियोजन के संबंध में जागरूक किया गया। ग्रामीणों से अपील की गई कि पात्र परिवार आयुष्मान कार्ड बनवाएँ, टीबी के लक्षण होने पर समय से जाँच कराएँ तथा गर्भवती महिलाएँ नियमित स्वास्थ्य जाँच कराकर सुरक्षित प्रसव के लिए सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की सेवाओं का लाभ लें। डाक्टर शिवशक्ति प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि ग्राम चौपाल का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्रत्येक परिवार तक पहुँचाकर उन्हें समय पर लाभ दिलाना है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रोहनिया प्रतिनिधि दीपक , ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि काशी विद्यापीठ प्रवेश पटेल, रमना प्रधान प्रतिनिधि अमित पटेल, पंचायत प्रतिनिधि राजेश वर्मा, सचिव आदर्श दूबे, फार्मासिस्ट विजय कुमार, पवन, समीर यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सपनों का भारत केवल कल्पना नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, सेवा और राष्ट्रनिष्ठा के प्रयासों से होगा निर्मित - प्रोफेसर राजनाथ

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के योग साधना केन्द्र में गुरुवार को सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के ४१ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर विकसित, आत्मनिर्भर, संस्कारित एवं विश्वगुरु भारत की अपनी परिकल्पना प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में हर्ष पाण्डेय ने प्रथम, विवेक सुमन शर्मा ने द्वितीय तथा अभिषेक उपाध्याय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रत्नेश अग्रहरी को सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।वाइस चांसलर प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के सपनों का भारत ज्ञान, संस्कार, सेवा, अनुशासन, नैतिकता और राष्ट्रनिष्ठा पर आधारित होना चाहिए। युवा

शक्ति के विचार, संकल्प और कर्मठता ही भारत के भविष्य को दिशा देंगे। बतौर मुख्य अतिथि पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर राजनाथ ने कहा कि सपनों का भारत केवल कल्पना नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, सेवा और राष्ट्रनिष्ठा के सतत प्रयासों से निर्मित होगा। अध्यक्षता करते हुए छात्रकल्याणसंकायाध्यक्ष एवं सेवा संकल्प अभियान के नोडल अधिकारी प्रोफेसर शैलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, सहयोग, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में प्रोफेसर महेन्द्र पाण्डेय, डॉक्टर विशाखा शुक्ला एवं डॉक्टर. नितिन आर्य शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सत्येन्द्र कुमार यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर अर्पिता मिश्रा ने किया। इस अवसर पर संयोजक डॉक्टर सत्येन्द्र कुमार यादव, डॉक्टर अनन्तेश्वर मिश्रा सहित विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, आचार्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

डेंगू-मलेरिया पर वार, घर-घर दस्तक देगी स्वास्थ्य टीम

विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का गुरुवार को कबीरचौरा स्थित श्री शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय से शुभारंभ हुआ। पूर्व मंत्री व विधायक डॉक्टर नीलकंठ तिवारी ने जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान के तहत

स्वास्थ्य टीमें घर-घर पहुंचकर डेंगू, मलेरिया समेत संचारी रोगों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करेंगी। रैली में नगर निगम के स्वच्छता कर्मियों, आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया। लोगों को जलभराव रोकने, मच्छरों के प्रजनन स्थल नष्ट करने और आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। विधायक डॉक्टर नीलकंठ तिवारी ने कहा कि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान को जनआंदोलन बनाना होगा। इसकी जिम्मेदारी केवल सरकारी विभागों की नहीं, प्रत्येक नागरिक की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर एनपी सिंह ने सभी विभागों को माइक्रो प्लान के अनुसार गतिविधियां समय से पूरा करने और नियमित निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घर-घर संपर्क के दौरान बुखार, रोगों के लक्षण, बचाव और समय पर उपचार की जानकारी दी जाएगी। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी भी होगी। कार्यक्रम में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर बृजेश कुमार, डॉक्टर शिशिर कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी शरदचंद पांडेय समेत नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने चलाया स्वच्छता अभियान

बैंक ऑफ बड़ौदा के वाराणसी अंचल की ओर से 'स्वच्छता ही सेवा-२०२६' अभियान के तहत बुधवार को 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' कार्यक्रम में श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान की थीम 'स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' रही। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों की सफाई की। 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार, उप महाप्रबंधक मनोज कुमार बक्शी, उप महाप्रबंधक भोला नाथ त्रिवेदी, क्षेत्रीय प्रमुख भारत भूषण सहित अधिकारियों व कर्मचारियों ने सहभागिता की। सभी ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

दीन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में सप्ताह में तीन दिन रेडियोलाजिस्ट की सेवा, मेडिकोलीगल जांच में मिलेगी राहत

पण्डित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में मेडिकोलीगल प्रकरणों की जांच और रिपोर्ट तैयार करने की व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जगी है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह की ओर से रेडियोलाजिस्ट रविकांत ओझा को दीन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय से संबद्ध किया गया है। वह सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चिकित्सालय में सेवाएं देंगे। सप्ताह के अन्य तीन दिन वह श्री शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय में सेवाएं देंगे। रेडियोलाजिस्ट की नियमित उपलब्धता से दीन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में मेडिकोलीगल (एक्स-रे,अल्ट्रासाउंड) जांच के लिए पहुंचने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। अब तक रेडियोलाजिस्ट की उपलब्धता नहीं होने से मेडिकोलीगल प्रकरणों की जांच और रिपोर्ट तैयार कराने में दिक्कत होती थी। कई प्रकरणों में जांच के लिए मरीजों को इंतजार करना पड़ता था। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सत्य प्रकाश मिश्रा ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से एक रेडियोलॉजिस्ट को दीन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय से अटैच किया गया है। सप्ताह में तीन दिन उनकी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इससे मेडिकोलीगल मामलों के निस्तारण में सुविधा होगी और मरीजों को भी लाभ मिलेगा।

जियो फाइबर में आफर दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगो ने १७ हजार उड़ाया

जियो फाइबर में आफर दिलाने का झांसा देकर साइबर ठग ने एक व्यक्ति से १६ हजार नौ सौ ९९ रुपये खाते में ट्रांसफर कर लेने के मामले में पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज करायी। खाते की जानकारी के आधार पर साइबर सेल मामले की जांच कर रही है। सिगरा थाना क्षेत्र के चंदुआ छत्तूपुर निवासी रजनीकांत मिश्रा के मोबाइल पर अजमल नामक व्यक्ति ने फोन किया। उसने जियो फाइबर में आफर दिलाने की बात कहकर उन्हें झांसे में लिया। बातचीत के दौरान साइबर ठग ने रजनीकांत से १६ हजार नौ सौ ९९ रुपये एक खाते में ट्रांसफर करा लिये। रकम ट्रांसफर होने के बाद ठगी का पता चला। पीड़ित के अनुसार जिस खाते में रुपये भेजे गये उसमें खाताधारक का नाम अजमल प्रदर्शित हो रहा था। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन स्थित साइबर सेल में शिकायत दर्ज करायी। साइबर सेल की टीम खाते से जुड़े विवरण और अन्य जानकारी जुटाकर मामले की जांच कर रही है।

कैप्टन स्मित मच्छार के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ को काशी में विशेष प्रार्थना

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और दीर्घायु की कामना से श्री काशी विश्वनाथ धाम में विशेष धार्मिक अनुष्ठान किया गया। इस दौरान २१ शास्त्रियों ने कुशा-जल से रुद्राभिषेक किया, जबकि ११ शास्त्रियों ने एक लाख महामृत्युंजय मंत्रों का जाप कर बाबा विश्वनाथ से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। अनुष्ठान में विषम परिस्थितियों में कैप्टन स्मित मच्छार द्वारा साहस, कर्तव्यनिष्ठा और मानवता का परिचय देने तथा यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के भाव को नमन किया गया। इसी क्रम में एक अक्तूबर को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा संचालित ललिता घाट और नमो घाट की गंगा आरती में भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए विशेष प्रार्थना की गयी। शास्त्रियों ने विधि-विधान से मां गंगा की आरती कर उनके स्वस्थ, सशक्त और दीर्घ जीवन की कामना की।

सुधाकर महिला विधि महाविद्यालय में जागरुकता अभियान

सुधाकर महिला विधि महाविद्यालय में पास्को एक्ट पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, २०१२ के संबंध में स्कूली बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष राज्यव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्ण कालिक सचिव राजीव मुकुल पाण्डेय ने कहा कि जागरूकता ही बाल सुरक्षा की पहली पीढ़ी है। यदि बच्चों को उनके अधिकारों और कानूनी संरक्षण की जानकारी होगी, तो वे अनुचित परिस्थितियों के प्रति अधिक सजग रहेंगे। ए.डी.जे.-दो श्रीमती रचना सिंह ने कहा कि बच्चों की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान की रक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। इसलिए बच्चों के प्रति अपराधों को गुप्त रखते हुए, जाँच की जानी चाहिए। क्योंकि बच्चे अपराध को समझते ही नहीं। चेयरमैन डॉक्टर प्रभु नारायण दूबे ने कहा कि पास्को एक्ट का वास्तविक उद्देश्य तभी सफल होगा, जब कानून की जानकारी समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक बच्चा अपने अधिकारों तथा अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक हो। प्राचार्य डॉक्टर अशोक कुमार पाण्डेय ने कहा कि बाल यौन शोषण के विरुद्ध सबसे प्रभावी उपायों में जागरुकता महत्वपूर्ण है। बच्चों को यह जानकारी होनी चाहिए कि उनका शरीर, उनकी निजता और उनकी गरिमा महत्वपूर्ण है।जबकि अभियान के अन्तर्गत पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी जागरूकता अभियान चलाया गया।इस अवसर पर तकनीकी निदेशक आयुष्मान दूबे, प्रशासनिक निदेशक कीर्तिमान दूबे, डॉक्टर सुजीत राय, डॉक्टर श्याम सुंदर मिश्रा, डॉक्टर हेमा गुप्ता, डॉक्टर मनोरम तिवारी, डॉक्टर रोली पाण्डेय, डॉक्टर सुनील पाण्डेय, डॉक्टर प्रवीण मिश्रा एवं डॉक्टर धम्म प्रिय गौतम ने अपना पूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजकुमार श्रीवास्तव ने किया।

क्षय मुक्त काशी - निरोग काशी

क्षय रोग (TB) के लक्षण

समुचित आहार लेने पर भी शरीर का वजन कम होना। * भूख न लगना, अरुचि होना। * दो हफ्तों से अधिक समय तक खाँसी का ठीक न होना। * गहरी सांस लेने, खाँसने, छींक या हँसी आदि से छाती में चुभन सा दर्द। * थोड़ा श्रम करने से भी हाँफना। * हल्का बुखार जो बना रहे। * मुख से बलगम के साथ रक्त आना। * गले में गाँठ का तीन सप्ताह से अधिक समय तक बने रहना।

क्षय रोग उन्मूलन हेतु

सामाजिक संस्था संकल्प द्वारा 26 वर्षों से अनवरत चलने वाला शिविर/अभियान क्षय मुक्त काशी-निरोग काशी डॉ0 अश्विनी जैन क्लिनिक,मलदहिया, वाराणसी से प्रत्येक कार्यदिवस में संचालित है।

चिकित्सक

डॉ0 हर्षित जैन डॉ0 आंचल अग्रवाल (जैन)

संकल्प द्वारा प्रचारित व प्रसारित

-: सहयोग :-

आज

KG कन्हैयालाल गुलाबचन्द सर्राफ

सोने, कुन्दन व हीरे के आभूषणों का अतुलनीय संग्रह, चांदी के बर्तन, सोने व चांदी के सिक्कों एवम् अष्ट रत्नों की विशाल शृंखला उपलब्ध

चौक (ठठेरी बाजार गली के सामने) वाराणसी फोन: 0542-2390754

चांदी सिल प्रति किलो-	2,25,000/-
सिक्का प्रति सैकड़ा-	2,63,000/-
सोना स्टैण्डर्ड 10 ग्राम-	1,47,500/-
सोना 22 कैरेट प्रति 10 ग्राम-	1,38,600/-

सुभाषित *गरीबी दैवी अभिशाप नहीं, बल्कि मानवरचित षड्यन्त्र है। जन-सहयोगसे ही इसे दूर किया जा सकता है।* ❑ **महात्मा गांधी**

प्रतिरोधका प्रभाव

भारत निर्वाचन आयोगने ३० सितम्बरको मतदाता सूचीके विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रियामें महत्वपूर्ण परिवर्तन करते हुए उन राज्योंमें फार्म-६ से जुड़ी अतिरिक्त घोषणाको हटाकर राहतकारी कदम उठाया है। आयोगने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यह घोषणापत्र अब केवल उन्हीं राज्योंमें लागू रहेगा, जहां एसआईआरका कार्य चल रहा है। घोषणापत्रमें मतदाताके माता, पिता, दादा आदिकी मतदाता सूचीके बारेमें जानकारी मांगी जाती थी। घोषणापत्रमें जानकारी देनेके बाद किसी अन्य दस्तावेजकी आवश्यकता नहीं रह जाती है। अबतक उत्तर प्रदेश सहित २० राज्योंमें एसआईआर पूरा हो चुका है। १२ राज्योंमें यह प्रक्रिया चल रही है। २० राज्योंमें अब कोई नया मतदाता जुड़ना चाहता है तो उसे घोषणापत्र नहीं भरना होगा लेकिन शेष दस्तावेज देने होंगे। एक अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्रकी रिपोर्टमें दावा किया गया है कि दो चुनाव आयुक्तों विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधूने इसपर आपत्ति जतायी थीं। अब सवाल उठता है कि चुनाव आयोगके इस कदमको किस रूपमें देखा जाना चाहिए? यह महत्वपूर्ण प्रशासनिक और लोकतांत्रिक कदम है या इस मुद्देपर उठे प्रतिरोधका प्रभाव है? यहींसे कानून प्रक्रिया और प्रशासनिक अधिकारको भी लेकर सवाल उठते हैं। आयोगका निर्णय मुख्यत: एसआईआर और सामान्य मतदाता पंजीकरणके बीच अन्तरको स्पष्ट करता है। २६ सितम्बरको चुनाव आयोगकी बैठकके बाद आयोगने स्पष्ट किया था कि गैर-एसआईआर अवधिमें रजिस्ट्रेशन आफ इलेक्ट्रोस रूल्स, १९६० के अनुरूप सामान्य प्रपत्र इस्तेमाल किये जायंगे। फार्म-६ को लेकर राजनीतिक दलोंने कड़ी आपत्तियां जतायी थीं और नागरिक अधिकार तथा मतदाता पंजीकरणसे जुड़े प्रश्न सार्वजनिक बहसका विषय बन गये थे। चुनाव आयोगके ताजे निर्णयको एक सीमातक प्रतिरोधके प्रभावके रूपमें भी देखा जा सकता है। साथ ही इस निर्णयको प्रतिरोधके बाद पुनर्विचार या प्रशासनिक सुधारकी दिशामें कदमके रूपमें भी देखा जा सकता है। लेकिन इसे प्रतिरोधकी जीत घोषित करना अभी जल्दबाजी होगी। इस बदलावके बाद सबसे बड़ी आवश्यकता होगी कि आयोग एक समान, स्पष्ट और सार्वजनिक दिशा-निर्देश जारी करे। पूरे प्रकरणका बड़ा सन्देश यह है कि मतदाता सूची शुद्ध करने और मतदाताके अधिकारके बीच सन्तुलन बहुत ही आवश्यक है। पात्र नागरिकको मतदानके अधिकारोंसे वंचित नहीं किया जाय।

पायलटके शौर्यकी मिसाल

दुबईसे तेल अबीब जा रही फ्लाई दुबईकी उड़ानमें बुधवारको काकपिटमें हुई हिंसक झड़पके दौरान भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछारने जिस बहादुरीका परिचय देते हुए विमानपर नियंत्रण बनाये रखनेमें अहम भूमिका निभायी, उससे हर भारतीय गौरवान्वित है। उनकी साहस और सूझ-बूझने चाकूके कई वार झेलकर भी प्लेनको न सिर्फ क्रैश करानेकी साजिशको विफल किया, बल्कि उसे आपातकालीन स्थितिमें सऊदी अरबके तबुक हवाई अड्डेपर सुरक्षित उतार लिया। विमानमें क्रू मेम्बर समेत १८० यात्री सवार थे, जिनमें २७ बच्चे थे। इसमें बड़ी संख्यामें इसरायली नागरिक थे। सभी यात्रियोंकी जान बच गयी और एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। फ्लाई दुबईके विमान (एफजेड-१०७३) को हाईजैक कर क्रैश करानेकी कोशिश हुई। काकपिटमें ओमानी को-पायलटने भारतीय पायलट स्थित मछारपर चाकूसे अचानक हमला किया और विमान प्रणालियोंको नुकसान पहुंचाकर उसे गिरानेकी कोशिश की। उस समय विमान आसमानमें ३४ हजार फीटकी ऊंचाईपर था जब सह-पायलटने भारतीय पायलटपर हमला कर घायल कर दिया। यात्री विमानको दुर्घटनाग्रस्त होने बचानेके लिए भारतीय पायलटने जांबाजी दिखायी और हमलावर सह-पायलटसे काकपिटमें जानकी बाजी लगाकर भिड़ गये। इस दौरान विमान यात्री भी काकपिटमें पहुंच गये और हमलावर सह-चालकको काबूमें कर लिया गया। इस तरह हादसा तो टल गया लेकिन खतरा अब भी बना हुआ है। यह घटना सुरक्षासे जुड़ी गम्भीर मामला है। यह मामला पूरी तरह सुनियोजित था। सबसे बड़ा प्रश्न तो यह है कि ओमानके को-पायलटको उड़ान भरनेकी इजाजत कैसे मिली जबकि वह एक सालसे भी कम समयसे एयरलाइनके लिए काम कर रहा था। हमलावरके दोहरी नागरिकता भी शकके दायरेमें है जिस कारणसे वह इसरायल जाने वाली उड़ानमें शामिल हो पाया। यह कुछ ऐसे प्रश्न हैं जिनका जवाब मिलना चाहिए। पूरे मामलेकी गहन जांच होनी चाहिए। प्लेनको क्रैश करानेकी कोशिश आत्मघाती हमला है। इसलिए आतंकी साजिशसे भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

लोक संवाद

गांधीजीकी सत्यनिष्ठा

महोदय,-महोदय,-राष्ट्रपिता महात्मा गांधीकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टताके कई किस्से प्रचलित हैं, जिनसे उनके विराट व्यक्तित्वकी स्पष्ट झलक मिलती है। ऐसी ही घटना दक्षिण अफ्रीकाकी है। एक प्रसिद्ध व्यापारी रूस्तम जी गांधी जीके मुवक्किल और निकटतम सहयोगी भी थे। वे अपने सभी कार्य अक्सर गांधी जीकी सलाहके अनुसार ही किया करते थे। कलकत्ता और बम्बईसे तब उनका काफी सामान आता था, जिसपर वे चुंगी चुराया करते थे। उन्होंने इस बातको गांधी जीसे छिपाये रखा। एक बार चुंगी अधिकारियों द्वारा उनकी यह चोरी पकड़ ली गयी और उनके जेल जानेकी नौबत आ गयी। वे दौड़े-दौड़े गांधी जीके पास पहुंचे और पूरा वृतांत उन्हें सुना डाला। गांधी जीने पूरी बात गौरसे सुननेके बाद उन्हें उनके अपराधके लिए फटकार लगायी और सलाह दी कि तुम सीधे चुंगी अधिकारियोंके पास जाकर अपना अपराध स्वयं कबूल कर लो, भले ही इससे तुम्हें जेल हो जाय। रूस्तम जी गांधी जीकी सलाह मानकर तुरंत चुंगी अधिकारियोंके पास पहुंचे और अपना अपराध स्वीकार कर लिया। चुंगी अधिकारी उनकी स्पष्टवादितासे प्रसन्न हुए और उन्होंने उनपर मुकद्दमा चलानेका विचार त्यागकर उनसे चुंगीकी बकाया राशिसे दुगुनी राशि वसूलकर उन्हें छोड़ दिया। **-मोनिका शर्मा, वाया ईमेल।**

गांधीके आदर्शोंको समझना जरूरी

महात्मा गांधीको समझनेके लिए उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्वको सहज रूपसे समझना होगा। उनके विराट व्यक्तित्व, संघर्षों और सत्यके प्रति निष्ठाको सूक्ष्मतासे समझना होगा। गांधीजीने अपने जीवनको ऐसी प्रयोगशाला बनाया, जिसमें हर पलका सूक्ष्मतासे परीक्षण किया। इसलिए गांधीजीका जीवन ही उनका संदेश है।

❑ **अखिलेश आर्येन्दु**

महात्मा गांधीको समझनेके लिए उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व, जिसमें उनके बचपन, किशोरावस्था, जवानी, प्रौढ़ और जीवनकी अंतिम श्वासोंतककी उनसे संबंद्ध छोटी-बड़ी घटनाओं, कार्यों, व्यवहारों, विचारों, स्वीकृतियों और अस्वीकारोंको सहज रूपसे समझना होगा। यह कौन नकार सकता है कि उनका जीवन अत्यंत संघर्षोंसे तप कर नहीं निकला था। उनका व्यक्तित्व असाधारण होते हुए भी सामान्य मानवकी कमजोरियों और संघर्षोंसे जुड़ा हुआ था। उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि वे जो करते, कहते और स्वीकारते हैं वह अकाट्य है। उन्होंने अपने जीवनमें हुई भूलोंको छिपानेके बजाय सार्वजनिक रूपसे स्वीकार किया। उनकी यह स्वीकारता उनके व्यक्तित्वको असाधारण बनाती है। वे दूसरोंको उपदेश देनेसे पहले स्वयंपर प्रयोग करते थे। सत्य और अहिंसा उनके लिए केवल बोलनेकी नैतिक नहीं थे, बल्कि जीवन जीनेकी पद्धति थे। उनका बचपन भारतमें अवश्य बीता लेकिन उच्च शिक्षा उनकी इंग्लैडमें हुई, लेकिन उनके ऊपर पाश्चात्य संस्कृति और मतका प्रभाव नहीं पड़ा। सादगी, शाकाहार, स्वच्छता और सत्यके प्रति अनुराग उनमें आजीवन बना रहा। दक्षिण अफ्रीकामें भारतीयोंके साथ होने वाले नस्लीय भेदभावने गांधीके जीवनकी दिशा बदल दी। उनके साथ दक्षिण अफ्रीकामें रेल यात्राके दौरान जब अमानवीय ढंगसे प्रथम श्रेणीके टिकट होनेके बावजूद उन्हें बाहर निकाल दिया गया। तब उन्हें अनुभव हुआ, नस्लीय भेदभाव किस स्तरतक अंग्रेज करते हैं। यह घटना केवल व्यक्तिगत अपमान नहीं थी, उसने उनके भीतर अन्यायके विरुद्ध संघर्षकी चेतनाको जन्म दिया। यहीसे उन्होंने सत्य, आत्मबल और अहिंसक प्रतिरोधका रास्ता खोजा। दक्षिण अफ्रीकासे १९१५ में वे भारत लौटे। इसके बाद भारतको समझनेके लिए वे गांव-गांव घूमे। किसानों और मजदूरोंकी समस्याओंको जाना-समझा। इसके बाद वे भारतीयोंके साथ अंग्रेजों द्वारा किये जा रहे अन्यायके खिलाफ आन्दोलनके जरिये प्रतिरोध करनेका निर्णय लिया। चंपारण, खेड़ा और अहमदाबादके आन्दोलनोंने उन्हें भारतीय राजनीतिके केन्द्रमें ला दिया। चंपारणमें नीलकी खेतीके लिए किसानोंपर होने वाले अत्याचारके विरुद्ध उनका संघर्ष केवल राजनीतिक आन्दोलन नहीं था। वह यह था कि गांधी राजनीतिको समाजके सबसे कमजोर व्यक्तिके जीवनसे जोड़ना चाहते थे। असहयोग आन्दोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आन्दोलनने ब्रिटिश शासनके विरुद्ध भारतीय जनमानसको व्यापक रूपसे संघटित किया। १९३० का दाण्डी मार्च विशेष रूपसे उल्लेखनीय है। नमक जैसी सामान्य वस्तुको गांधीने औपनिवेशिक शासनके विरुद्ध जन-प्रतिरोधका प्रतीक बना दिया। यह गांधीकी राजनीतिक कल्पनाशीलताका उदाहरण था- उन्होंने सामान्य भारतीयके नैतिक जीवनसे जुड़ी चीजको राष्ट्रीय आंदोलन का आधार बना दिया। ऐसा गांधी ही कर सकते थे। उनके लिए स्वतंत्रताका अर्थ केवल अंग्रेजी शासनसे मुक्ति नहीं था। स्वतंत्रताका अर्थ था-गरीब, किसान, मजदूर, स्त्री, दलित, पिछड़े, वंचित व्यक्तिके जीवनमें सम्मान और अधिकारकी स्थापना। वे चाहते तो सुख-सुविधाओं वाली जिन्दगी जी सकते थे, लेकिन उन्होंने देशके सबसे कमजोर व्यक्ति वाला जीवन जीनेका फैसला किया। जिससे उनका जीवन हर किसीके लिए प्रेरक बन सका।

गांधीके व्यक्तित्वका सबसे प्रभावशाली पक्ष उनकी सादगी थी। उनका मानना था कि जिस देशकी जनता गरीबीमें जिन्दगी बसर कर रही हो, उसके नेताका अत्यधिक वैभवमें रहना नैतिक और सामाजिक रूपसे उचित नहीं है। इसी तरह चरखा उनके लिए मात्र सूत कातनेका उपकरण नहीं था। वह आत्मनिर्भरता, शारीरिक श्रमकी प्रतिष्ठा और आर्थिक स्वराजका प्रतीक था। वे आधुनिक औद्योगीकरणके मौजूदा रूपके विरोधी नहीं थे, लेकिन वे ऐसी अर्थव्यवस्थासे चिंतित थे जिनमें उत्पादनका उद्देश्य मनुष्यकी आवश्यकताओंकी पूर्तिके बजाय असीमित उपभोग और मुनाफा बन जाय। स्वदेशी उनके आर्थिक चिन्तनका आधार बिन्दु था। उनका आर्थिक चिन्तन आज भी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने विकासको केवल उत्पादन और सकल घरेलू उत्पादके आंकड़ोंसे नहीं देखा। उनका 'अंत्योदय' का विचार इसी संवेदनासे जुड़ा था-निर्णय लेते समय सबसे कमजोर और सबसे अंतिम व्यक्तिके हितको ध्यानमें रखना। सत्यके साथ वे अहिंसाको प्रबलताके साथ स्वीकारते थे। सत्यके प्रति आग्रह उनके व्यक्तित्वकी केन्द्रीय विशेषता थी। वे सत्यको केवल बोलनेतक सीमित नहीं करते थे। सत्य उनके लिए नैतिक साहसका आधार था। इसी तरह अहिंसा गांधीके विचारोंका दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ थी। लेकिन अहिंसाको कमजोरी समझना गांधीको समझनेकी भूल होगी। हिंसाका सहारा लेना आसान हो सकता है, लेकिन अन्यायका सामना करते हुए हिंसासे बचना और फिर भी संघर्ष जारी रखना अत्यंत कठिन है। उनके आन्दोलनोंमें अहिंसाका यही सिद्धांत दिखाई देता है।

गांधीका मानना था कि साधन और साध्यको अलग नहीं किया जा सकता है। यदि लक्ष्य अच्छा है तो उसके लिए अपनाये गये साधन भी मूल्यपरक होने चाहिए। वे कहते हैं कि स्वतंत्रता प्राप्त करनेके लिए यदि समाज हिंसा, घृणा और प्रतिशोधको अपना ले तो राजनीतिक स्वतंत्रता मिलनेके बावजूद समाज भीतरसे स्वतंत्र नहीं हो सकता है। इसी तरह राजनीतिके विषयमें उनका मत था कि राजनीति सत्ता प्राप्त करनेका माध्यम नहीं, समाजकी सेवाका साधन होनी चाहिए। गांधीका राष्ट्रवाद संकीर्ण नहीं था। वे भारतकी स्वतंत्रता तो चाहते थे, लेकिन दूसरोंसे घृणाके आधारपर नहीं। वे मानते थे कि भारतकी स्वतंत्रताका मकसद दुनियासे अलग होना नहीं होना चाहिए। देशको स्वतंत्र करानेके साथ-साथ वे समाजको सुधारना भी चाहते थे, लेकिन उनकी इस संबंधमें सोच तत्कालीन अन्य समाज सुधारकोंसे भिन्न थी। छुआछूत, जन्मगत भेदभावको उन्होंने राष्ट्रीय विमर्शका हिस्सा बना दिया। गांधीके व्यक्तित्व और कृतित्वका ठीक-ठीक मूल्यांकन तभी होगा जब उनके योगदानके साथ उनकी सीमाओं और आलोचनाओंपर भी इमानदारीसे विचार किया जाय। धर्मके विषयमें गांधीका विचार तत्कालीन समाज सुधारकोंसे भिन्न था। वे धर्मको परम्पराओंसे जोड़ते चलते हैं, लेकिन उसे साम्प्रदायिकतावादसे अलग करते हैं। वे मानते थे कि धर्मका उद्देश्य मानवको सत्य, करुणा और नैतिकताकी ओर ले चलना होना चाहिए। धर्म घृणा, अन्याय, हिंसा, शोषण और असहिष्णुता नहीं सिखाता। उनका आहार-विहार, आचार-विचार, कार्य, नीति, सिद्धांत और व्यवहार लचीला और समझौतावादी था। शाकाहारी होते हुए भी वे मांसाहारीको मांस खानेसे मना नहीं करते थे। जबकि अहिंसा उनके जीवनका दूसरा सबसे बड़ा वैचारिक और व्यावहारिक हथियार था। आत्म-परिवर्तन और ब्रह्मचर्यका परीक्षण उनके जीवनका एक नया प्रयोग था। उन्होंने हर विचार, कार्य और सिद्धांतको जीवनकी प्रयोगशालामें जांचा-परखा। सबसे बड़ी बात उनके जीवनकी यह थी कि उन्होंने अपनी कमियोंको भी दुनियाके सामने बिना छिपाये, उजागर किया। उनका जन्म और मृत्यु-दोनों विश्व समाजके लिए प्रेरणाके स्रोत बने। आज जब दुनिया संकटोंसे गुजर रही है-युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, पर्यावरण संकट, उपभोकतावाद और सामाजिक अविश्वास लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसेमें गांधीके विचार, सिद्धांत जन-जीवनको प्रेरणा देनेका कार्य कर सकते हैं। महान वैज्ञानिक अलबर्ट आइंस्टीनने गांधीके ७०वें जन्मदिनपर १९३९ में कहा था जो आज भी प्रासंगिक है। आइंस्टीन गांधीके सम्पूर्ण व्यक्तित्वको रेखांकित करते हुए कहा था-'आने वाली पीढ़ियोंके लिए शायद यह विश्वास करना कठिन होगा कि ऐसा कोई व्यक्ति कभी सचमुच इस धरतीपर हाड़-मांसके शरीरमें चला था।

गांधी आज इसलिए प्रासंगिक नहीं हैं कि उनके हर विचारको बिना प्रश्न किये स्वीकार कर लिये जाय। वे इसलिए प्रासंगिक हैं कि उन्होंने मानवको अपने जीवनकी जिम्मेदारी लेनेकी चुनौती दी। गांधीका सबसे बड़ा संदेश शायद यही है कि विचार तभी प्रभावशाली बनते हैं जब वे जीवनमें दिखाई दें। सत्यकी बात करने वाला व्यक्ति स्वयं सत्यके प्रति ईमानदार हो। अहिंसाकी बात करने वाला व्यक्ति अपने व्यवहारमें भेदभाव न करे। इस दृष्टिसे गांधी केवल इतिहासके एक अध्याय नहीं हैं। वे एक प्रश्न हैं- हम अपने जीवनमें सत्य, अहिंसा, सादगी, सेवा और आत्मसंयमके लिए कितनी जगह रखते हैं।

देशके सच्चे सपूत शास्त्रीजी

पाकिस्तानके साथ १९६५ में हुए युद्धमें शास्त्रीजी द्वारा दिखायी गयी दृढ़ताके लिए उनकी बहुत प्रशंसा हुई। शास्त्रीजीको उनकी सादगी, देशभक्ति और ईमानदारीके लिए आज भारत श्रद्धापूर्वक याद करता है। शास्त्रीजी भारतकी श्रेष्ठ पहचान हैं।

❑ **सदानन्द शास्त्री**

सरलता और सादगीकी मिसाल भारतके दूसरे प्रधान मंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जीका जन्म २ अक्तूबर, १९०४ को उत्तर प्रदेशके मुगलसरायके रामनगरमें एक साधारण परिवारमें हुआ। वे इतने मेधावी थे कि मात्र दस सालकी उम्रमें उन्होंने छठी कक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। आगेकी पढ़ाईके लिए वे बनारस आ गये। विद्यार्थी जीवनमें ही राष्ट्रभक्तों और शहीदोंके बारेमें पढ़ते हुए इन्होंने स्वतंत्रतासंग्रामके विषयमें विस्तारसे जाना। इन्ही दिनों जलियांवाला बागकी घटनाके पश्चात 'छात्र आन्दोलन' ने गति पकड़ ली और शास्त्री जी इसका हिस्सा बन गये। शास्त्री जी महात्मा गांधीसे अत्यधिक प्रभावित थे। गांधी जीके नेतृत्वमें चल रहे असहयोग आन्दोलनमें शमिल होनेके लिए देशवासियोंसे आह्वान किया, इस समय इनकी आयु मात्र १६ थी। उन्होंने गांधी जीके आह्वानपर अपनी पढ़ाई छोड़ देनेका निर्णय किया और आन्दोलनमें हिस्सा लिया। जिसके चलते उन्हें १९२१ में जेल भी जाना पड़ा। देशको स्वतंत्र करानेके क्रममें उन्हें अपने जीवनके सात वर्ष कारावासमें गुजारने पड़े। आजादीके इन संघर्षोंने इन्हें पूर्णत: परिपक्व बना दिया। शास्त्री जीने राजनीतिमें प्रेवशके माध्यमसे देशकी दिशा एवं दशाको बदलनेका प्रयास किया। वस्तुत: वर्ष १९३७ में प्रांतीय विधानसभाओंके चुनावोंमें उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभाकी सदस्यता प्राप्त की। इसी क्रममें आजादीके पश्चात सत्तामें आयी कांग्रेसने राष्ट्रीय स्वतंत्रतासंग्रामके नेता लाल बहादुर शास्त्रीका महत्व समझ लिया। परिणामस्वरूप वर्ष १९४७ में उन्हें उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडलमें मंत्रीके रूपमें शमिल कर लिया गया। वर्ष १९५१ में वह पार्टी महासचिव बनें। तद्पश्चात शास्त्री जीको रेलवे एवं यातायातके केन्द्रीयमंत्रीके रूपमें चुना गया। किन्तु इसी समय वर्ष १९५५ में दक्षिण भारतके 'अरियल' के समीप रेल दुर्घटनामें कई लोग हताहत हुए जिसके लिए स्वयंको जिम्मेदार मानते हुए उन्होंने रेलमंत्रीके पदसे इस्तीफा दे दिया। रेल दुर्घटनापर लम्बी बहसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा-शायद मेरे लम्बाईमें छोटे एवं विनम्र होनेके कारण लोगोंको लगता है कि मैं बहुत दृढ़ नहीं हो पा रहा हूं यद्यपि शारीरिक रूपसे मैं मजबूत नहीं हूं लेकिन मुझे लगता है कि मैं आतंरिक रूपसे इतना कमजोर भी नहीं हूं।

गौरतलब हैं कि १९५७ में वह इलाहाबाद संसदीय क्षेत्रसे चुने गये। उन्हें पुन: यातायात विभाग दिया गया और साथ ही साथ उद्योग और वाणिज्य विभागोंका मंत्री भी बनाया गया। वर्ष १९६१ में उन्हें भारतके स्वराष्ट्रमंत्रीके रूप में और भ्रष्टाचार निरोधक समितिके लिए नियुक्त किया गया। इसी समय भारत-चीन युद्धसे सकते में आये नेहरू जीका साथ देनेके लिए शास्त्री जीको बिना विभागके मंत्रीके रूपमें मंत्रिमंडलमें शामिल कर लिया गया। यहां शास्त्री जीने भारतकी जनतासे अपील करते हुए कहा-जब हमारी स्वतंत्रता और अखंडता खतरेमें हो तो पूरी शक्तिसे उस चुनौतीका मुकाबला करना ही एकमात्र कर्तव्य होता है। हमें एकजुट होकर किसी भी प्रकारके अपेक्षित बलिदानके दृढ़तापूर्वक तत्पर रहना चाहिए ताकि उस चुनौतीका हम बेहतर तरीकेसे मुकाबला कर सके। शास्त्री जीने समाजके वंचित वर्गोंके लिए भी उल्लेखनीय कार्य किया। वे लालालाजपतराय द्वारा स्थापित सर्वेण्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी (लोक सेवा मंडल) के आजीवन सदस्य बने। जहां उन्होंने पिछड़े वर्गोंके उत्थानके लिए कार्य करना शुरू किया और बादमें वे उस सोसायटीके अध्यक्ष भी बने। इसी तरह उन्होंने किसान एवं युवा वर्गको देशकी आर्थिक एवं सैनिक शक्तिके तौरपर देखा। श्री लाल बहादुर शास्त्रीने 'जय जवान जय किसान' का नारा भी दिया, जो आगे चलकर देशभक्तिका प्रतीक बन गया। शास्त्री जीके इस नारेका मुख्य उद्देश्य एक ओर जहां देशकी सैनिक शक्तिमें वृद्धि करनेका था वही दूसरी ओर देशकी आर्थिक स्थितिको मजबूत करने का रहा। शास्त्री जीने आनन्द (गुजरात) के 'अमूल दूध सहकारी समिति' का समर्थन और राष्ट्रीय डेयरी विकासका निर्माण करके श्वेत क्रांतिको बढ़ावा दिया। जिससे भारत दुग्ध उत्पादनके क्षेत्रमें अग्रणी बनकर उभरा। भारत-पाकिस्तान युद्धके दौरान (वर्ष १९६५) भारत खाद्य संकटके दौरसे गुजर रहा था। इस समस्याका समाधान हरित क्रांतिके माध्यमसे किया गया। नतीजन भारत खाद्यान्न निर्यात करने वाले देशोंमें शुमार हो गया। शास्त्री जी भारतके पड़ोसी देशोंके साथ अपने संबंधोमें हमेशा शांति एवं संतुलन बनाये रखनेका प्रयास करते थे। इसी क्रममें भारत-पकिस्तान युद्ध (१९६५) के संबंधमें ताशकन्द (तत्कालीन सोवियत संघ) में सोवियत राष्टपतिकी मध्यस्थतासे भारत तथा पाकिस्तानमें सुलह हुई। जिसके तहत १० जनवरी, १९६६ पाकिस्तानके राष्ट्रपति मोहम्मद अयूब खानके साथ युद्धको समाप्त करने हेतु ताशकंद घोषणा-पत्रपर हस्ताक्षर किये गये। ११ जनवरी १९६६ को ताशकन्दमें ही उनका निधन हो गया। शास्त्री जीने कई वर्षोंतक अपनी निस्वार्थ सेवा भावना, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं करुणा जैसे गुणोंके चलते जनताके बीच अपनी अलग पहचान बनायी। विनम्र, दृढ़ इच्छाशक्ति, सहिष्णु एवं जबरदस्त आतंरिक शक्तिके धनी शास्त्री जी लोगोंके बीच ऐसे शख्स बनकर उभरे, जिन्होंने लोगोंकी भावनाओंको समझा। इन्होंने अपने दूरदर्शी दृष्टिकोणके माध्यमसे भारतको विश्वपटलपर अलग पहचान दिलवायी। गांधी जीकी राजनीतिक शिक्षाओंसे प्रेरणा लेते हुए गांधी जीके लहजेमें ही एक बार शास्त्रीजीने कहा था-मेहनत प्रार्थना करनेके समान है।

शास्त्री जीके राजनीतिक दिग्दर्शकोंमें पुरुषोत्तमदास टंडन और पंडित गोविंद बल्लभ पंतके अतिरिक्त जवाहरलाल नेहरू भी शामिल थे। सबसे पहले १९२९ में इलाहाबाद आनेके बाद उन्होंने टंडन जीके साथ भारत सेवक संघकी इलाहाबाद इकाईके सचिवके रूपमें काम करना शुरू किया। इलाहाबादमें रहते हुए ही नेहरू जीके साथ उनकी निकटता बढ़ी। इसके बाद तो शास्त्री जीका कद निरन्तर बढ़ता ही चला गया और एकके बाद एक सफलताकी सीढ़ियां चढ़ते हुए वे नेहरू जीके मंत्रिमंडलमें स्वराष्ट्रमंत्रीके प्रमुख पदतक जा पहुंचे। १९६१ में स्वराष्ट्रमंत्रीके प्रभावशाली पदपर नियुक्तिके बाद उन्हें एक कुशल मध्यस्थके रूपमें प्रतिष्ठा मिली। जवाहरलाल नेहरूके बीमार पड़नेपर उन्हें बिना किसी विभागका मंत्री नियुक्त किया गया और नेहरूकी मृत्युके बाद जून १९६४ में वह भारतके प्रधान मंत्री बने। उन्होंने अपने प्रथम संवाददाता सम्मेलनमें कहा था कि उनकी पहली प्राथमिकता खाद्यान्न मूल्योंको बढ़नेसे रोकना है और उन्होंने ऐसा किया। उनके क्रियाकलाप सैद्धांतिक न होकर पूरी तरहसे व्यावहारिक और जनताकी आवश्यकताओंके अनुरूप थे। निष्पक्ष रूपसे देखा जाय तो शास्त्री जीका शासन काल बेहद कठिन रहा। भारतकी आर्थिक समस्याओंसे प्रभावी ढंगसे न निबट पानेके कारण शास्त्री जीकी आलोचना भी हुई, लेकिन जम्मू-कश्मीरके विवादित प्रांतपर पड़ोसी पाकिस्तानके साथ १९६५ में हुए युद्धमें उनके द्वारा दिखायी गयी दृढ़ताके लिए उनकी बहुत प्रशंसा हुई। उन्हें मरणोपरांत वर्ष १९६६ में भारत रत्नसे भी सम्मानित किया गया। शास्त्रीजीको उनकी सादगी, देशभक्ति और ईमानदारीके लिए आज भी पूरा भारत श्रद्धापूर्वक याद करता है। महात्मा गांधीके समान विचार रखने वाले श्री लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठ पहचान हैं।

आत्मबोध

स्वभावके विपरीत

❑ **ओशो**

शार्टकट तो बिलकुल भी संभव नहीं है और दूसरी बात और ख्यालसे समझ लें, यात्रा इतनी लम्बी नहीं होगी। यात्रा होगी ही नहीं। करीब-करीब हालत ऐसी है कि एक आदमी सूरजकी तरफ पीठ करके खड़ा है और चलता जा रहा है। हजारों मील चल चुका है। हम उससे आज कहते हैं कि तू सूरजकी तरफ चल चुका हजार मील पीठ करके, इसलिए अंधेरेमें भटक रहा है और प्रकाशको खोजना चाहता है तो वह आदमी कहेगा कि क्या सूरजकी तरफ मुंह करनेके लिए मुझे हजार मील फिर चलना पड़ेगा। उससे हम कहेंगे, नहीं हजार मील नहीं चलना पड़ेगा। वह कहे कि क्या कोई शार्टकट हो सकता है कि दो-चार-पांच मील चलनेसे हो जाय। हम कहेंगे कि चलनेकी कोई जरूरत नहीं, तू सिर्फ रुख बदल ले, तू सिर्फ पीठ सूरजकी तरफ किये है, मुंह उधर कर ले। क्योंकि सूरज केवल एक स्थानमें बंधा हुआ नहीं है और जब तू सूरजकी तरफ पीठ करके जा रहा था तब भी सूरज तेरे पीछे साथ ही था। परमात्मा यदि कहीं एक जगह बंधा हुआ होता या स्वभाव कहीं कैद होता, हम उससे दूर निकल सकते थे। हम दूर नहीं निकल सकते हैं हम केवल पीठ ही कर सकते हैं। इसलिए कोई लाखों जन्मोंतक स्वभावसे पीठ किये रहा हो, कोई फर्क नहीं पड़ता। आज मुंह फेरनेको राजी हो गये, स्वभावमें प्रविष्ट हो जायगा। इसलिए न तो मैं कहता हूं कि उतना ही चलना पड़ेगा, जितना आप विपरीत चले हैं और न मैं कहता हूं कि कोई शार्टकट संभव है। शार्टकटकी तो कोई जरूरत ही नहीं है। क्योंकि चलना ही नहीं है, सिर्फ रुख बदलना है। ऐसा समझे कि इस कमरेमें अंधेरा भरा हो हजारों सालसे और हम कहें कि दीया जलाओ। कोई पूछे कि हजारों सालतक दीया जलाते रहेंगे तब अंधोरा मिटेगा। क्योंकि अंधेरा हजारों साल पुराना है और अभी दीया जलेगा तो एकदमसे कैसे अंधेरेको मिटायेगा। इतना पुराना अंधेरा कोई जल्दीका उपाय नहीं है तो हम उससे कहेंगे कि न तो देर लगेगी और न जल्दीका कोई सवाल है। क्योंकि दीया जला नहीं कि अंधेरा मिट जायगा। अंधेरेकी कोई प्राचीनता नहीं होती, अज्ञानकी कोई प्राचीनता नहीं होती। वह कितना ही समय रहा हो, उसकी पर्तें नहीं जमतीं। उसको काटना नहीं पड़ेगा। ज्ञानकी एक किरण और अंधेरा कट जाता है और अज्ञान छूट जाता है और ऐसा किसी व्यक्तिके साथ थोड़े ही है कि वह स्वभावसे दूर निकल गया है। सभी स्वभावसे दूर निकल गये हैं, परन्तु दूर निकलनेका इतना ही मतलब है कि वे पीठ करके चलते रहे हैं। वस्तुत: तो कोई स्वभावसे दूर नहीं निकल सकता। कैसे निकलेंगे। स्वभावका मतलब ही यह है कि जो आप हैं। स्वभावका अर्थ है जिसे अपनेसे अलग नहीं किया जा सकता। लाख उपायसे भी स्वभावसे भिन्न नहीं हो सकते। स्वभावसे विपरीत नहीं हो सकते।

जीवनका सौन्दर्य एवं सृष्टिका आधार है अहिंसा

❑ **स्वामी देवेंद्र ब्रह्मचारी**

आज दुनिया विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगतिके जिस दौरमें पहुंची है, उसीके समानांतर हिंसा, आतंकवाद, युद्ध, तनाव, असहिष्णुता और प्रतिस्पर्धाकी प्रवृत्तियां भी बढ़ी हैं। मनुष्यने प्रकृतिपर विजय पानेकी कोशिशमें स्वयं अपने भीतर अशांति पैदा कर ली है। राष्ट्रोंके बीच अविश्वास, समाजोंमें वैचारिक टकराव, परिवारोंमें तनाव, प्रतिशोध एवं प्रतिस्पर्धाका दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समयमें अहिंसा केवल नैतिक आदर्श नहीं, बल्कि संतुलित जीवन और शांतिपूर्ण विश्व-व्यवस्थाकी अनिवार्य आवश्यकता बन गयी है। २ अक्तूबरको महात्मा गांधीकी जयंतीके अवसरपर मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस इसी आवश्यकताकी वैश्विक स्वीकृति है। संयुक्त राष्ट्र महासभाने २००७ में २ अक्तूबरको अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित किया था। प्रस्तावमें अहिंसाकी सार्वभौमिक प्रासंगिकता तथा शांति, सहिष्णुता, समझ और अहिंसाकी संस्कृतिको बढ़ावा देनेकी आवश्यकताको रेखांकित किया गया।

अहिंसा जीवनका सौंदर्य, मन, वचन और कर्मकी निर्मलता है। किसीके प्रति घृणा न रखना, अपमानजनक भाषासे बचना और व्यवहारसे दूसरेके मनको अनावश्यक पीड़ा न देना भी अहिंसा है। इसलिए अहिंसा संतुलित जीवनका आधार है। जहां हिंसा है वहां भय है, जहां भय है वहां तनाव और वहां सुख एवं शांतिका स्थायी निवास संभव नहीं। अहिंसाकी सबसे व्यापक और सूक्ष्म व्याख्या जैन दर्शनमें मिलती है। भगवान महावीरने अहिंसाको जीवनका सर्वोच्च धर्म बनाया। जैन दर्शनमें अहिंसा केवल मनुष्यको मनुष्यसे बचानेका सिद्धांत नहीं, बल्कि प्रत्येक जीवके अस्तित्वके सम्मानका दर्शन है।

गांधीने सत्य और अहिंसाको स्वतंत्रता संघर्षके केन्द्रमें रखा। नमक सत्याग्रह सहित उनके आन्दोलनोंने यह दिखाया कि अन्यायका प्रतिरोध हिंसाके बिना भी किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र भी गांधीको अहिंसाके दर्शन और रणनीतिके प्रमुख प्रवर्तकोंमें मानता है और उनके नेतृत्वको विश्वभरके अहिंसक आन्दोलनोंकी प्रेरणासे जोड़ता है। गांधीकी अहिंसा कायरता नहीं थी। वह अन्यायके सामने चुप रहनेका नाम भी नहीं थी। वह सत्यके साथ खड़े होकर अन्यायका प्रतिरोध करनेकी शक्ति थी। गांधीके लिए साधन और साध्यका संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण था-शांतिपूर्ण समाजकी स्थापना हिंसक साधनोंसे नहीं की जा सकती। संयुक्त राष्ट्रके दस्तावेज भी गांधीके विचारोंको इसी संदर्भमें प्रस्तुत करते हैं कि स्थायी परिवर्तनके लिए अहिंसक साधनोंकी आवश्यकता है।

आज युद्ध और आतंकवादने मानवताके सामने गम्भीर प्रश्न खड़े किये हैं। राष्ट्रोंके पास विनाशके पहलेसे अधिक शक्तिशाली साधन हैं। तकनीकने युद्धकी क्षमताको कई गुना बढ़ा दिया है। ऐसे समयमें अहिंसाका अर्थ यह नहीं कि समाज अपनी सुरक्षा और न्यायकी जिम्मेदारी छोड़ दे। आतंकवाद और हिंसाका सामना करते हुए राष्ट्रोंको नागरिकोंकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी ही होती है। लेकिन दीर्घकालीन शांति केवल शक्ति-संतुलनसे नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास, न्याय, सह-अस्तित्व और मानवीय संवेदनासे निर्मित होती है। भारतकी सभ्यताने सदियोंसे वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिन:, अनेकांत और सर्वधर्म सद्भाव जैसी अवधारणाओंके माध्यमसे इसी व्यापक दृष्टिको पोषित किया है। ये विचार हमें बताते हैं कि दूसरेकी दृष्टिको समझे बिना स्थायी शांति संभव नहीं। भारतने अंतरराष्ट्रीय मंचोंपर भी शांति और संवाद की आवश्यकताको लगातार रेखांकित किया है। भारतके वर्तमान नेतृत्वने भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचोंपर शांति, संवाद, सह-अस्तित्व और मानव-केन्द्रित विकास जैसे विचारोंको सामने रखा है। लेकिन अहिंसाका वैश्विक संदेश केवल सरकारों या राजनेताओंका दायित्व नहीं है। इसकी शुरुआत व्यक्तिसे होती है-परिवारसे, विद्यालयसे, समाजसे और हमारी रोजमर्राकी भाषा एवं व्यवहारसे। आज मनुष्यको बाहरकी हिंसासे जितना खतरा है, उतना ही भीतरकी हिंसासे भी है। क्रोध, ईर्ष्या, अहंकार, लोभ और प्रतिशोध मनुष्यके भीतर निरन्तर संघर्ष पैदा करते हैं। इसलिए अहिंसाका पहला प्रयोग अपने भीतर होना चाहिए। अपने क्रोधको करुणामें, प्रतिस्पर्धाको सहयोगमें, प्रतिशोधको क्षमामें और असहमतिको संवादमें बदलना ही आधुनिक अहिंसा है। परिवारमें अहिंसाका अर्थ है-एक-दूसरेको समझना। समाजमें अहिंसाका अर्थ है-विविधताओंका सम्मान करना। राजनीतिमें अहिंसाका अर्थ है-विचारोंके संघर्षको शत्रुतामें न बदलना। अंतरराष्ट्रीय संबंधोंमें अहिंसाका अर्थ है-संवाद और कूटनीतिके रास्ते खुले रखना। अहिंसा कमजोरी नहीं, संयमित शक्ति है। हिंसा तत्काल परिणाम दे सकती है, लेकिन स्थायी शांतिका निर्माण नहीं कर सकती। संयुक्त राष्ट्रने भी गांधीके संदर्भमें इस विचारको रेखांकित किया है कि हिंसापर स्थायी निर्माण संभव नहीं है।

आज जब दुनिया हिंसाकी बढ़ती प्रवृत्तियोंसे चिंतित है, तब भारतकी धरतीसे एक बार फिर यह संदेश मुखर होना चाहिए-अहिंसा केवल भारतकी विरासत नहीं, सम्पूर्ण मानवताका भविष्य है। महावीरकी करुणा और गांधीके सत्याग्रहकी रोशनीमें यदि मनुष्य अपने विचार, वाणी और व्यवहारको बदल सके तो युद्धकी मानसिकताके स्थानपर संवाद, घृणाके स्थानपर मैत्री और संघर्षके स्थानपर सह-अस्तित्वकी नयी विश्व-संरचना संभव है। यही अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवसकी सार्थकता है और यही मानवताके शांत, संतुलित एवं सुंदर भविष्यकी दिशा भी। अहिंसाके इस व्यापक संदेशको समाजके बीच जीवंत बनानेमें महावीरायतन फाउंडेशनकी भूमिका भी उल्लेखनीय है। महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा अहिंसा, करुणा, शाकाहार, जीव-दया, पर्यावरण-संरक्षण, प्राणीमात्रके प्रति संवेदना तथा मानवीय मूल्योंको केन्द्रमें रखकर विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक प्रवृत्तियां संचालित की जाती हैं और संगोष्ठियों, सेमिनारों एवं संवाद-कार्यक्रमोंके माध्यमसे भगवान महावीरके अहिंसा-दर्शनको समकालीन जीवनसे जोड़नेका प्रयास किया जाता है। मेरे गुरुदेव आचार्य विद्यासागर जी महाराजने भी अपने संपूर्ण जीवनसे अहिंसक, संयमित और करुणामय जीवनशैलीकी प्रेरणा दी। आज आवश्यकता है कि महावीरकी सूक्ष्म अहिंसा, गांधीके अहिंसा दर्शन और आचार्य विद्यासागर जी महाराजकी जीवन-साधनासे प्रेरणा लेकर अहिंसाको व्यक्तिगत आचरणसे सामाजिक संस्कार और सामाजिक संस्कारसे वैश्विक जीवन-दृष्टि बनाया जाय।

त्योहारों से पहले सरकार ने चीनी डीलर के लिए स्टाक सीमा घटायी

भंडारण और जमाखोरी पर रोक का उद्देश्य

नयी दिल्ली। सरकार ने त्योहारों के मौसम में चीनी की पर्याप्त आपूर्ति और उचित कीमत सुनिश्चित करने के लिए डीलर के पास चीनी रखने की सीमा घटाकर 1,000 क्विंटल कर दी। यह सीमा 15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक लागू रहेगी और डीलर अधिकतम 15 दिन तक का स्टॅाक रख सकेंगे। इसके साथ ही, खाद्य मंत्रालय ने कहा कि कोलकाता और उसके विस्तारित महानगरीय क्षेत्र तथा असम में क्षेत्र विशेष की जरूरतों को देखते हुए स्टॅाक सीमा 2,000 क्विंटल होगी। मंत्रालय ने बयान में कहा कि एक अक्टूबर से नए चीनी सत्र की शुरुआत के साथ त्योहारी अवधि में ग्राहकों को उचित कीमत पर चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार कदम उठा रही है। मंत्रालय ने कहा, %%चीनी की मात्रा और उसे रखने की अवधि सीमित करके सरकार का उद्देश्य आपूर्ति श्रृंखला में चीनी की व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित करना और उपभोक्ताओं के लिए इसकी लगातार उपलब्धता बनाए रखना है। कोलकाता और उसके विस्तारित महानगरीय क्षेत्र तथा असम के लिए अलग स्टॅाक सीमा उस क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखकर तय की गई है। मंत्रालय ने कहा कि कोलकाता... उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक से चीनी खरीदता है और पूर्वी भारत के साथ पूर्वोत्तर राज्यों को भी इसकी आपूर्ति करता है। मंत्रालय ने कहा कि असम के लिए सीमा तय करते समय भौगोलिक परिस्थितियों, परिवहन सुविधाओं और पूर्वोत्तर के उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखा गया है। उसने कहा कि संशोधित नियमों का उद्देश्य आपूर्ति श्रृंखला में चीनी के अनावश्यक भंडारण को रोकना और मिलों से डीलर के जरिये अंतिम उपभोक्ता तक इसकी सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करना है। यह कदम जमाखोरी, सट्टेबाजी और डीलर द्वारा स्टॅाक जमा करने पर अंकुश लगाने के लिए उठाया गया है। इससे पहले अगस्त में सरकार ने डीलर के लिए देशभर में 4,000 क्विंटल की स्टॅाक सीमा तय की थी। यह सीमा एक अगस्त से 30 नवंबर तक लागू की गई थी। इसके तहत चीनी मिलने की तारीख से अधिकतम 30 दिन तक स्टॅाक रखने की अनुमति थी। बाद में 15 सितंबर से यह सीमा घटाकर 2,000 क्विंटल कर दी गई। मंत्रालय के मुताबिक, चीनी का औसत खुदरा मूल्य अगस्त के उच्चतम स्तर से अब 15 प्रतिशत घट चुका है और आपूर्ति श्रृंखला में कम कीमतों का लाभ मिलने के साथ इसमें आगे भी गिरावट आने की उम्मीद है। मिलों की कीमतों में करीब 28 प्रतिशत की गिरावट आई है और वे पिछले तीन सप्ताह से स्थिर हैं। सरकार ने कहा कि चीनी मिलों, डीलर, थोक विक्रेताओं और अन्य बाजार प्रतिभागियों को चीनी की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करनी चाहिए और जमाखोरी एवं सट्टेबाजी रोकनी चाहिए।

दैनिक मंडी समीक्षा

नयी दिल्ली। फ्लोर मिलों की मांग बढने से गेहूं के भाव 10 रुपये प्रति क्विंटल तेज हो गए। हाजिर में माल की कमी के कारण बिकवाली घटने से जौ के भाव 90 रुपये प्रति क्विंटल तेज हो गए। देश में खाद्यान्न उत्पादनों में कमी की आशंका के चलते स्टाकिस्टों की लिवाली बढने से दलहनों में मसूर–अरहर–चना–काबली चने के भाव 50/300 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। आवक कमजोर होने से सरसों में भी 100 रुपये की सुर्खी रही। जबकि मांग कमजोर होने से सोया व बिनौला तेल के भाव 50/200 रुपये प्रति क्विंटल नीचे आ गए। आवक कमजोर होने तथा ग्राहकी निकलने से गुड़ में भी 100 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। ग्राहकी निकलने से चीनी के भाव भी 20/50 रुपये प्रति क्विंटल तेज हो गए। किराना जिंसों में उठाव न होने से धनिया व हल्दी के भाव 100/200 रुपये प्रति क्विंटल टूट गए। जबकि बिकवाली कमजोर होने से मगजतरबूज की कीमतों में 70 रुपये किलो की बढ़ोतरी हुई। **अनाज–दाल**–सरकार द्वारा 2027–28 केलिए गेहूं का समर्थन मूल्य 25 रुपये बढ़ाकर 2610 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया। फ्लोर मिलों की मांग बढने तथा निचले स्तर पर बिकवाली कमजोर होने से गेहूं 10 रुपये तेज होकर 2960/2985 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। गेहूं में तेजी का रुख होने के कारण बिकवाली घटने से गेहूं उत्पादों के भाव भी 10 रुपये बढकर आटा 1625/1630, मैदा 1685/1695 तथा सूजी के भाव 1725/1785 रुपये प्रति क्विंटल हो गए। ग्राहकी निकलने तथा राइस मिलों की बिकवाली कमजोर होने से बासमती चावल के भाव 100 रुपये बढकर 1121 सेला 10400/10500 रुपये, स्टीम 11100/11200 तथा 1509 चावल सेला 8500/8600 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। माल्ट वालों की मांग बढने से जौ 60/90 रुपये बढकर 2900/2950 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। डॉलर की तुलना में रुपया लुढकने के कारण आयातकों की बिकवाली कमजोर होने से दलहनों में अरहर 225/400 रुपये उछलकर 9375/9400 रुपये तथा देसी 9950/10000 रुपये प्रति क्विंटल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। चना भी 150 रुपये बढकर राजस्थानी 7150/7160 रुपये तथा काबली चना 300 रुपये बढकर महाराष्ट्र का 8300/8500 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। दहलनों में तेजी का रुख होने के कारण बिकवाली घटने से अरहर दाल 400 रुपये बढकर 12500/13400 रुपये तथा चना दाल 150/200 रुपये बढकर 8150/8700 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। पूछपरख बढने से विदेशी मटर 50 रुपये तेज होकर 4750/4800 रुपये तथ देसी मटर 100 रुपये बढकर 5100/5200 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

तेल–तिलहन

देश की विभिन्न मंडियों में 2.5 लाख से घटकर 2 लाख बोरी के लगभग रह जाने तथा तेल मिलों की मांग बढने से सरसों 100 रुपये तेज होकर 8450/8500 रुपये प्रति क्विंटल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। आपूर्ति कमजोर होने से सरसों तेल के भाव भी 17050 रुपये प्रति क्विंटल पर टिके रहे। जबकि रिफाइंड वालों की मांग कमजोर होने से बिनौला तेल 200 रुपये घटकर 14500 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। राइसब्रान ऑयल भी मांग कमजोर होने से 13000 रुपये प्रति क्विंटल पर दबा रहा। शिकागो तेल वायदा के माइनस में होने के कारण आयातकों की बिकवाली आने से कांदला में सोया रिफाइंड 50 रुपये घटकर 13950 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। औद्योगिक मांग कमजोर होने से अरंडी तेल भी 50 रुपये मुलायम होकर 15800/15900 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। **गुड़-चीनी**– उत्तर प्रदेश की मंडियों से नए मालों की आवक न बढने तथा ग्राहकी निकलने से गुड़ के भाव 100 रुपये बढकर पेड़ी 6000/6100 रुपये तथ ढैया 6200/6300 रुपये प्रति क्विंटल हो गए। बिकवाली कमजोर होने से शक्कर व खांडसारी की कीमतें भी पूर्व स्तर पर टिकी रहीं। यूपी की कॉपरेटिव व प्राइवेट मिलों द्वारा मिल डिलीवरी चीनी के भाव 4450/4600 रुपये के भाव में सेल दिए जाने से स्थानीय बाजार में मिल डिलीवरी चीनी 4500/4600 रुपये तथा हाजिर में इसके भाव 4900/5000 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए। **किराना–मेवे**– ग्राहकी कमजोर होने तथा स्टाकिस्टों की बिकवाली से हल्दी 200 रुपये घटकर ईरोड गट्ठा 18700/18800 रुपये तथा सेलम फली के भाव 19600/19800 रुपये प्रति क्विंटल रह गए। धनिया भी उठाव कमजोर होने से बादामी 100 रुपये घटकर 16100/16300 रुपये तथा ग्रीन मालों के भाव 17300/17500 रुपये प्रति क्विंटल रह गए। जबकि हाजिर में माल कमी तथा मांग बढने से मगजतरबूज 70 रुपये बढकर 600/610 रुपये प्रति किलो के उच्च स्तर पर पहुंच गया। छिटपुट मांग बनी रहने तथा आयातकों की बिकवाली कमजोर होने से मेवों की कीमतों में स्थिरता रही। **सर्राफा**–विदेशों के मंदे समाचार आने से सोने के भाव 1200 रुपये प्रति 10 ग्राम तथा चांदी के भाव 1000 रुपये प्रति किलो घट गए। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निवेशकों की लिवाली सुस्त पडने से सोना 35 डॉलर घटकर 4160 डॉलर प्रति ओंस रह जाने के कारण सोना 1200 रुपये टूटकर क्लिोबार 151600 तथा स्टैंडर्ड 152400 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। उठाव न होने से 8 ग्राम वाली गिन्नी भी 1000 रुपये घटकर 112000 रुपये गई। विदेशों में चांदी भी 85 सेंट घटकर 6050 सेंट रह जाने से चांदी हाजिर 1000 रुपये घटकर 230000 रुपये प्रति किलो रह गई।

नई खबर...

क्रोनिक हार्ट फेलियर से पीड़ित 56-वर्षीय मरीज को मिला नया जीवन

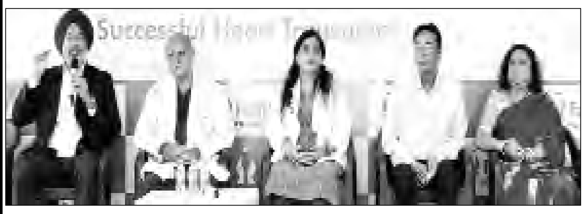

प्रयागराज–गोरखपुर – वाराणसी– कार्डियाक केयर के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि अपने नाम दर्ज कराते हुए, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश और नोएडा क्षेत्र में पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण कर, 56–वर्षीय मरीज तपस कुमार डे को नया जीवनदान दिया है। इस शानदार उपलब्धि ने एक बार फिर अस्पताल की एक्पर्ट सर्जिकल दक्षता, चौबीसों घंटे क्लीनिकल तत्परता, और प्रशासनिक स्तर पर बेहतरीन तालमेल का परिचय दिया है। डॉ अजय कौल, चेयरमैन कार्डियाक साइंसेज़, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा के नेतृत्व में डॉक्टरों की मल्टीडिसीप्लीनरी टीम ने इस हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जरी को पूरा किया। डॉ अजय कौल, चेयरमैन कार्डियाक साइंसेज़, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, श्री डे का हृदय इतना कमजोर पड़ चुका था कि उस पर किसी भी दवा या प्रक्रिया का असर नहीं हो सकता था, ऐसे में नया हृदय ही उन्हें जिंदा रखने का एकमात्र उपाया था। मोहित सिंह, रीजनल डायरेटर, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और नोएडा में पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण हमारे अस्पताल तथा इस क्षेत्र में मरीजों के लिए किसी गर्वीली उपलब्धि से कम नहीं है। यह केवल हमारे डॉक्टरों और क्रिटकल केयर स्टाफ, ट्रैफिक पुलिस और उत्तर प्रदेश, हरियाणा, और पंजाब एयरपोर्ट अधिकारियों के बीच समन्वय तथा टीमवर्क के चलते ही संभव हो पाया है जिन्होंने डोनर हार्ट को समय पर अस्पताल पहुंचाने में तत्परता का परिचय दिया।

वी बिज़नेस ने सिस्को के साथ की साझेदारी

आज के दौर में एंटरप्राइज़ क्लाउड को अपना रहे हैं और अपने संचालन को फैला रहे हैं, इस बीच एआई के इस दौर में नेटवर्क ज़रूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर बन गया है, जो सुरक्षित, स्केलेबल एवं इंटेलीजेन्ट नेटवर्किंग की मांग बढ़ा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक भारत का एसडी–डब्ल्यूएएन मार्केट 2031 तक 20.5 फीसदी सीएजीआर की दर से बढ़कर 14.6 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा। तेज़ी से बढ़ते इस मार्केट में अपनी स्थिति को मज़बूत बनाते हुए, जाने–माने टेलीकॉम ऑपरेटर वी की एंटरप्राइज़ शाखा, वी बिज़नेस ने आज सिस्को के साथ साझेदारी की घोषणा की है। जिसके तहत कंपनी के हाइब्रिड एसडी–डब्ल्यूएएन पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने के लिए मेराकी–टू का इस्तेमाल किया जाएगा। इस अवसर पर वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के चीफ एंटरप्राइज़ बिज़नेस ऑफिसर, एम पी सुनील कुमार ने कहा आज कंपनियों को सुरक्षित और तेज़ी से बदलने वाले नेटवर्किंग सॉल्यूशन की ज़रूरत है जो उनके बदलते रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हों।

मरक्युरी ईवी–टेक ने मजबूत किया पैन–इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क जुड़े 100 नए डीलर

नई दिल्ली– मरक्युरी ईवी–टेक लिमिटेड ने पिछले चार महीनों में 100 नए डीलरों की नियुक्ति के साथ देश भर में अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और मार्केट प्रेजेंस को और मजबूत कर लिया है। इसके साथ ही कंपनी ने मार्च 2027 तक 200 और नए डीलर जोड़ने का लक्ष्य रखा है। कंपनी को गुजरात एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी से भी अपने बैटरी चालित इलेक्ट्रिक टू–व्हीलर्स और थ्री–व्हीलर्स की मार्केटिंग के लिए मंजूरी मिल गई है, जिससे योग्य ग्राहक मौजूदा योजना के तहत लागू सब्सिडी का लाभ उठा सकेंगे।100 नए डीलरों के जुड़ने से प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन बाजारों में कंपनी का रिटेल डिस्ट्रीब्यूशन और आफ्टर–सेल्स सर्विस नेटवर्क मजबूत हुआ है। मार्च 2027 तक 200 और डीलरों को जोड़ने की योजना के साथ, कंपनी का उद्देश्य अपनी भौगोलिक पहुंच का विस्तार करना, ग्राहकों के लिए लास्ट–माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना और शहरी तथा अर्ध–शहरी बाजारों में अपनी स्थिति को और सुदृढ़ करना है। संस्थापक जयेश ठक्कर के विजन के तहत, कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहनों को भविष्य के सबसे बेहतरीन मोबिलिटी सॉल्यूशंस में से एक के रूप में पहचाना और टू–व्हीलर्स, थ्री–व्हीलर्स व कमर्शियल फोर–व्हीलर्स के क्षेत्र में मजबूत आरएंडडी क्षमताएं और तकनीकी विशेषज्ञता हासिल की।डीलर नेटवर्क का यह विस्तार कंपनी की बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों की बढ़ती मांग के अनुरूप डिस्ट्रीब्यूशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के उसके उद्देश्य के बिल्कुल अनुकूल है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं GEM/2026/B/8083256 दिनांकः 30.09.2026

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 21.10.2026 तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः-

जेम बिड सं.: GEM/2026/B/8083256 दिनांक 30.09.2026 | अनुमानित मूल्य (रू): 41,97,600.00

कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल इंजीनियर चुनार के अन्तर्गत वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर चुर्क एवं वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर चुनार के लिए 9 टन क्षमता वाले 2 नं0 ट्रक वाहन की आपूर्ति का कार्य।

अग्रिम धन राशि मूल्य (रू): 83,960 | कार्य समापन की अविधः 24 माह

निविदा बंद होने की तिथिः 21.10.2026

पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्यः सप्लाई आफ रोड वेहिकल्स आन हायरिंग बेसिस टू सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेंट सेमी गवर्नमेंट बाडीज आफ सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेंट एवं पब्लिक सेक्टर अन्डर टेकिंग आफ सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेंट

नोटः-1. आनलाइन निविदा बंद होने की तिथि तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा बंद होने की तिथि तक उपलब्ध है।

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 2235/26(K)

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/663 दिनांकः 29.09.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क.वि0/30म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-1052-2026, कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के चोला (CHL) और वैर (WIR) स्टेशनों पर पुराने FOB को नए FOB से बदलने के कारण 25kV OHE में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागत (₹) : 1,09,70,480.38 | बिड सुरक्षा राशि (₹) : 2,19,400.00

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 21.10.2026, 14:00 बजे | कार्य अवधि : 12 महीना

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 21.10.2026, 15:00 बजे | बोली प्रणाली : एक पैकेट

नोट :- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई. बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2229/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

वाराणसी विकास प्राधिकरण, वाराणसी

पत्रांक- सं. 191/26 [illegible] दिनांक- 01/10/2026

सार्वजनिक सूचना

श्री राजेश कुमार पुत्र स्व0 राज किशोर लाल, श्रीमती सीमा श्रीवास्तव पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती रेनी श्रीवास्तव पत्नी श्री उमेश चन्द श्रीवास्तव, श्रीमती सोनू सना पत्नी श्री विशाल सक्सेना व रूपाली श्रीवास्तव पुत्री स्व0 एस0आर0 श्रीवास्तव द्वारा आराजी सं0-150/1, मौजा-हांल, परगना-शिवपुर, वार्ड-सारनाथ, तहसील-सदर, वाराणसी पर होटल का निर्माण कराया गया है। [illegible]

नगर नियोजक / प्रभारी अधिकारी (मानचित्र), वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई–निविदा सूचना

सं० MC/Wheel press/AMC/02/26

दिनांक : 29/09/2026

व०मं०यॉ०अभि०/समाडि/पू०म०रे० डीडीयू, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी, सक्षम तथा इच्छुक एजेंसी ठेकेदार से खुली ई–निविदा (एकल पैकेट प्रणाली) सं० MC-Wheel press-AMC-02-26 दिनांक 28/09/2026 के लिए आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्न है:-

कार्य का विवरण: डब्ल्यूडीजी/डीडीयू के मशीन शेड में स्थापित हाइड्रोलिक व्हील प्रेस 500T मशीन एसओ० संख्या 11000363 का व्यापक एएमसी।

कार्य का अनुमानित लागत: Rs. 73,98,330.00/- (तिहत्तर लाख अन्ठानबे हजार तीन सौ तीस मात्र।)

धरोहर राशि : Rs.1,48,000.00/- (एक लाख अड़तालीस हजार मात्र।) निविदा फार्म जमा करने तथा निविदा खुलने की समय एवं तिथि : ई निविदा दिनांक 07.10.2026 से 21.10.2026 तक समय 15:00 बजे तक वेबसाईट एवं सूचना बोर्ड जिस पर यह सूचना उपलब्ध रहेगी तथा निविदा फार्म खरीदने का पता : IREPS website: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी इसके अतिरिक्त Manual Offer स्वीकार नहीं किया जायेगा।

नोटः विस्तृत जानकारी हेतु कृपया निविदा फार्म देखें।

व०मं०यॉ० अभि०/समाडि/पू०म०रे०/डीडीयू
पीआर/1038/डी०डी०यू०/सी एण्ड डब्ल्यू/टी/26–27/40

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र संख्या 4

संदर्भ : ई-निविदा सं.

उप मु.इं.-नि.-II-जीकेपी-पीसी-01-2026

उपरोक्त निविदा के अंतर्गत निम्नलिखित शुद्धि पत्र जारी किये जा रहे हैं।

क्रमांक : 01, मद का नाम : निविदा बंद होने की तिथि एवं समय - पूर्व में दिया गया मानक : 15.10.2026 15:00, संशोधित मानक : 03.11.2026 15:00. क्रमांक : 02, मद का नाम : बिड प्रारंभ करने की तिथि - पूर्व में दिया गया मानक : 01.10.2026, संशोधित मानक : 20.10.2026. अन्य शर्तें पूर्वतः की भांति लागू रहेंगी। शुद्धि पत्र वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I/गोरखपुर
मुजाधि/डब्ल्यू-363 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

टेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.:- DRM/C/AGRA/Parcel/E-AUCTION दिनांक : 30.09.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबंधक-आगरा द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार हैः-

श्रेणी : पार्सल | कैटलॉग संख्या : AGRA-LEASING-52

एसेट्स डिटेल्स : 1. गाड़ी संख्या 14854 में (01) (F1) एसएलआर
2. गाड़ी संख्या 20178 में (01) (F1) एसएलआर
3. गाड़ी संख्या 12195 में (01) (R1) एसएलआर
4. गाड़ी संख्या 12180 में (01) (F1) एसएलआर

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय : दिनांक :- 15.10.2026, समय :- 12:00

ई-नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय : दिनांक :- 15.10.2026, समय :- 13:10

नोट :- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन वेबसाइट-www.ireps.gov.in के E-Auction Module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। 2232/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONC

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 26/46 दिनांकः 29.09.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस. ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	30262027	सेकेंडरी स्प्रिंग (आउटर) फॉर जनरेटर कार साइड-2	220 नग	20.10.2026
2	64265114A	स्क्यूजिंग सिलेण्डर	288 नग	02.11.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 2220/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: Dy. CPM-GSU-20 दिनांकः 29.09.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य परियोजना प्रबंधक / गति शक्ति यूनिट / प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं (द्वारा खुली निविदा- डबल पैकेट प्रणाली):-

निविदा सं.: GSU-20 | अनुमानित मूल्य (रु): ₹ 304399656.12

कार्य का विवरणः नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में बरहन-एटा सेक्शन के 'D' क्लास कुशवा और जवाहरपुर कामसुन स्टेशनों को 'B' क्लास स्टेशन में बदलना।

बयाने की रकम (रु): ₹ 6088000.00 | कार्य समापन की अवधिः 12 महीने

निविदा खुलने की तिथिः 21.10.2026 15:30 hrs.

इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्यः For Civil work : Any Civil engineering work. For Electrical work: Satisfactory execution of any electrical work related to HT/T/LT installation.

नोट :- (1) आन लाइन निविदा 21.10.2026 को 15:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 21.10.2026 तक उपलब्ध है। 2236/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/667 दिनांक : 29.09.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/30म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-1056-2026

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय-झींझक खंड में पुराने/कमज़ोर कैटेनरी तार को बदलने का कार्य (3rd Call)।

अनुमानित लागत : रू0 80,84,490.00 | बिड सुरक्षा राशि : रू0 1,61,700.00

कार्य अवधि : 12 महीना | बोली प्रणाली : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 21.10.2026, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 21.10.2026, 15:00 बजे

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) बेवसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2231/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं.: GSU-ST-JWK-KWW-9-2026 दिनांकः 28.09.2026

ई-निविदा सूचना

डिप्टी सीएसटीई गति शक्ति यूनिट (सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन) के द्वारा, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फॉर्म पर खुली ई-निविदा, वर्णित खुलने की तिथि को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है-

क्र.सं.1. | निविदा संख्या : 9 | काम की अनुमानित लागतः ₹ 147751864.08

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के बरहन-एटा खंड पर 'D' श्रेणी के जवाहरपुर कमसन स्टेशन और कुसवा स्टेशन को 2 कॉमन लूप के साथ 'B' श्रेणी के स्टेशन में बदलने के संबंध में नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का प्रावधान।

अग्रिम राशि : ₹ 2955000.00 | निविदा प्रपत्र की लागत : ₹ 0.00

समापन अवधि : 24 Months | निविदा खुलने की तिथि : 21.10.2026

2. निविदा प्रपत्र की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।

3. धरोहर राशि जमा करना एवं उसका रूप : उपरोक्त लिखित अग्रिम राशि केवल इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ जमा की जानी चाहिए। निविदाकर्ता (ओं) को ध्यान देना चाहिए कि, किसी भी मामले में, उपरोक्त निर्दिष्ट के अलावा किसी अन्य रूप में धरोहर राशि स्वीकार्य नहीं होगी। बिना उचित धरोहर राशि के निविदा किसी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और पूर्णतया अस्वीकृत कर दी जाएगी।

4. निविदा खुलने का समय तथा स्थान : निविदा ई-निविदा के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में 12:30 बजे या उसके बाद खोली जाएगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होता है, तो निविदाएं अगले कार्य दिवस को खोली जाएंगी।

5. निविदा की वैधता : निविदा खुलने की तारीख से 60 दिन।

6. निविदा से डील हेतु रेलवे के अधिकार : रेल प्रशासन बिना कोई कारण बताए निविदा को स्थगित / संशोधित करने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। 2218/26 (PH)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

संख्या 136-ई/उपमुकाधि/नि./पुनःनियुक्ति/ग्रुप-सी/भाग -II दिनांकः 23.09.2026

अधिसूचना

निर्माण संगठन/उमरे में सेवाओं की अनिवार्यता हेतु पुनः नियुक्ति के लिए इच्छुक सेवानिवृत्त एसएसई/पी.वे से निम्नलिखित नियमों और शर्तों के साथ विकल्प मांगे जाते है-

(1) केवल वे ही रिटायर्ड एसएसई/पी.वे पात्र होंगे और उन्हें दोबारा काम पर रखने पर विचार किया जाएगा, जिनका NCR, NR और NER में 'लियन (lien) था। उन्हें उसी 'सबस्टेंटिव पे-लेवल' (substantive pay-level) पर दोबारा काम पर रखा जा सकता है, जिस पर वे रिटायरमेंट के समय थे। (2) पुनः नियुक्त कर्मचारी का मुख्यालय CRS/NE सर्कल/लखनऊ कार्यालय होगा। (3) पुनः नियुक्त किए गए कर्मचारी का वेतन उस बिल युनिट के खाली पद से दिया जाएगा जहाँ एसएसई/पी.वे का पद खाली है। (4) नोटिफाई की गई पोस्ट पर नियुक्ति, रेलवे बोर्ड के RBE नंबर 96/2024 दिनांक 15.10.2024 के तहत जारी पुनः नियुक्ति (re-engagement) के लिए पॉलिसी की अवधि बढ़ाने के आधार पर होगी। (5) रेलवे बोर्ड के द्वारा जारी नियमानुसार आवेदक को आवेदित पद की चिकित्सा श्रेणी में योग्य होना अनिवार्य है। (6) पुनः नियुक्ति किए जा रहे सेवा निवृत्त कर्मचारी सुरक्षा संबंधी सेवानिवृत्ति योजना/सुरक्षा कर्मचारियों के लिए गारंटीकृत रोजगार हेतु उदारी कृत सक्रिय सैवानिवृत्ति योजना (एलएआरएसजीईएसएस)/हटाए गए/बर्खास्त किए गए/अनिवार्य सेवानिवृत्त के अंतर्गत कवर नहीं किए गए होने चाहिए। (7) कर्मचारियों की उपयुक्तता/योग्यता का निर्धारण नामित समिति द्वारा किया जाएगा। (8) पुनः नियुक्ति हेतु कर्मचारी डीएआर/सतर्कता मामलों से मुक्त होना चाहिए। (9) पुनः नियुक्ति अधिकतम 65 वर्ष तक होगी। (10) पुनः नियुक्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों का पारिश्रमिक, भत्ते और अवकाश रेलवे बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और व्यय विभाग, वित्तमंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 09.12.2020 के कार्यालय ज्ञापन संख्या एफ.सं.3-25/20220-ई.IIIA के अनुसार होंगे, जो निम्नानुसार हैः (अ) सेवानिवृत्ति के समय प्राप्त वेतन से मूल पेंशन की कटौती करके अनुबंध अवधि के दौरान एक निश्चित मासिक राशि पारिश्रमिक के रूप में स्वीकार्य होगी। इस प्रकार निर्धारित पारिश्रमिक की राशि अनुबंध की अवधि के लिए अपरिवर्तित रहेगी। (ब) अनुबंध की अवधि के दौरान कोई वेतन वृद्धि, महंगाई भत्ता और उच्चतर अधिकार की अनुमति नहीं दी जाएगी। (स) निवास और कार्य के स्थान के बीच आवागमन के उद्देश्य से परिवहन भत्ते के रूप में एक उचित और निश्चित राशि की अनुमति दी जाएगी हालांकि, सेवानिवृत्ति के समय उनकी पात्रता के अनुसार उन्हें आधिकारिक टूर के लिए टीए/डीए, यदि कोई हो, की अनुमति दी जा सकती है। (द) सेवा के प्रत्येक पूर्ण माह के लिए 1.5 दिनों की दर से एक अनुपस्थित अवकाश की अनुमति दी जा सकती है। एक कैलेंडर वर्ष में अधिक अवकाश संचय की अनुमति नहीं दी जाएगी। (11) पुनः नियुक्ति अवधि 01 वर्ष की अवधि या अगले आदेश तक (पॉलिसी की अवधि बढ़ने की शर्त पर) होगी, हालांकि, पुनः नियुक्त सेवानिवृत्त कर्मचारी के संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर, उसकी नियुक्ति की अवधि एक वर्ष की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, आगे बढ़ाया जा सकता है। (12) आरआरसी से चयनित उम्मीदवारों के शामिल होने पर पुनः नियुक्त कर्मचारियों को तुरंत हटा दिया जाएगा। (13) पुनः नियुक्त कर्मचारियों को इकाई का प्रभारी नहीं बनाया जाएगा। पुनः नियुक्त कर्मचारियों को वित्तीय और डीएंडएआर शक्तियां नहीं दी जाएंगी और उन्हें कोई सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अधिकृत नहीं किया जाएगा। पुनः नियोजित कर्मचारी वित्तीय एवं अन्य मामलों पर अपने सुझाव नियमित या सेवारत कर्मचारी/अधिकारियों को ही दे सकते हैं। 14. केवल वे सेवानिवृत्त कर्मचारी [illegible] विभाग में ही आवेदन करने के पात्र है। 15. उपरोक्त आवेदन को निर्माण संगठन/एनसीआर के किसी भी स्टेशन पर तैनात किया जा सकता है। 16. पुनः नियोजित कर्मचारियों को पुनः नियोजित होने की सभी शर्तों का पालन करने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करना होगा। 17. पुनः नियुक्त का कार्य/आचरण असंतोषजनक पाया जाता है तो प्रशासन पुनः नियोजित कर्मचारियों की सेवा अवधि पूरी होने से पहले ही 7 दिन का नोटिस देकर समाप्त करने के लिए स्वतंत्र है। पुनः नियोजित सेवानिवृत्त कर्मचारी को भी अपनी सेवाएं समाप्त करने से पहले 7 दिन का नोटिस देना होगा।

आवेदन कैसे करें:

योग्य एवं इच्छुक सेवानिवृत्त एसएसई/पी.वे निर्धारित प्रारूप (अनुलग्नक-'अ'संलग्नक) में आवेदन को साथ आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करें जैसे-स्व-सत्यापित (i) पी.पी.ओ. की फोटो कॉपी (ii) सेवा प्रमाण पत्र (iii) पहचान पत्र (iv) हाल ही की पासपोर्ट साइज फोटो 02 प्रतियां। आवेदन को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण कार्यालय, [illegible] 02, हेड-ब्लॉक, भागीरथी बिल्डिंग, सूबेदारगंज, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज-211015 (यूपी) में अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 तक जमा करना आवश्यक है।

यह अधिसूचना एन सी आर की वेबसाइट http://ncr.indianrailways.gov.in पर भी उपलब्ध है।

(इफ्तिखार अहमद खान)
वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/निर्माण
कृते मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण

2246/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
जौनपुर-गाजीपुर वृत्त, लो.नि.वि., जौनपुर
(E-mail:- sepwdjnp.gzp@gmail.com)

पत्रांकः 4871/एस.ई.टेण्डर/जौ.गा. वृत्त/2026 दिनांकः 23.09.2026

ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, जौनपुर–गाजीपुर वृत्त, लो0नि0वि0 जौनपुर द्वारा प्रतिशत दर में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में रजिस्टर्ड श्रेणी ए0 श्रेणी में भवन कार्य हेतु अर्ह एवं अनुमोदित ठेकेदारों से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी भी अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध मे निविदादाता निर्देश पुस्तिका मे वर्णित ठेका प्राप्त करने नियमो से अवगत हो लें।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू0 लाख में	धरोहर धनराशि रू0 लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अधिशासी अभियन्ता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
वित्तीय वर्ष 2026–27 में स्वीकृति की प्रत्याशा में।								
1	गाजीपुर	अन्धऊ हवाई पट्टी पर निर्मित फ्यूल रूम की मरम्मत, गेस्ट हाऊस में रंगाई-पुताई, दीवाल की मरम्मत, डी0जी0 सेट्री, खिड़की–दरवाजा व हवाई पट्टी की बाउण्ड्रीवाल की मरम्मत का कार्य।	300.00	17.00	2714	प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, गाजीपुर	5 माह	ए

- बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगाई गई दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगाई गयी है।
- शासनादेश संख्या 879 (1)/23–7–2020 दिनांक 25.08.2020 में निहित प्राविधानानुसार प्रहरी एप्लीकेशन पर वांछित प्रपत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा।
- निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।
- निविदा ऑनलाईन दिनांक 07.10.2026 अपरान्ह 12:00 से दिनांक 15.10.2026 अपरान्ह 12.00 तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 15.10.2026 को 12:30 बजे खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिडें कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।
- यदि कोई शुद्धिपत्र होगा तो उसे http://e-tender.up.nic.in पर दिनांक 15.10.2026 को 12.00 बजे के पूर्व अपलोड कर दिया जायेगा।
- शा0सं0–1/2018–3070/78/2–2018/42 आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।
- निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट http://e-tender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(बी0एल0गौतम)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
गाजीपुर

(एस0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
जौनपुर–गाजीपुर वृत्त, लो0नि0वि0
जौनपुर

उ.प्र.:– 257316
दिनांक:– 30.09.2026
वेबसाईटः– www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
जौनपुर-गाजीपुर वृत्त, लो.नि.वि., जौनपुर

पत्रांकः- 4850/एस.ई.टेण्डर/जौ.गा.वृत्त/2026 दिनांकः- 23.09.2026

निविदा आमंत्रण सूचना (एस.बी.डी.;)

(ई-प्रोक्यूरमेंट सूचना)

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in के माध्यम से मार्ग कार्य में लो.नि.वि. के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार से आइटम दर के आधार पर दिनांक 07.10.2026 से दिनांक- 15.10.2026 तक दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। ई निविदा की प्री-क्वालीफिकेशन/टेक्निकल बिड 15.10.2026 अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपस्थित लो.नि.वि. के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार के प्रतिनिधि के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा गठित समिति के सदस्यों द्वारा ऑनलाईन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड में क्वालीफाईड पाये गये ठेकेदारों की फाईनेन्शियल बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। कार्यालय बन्द हाने अथवा छुट्टी होने की दशा में प्री-क्वालीफिकेशन/टेक्निकल बिड एवं फाईनेन्शियल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्यों का विवरण निम्नवत् है:-

क्र. सं./ लॉट सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु. लाख में)	धरोहर धनराशि (रु. लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी.एस.टी. सहित (रु. में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
वित्तीय वर्ष-2026-27 में स्वीकृति की प्रत्याशा में ।						
1	अन्धऊ हवाई पट्टी गाजीपुर के रनवे के मरम्मत का कार्य।	500.00	10.00	05 माह	रु. 5,590.00	ए

निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्तें तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
- बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगाई गई दरें जी.एस.टी. को छोड़ते हुये लगाई गयी है।
- निविदा आनलाईन दिनांक 07.10.2026 से दिनांक 15.10.2026 अपरान्ह 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 15.10.2026 को 12.30 बजे खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय,दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।
- यदि कोई शुद्धि पत्र होगा तो उसे http://etender.up.nic.in पर दिनांक 15.10.2026 को 12.00 बजे के पूर्व अपलोड कर दिया जायेगा।
- शासनादेश संख्या 1/2018/3070/78-2-2018/42 आई.टी./2017(22) दिनांक 03.1.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोलने के उपरान्त निविददाता द्वारा मूल अभिलेखों को व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत ने किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।
- निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेब साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्तों/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांच कर ली गयी है, जो सही है।

(बी.एल. गौतम)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., गाजीपुर

(एस.के. सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
जौनपुर-गाजीपुर वृत्त, लो.नि.वि., जौनपुर

उ.प्र.:- 257340
दिनांक:- 30.09.2026 वेबसाइट- www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।

खेल समाचार

पश्चिम रेलवे दो वर्गों में ओवर आल चैम्पियन

पश्चिम रेलवे के पहलवानों ने यहां बरेका में हुई ६७वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे कुश्ती प्रतियोगिता में अपना वर्चस्व कायम करते हुए ग्रीको रोमन एवं फ्री स्टाइल वर्ग में ओवर आल चैम्पियन होने का गौरव हासिल किया। उत्तर रेलवे दूसरे और उत्तर पश्चिम रेलवे तीसरे स्थान पर रही। बरेका के पहलवानों ने भी इस प्रतियोगिता में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराते हुए तीन रजत और दो कास्य पदक हासिल किये। फ्री स्टाइल के विभिन्न भार वर्ग में प्रवीण कुमार, सौरभ सहरावत, अमन और संदीप ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि हरदीप सिंह, यश, रोहित दहिया और रूपिन ने रजत पदक हासिल किया। राहुल राठी, विक्की, मुन्ना यादव, परविन्दर, अंकित, नीरज और चेतन कास्य पदक लाने में सफल रहे। प्रतियोगिता के पश्चात मुख्य अतिथि बरेका के महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने विजेता टीमों को पदक ट्राफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये। इस मौके पर मनीष कुमार, विवेक सिंह, आलोक अग्रवाल, मुकेश मित्तल,रामजन्म, लालजी चौधरी, डाक्टर सुनील कुमार, अनुराग कुमार गुप्त, सागर, राजेश कुमार, राजेश कुमार सिंह, राखी गुप्त, मिनाक्षी सिंह, प्रदीप कुमार यादव, श्रीकांत यादव, धमेन्द्र कुमार सिंह, मनीष कुमार सिंह, सुशील कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

रग्बी : वाराणसी की बालिकाओं को ओवरआल खिताब

काजल, साक्षी और रोशनी के शानदार खेल की बदौलत वाराणसी मंडल ने यहां लालपुर स्थित डाक्टर भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल में खेली गयी प्रथम प्रादेशिक विद्यालीय रग्बी प्रतियोगिता के बालिकाओं का ओवर आल खिताब जीत लिया। वाराणसी मंडल की बालिकाओं ने यह उपलब्धि

अण्डर-१४ और अण्डर-१७ आयु वर्ग का खिताब जीत कर हासिल की। टीम के कोच अवनीश पाल रहे। अण्डर-१९ बालिका वर्ग का खिताब सहारनपुर मंडल ने जीता, जबकि लखनऊ की टीम बालक वर्ग में सभी वर्गों की विजेता रही। प्रतियोगिता क आयोजन एवं जिला रग्बी संघ के अध्यक्ष डाक्टर एके सिंह के अनुसार इस प्रतियोगिता के आधार पर प्रदेश की टीम का चयन किया जायेगा, जो नयी दिल्ली में २३ से २८ अक्तूबर तक होने वाली राष्ट्रीय स्कूली रग्बी प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता के पश्चात भारतीय रग्बी संघ के प्रतिनिधि अमित कुमार दत्ता, वाराणसी मंडल के संयुक्त शिक्षा निदेशक दिनेश कुमार ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया।

वाराणसी मंडल और छात्रावास सेमीफाइल में

वाराणसी मंडल और वाराणसी छात्रावास ने यहां लालपुर स्थित डाक्टर भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल के एस्ट्रोटर्फ पर खेली जा रही सीनियर पुरुष हाकी प्रतियोगिता में गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वाराणसी मंडल ने झांसी छात्रावास को जहां ६-१ से पराजित किया वहीं वाराणसी छात्रावास ने स्पोर्ट्स कालेज सेफई को १०-२ से बड़ी शिकस्त दी। उधर अन्य दो क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रामपुर छात्रावास ने आगरा छात्रावास को ३-१ से तथा लखनऊ छात्रावास ने लखनऊ मंडल को १०-२ से पराजित कर अंतिम चार का सफर तय किया। सेमीफाइल मुकाबले शुक्रवार को खेले जायेंगे।

वाराणसी को टीम स्पर्धा का रजत

वाराणसी की सुनीता भारद्वाज, महीमा मिश्रार, अंजली यादव औद अदिति सिंह ने बाराबंकी में हुई सीनियर और जूनियर वर्ग तीरंदाजी प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में रैकिंग के आधार पर कुल १२१८ अंक अर्जित कर टीम स्पर्धा का रजत पदक हासिल किया। जूनियर वर्ग कम्पाउंड राउंड में वाराणसी की टीम रैकिंग के आधार पर ओवरआल पांचवें स्थान पर रहीं। अशोक सिंह के प्रशिक्षण में अभय कुमार पटेल कास्य पदक लाने में सफल रहे। तीरंदाजों की इस सफलता पर जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दीवाकर द्विवेदी, सचिव शशिप्रकाश मिश्र, आशीष अग्रवाल, डाक्टर विद्या सागर पाण्डेय, जेपी सिंह, रणदीप सिंह और अशोक कुमार पाण्डेय ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

शतरंज प्रतियोगिता कल से

वाराणसी जिला शतरंज चैम्पियनशीप तीन एवं चार अक्तूबर को घनश्याम सिंह महाविद्यालय सोयेपुर लालपुर में आयोजित की गयी है। वाराणसी शतरंज असोसियेशन के बैनर तले होने वाली इस प्रतियोगिता में शीर्ष चार खिलाड़ी वाराणसी का प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश राज्य शतरंज चैम्पियनशीप में करेंगे। शीर्ष प्रणाली में खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता में समय नियंत्रण का २५ मिनट प्लस प्रत्येक चाल पर १० सेकेण्ड की वृद्धि रहेगी। उक्त जानकारी वाराणसी शतरंज असोसियेशन के महासचिव तुषार सारस्वत ने दी।

अनमोल टीवी शो हमारी राधा- राधा के समर्थकों ने गिरधर के विश्वासघात के खिलाफ किया प्रदर्शन, सच्चाई जानने की मांग

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के फ्री-टू-एयर हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल अनमोल टीवी का पहला ओरिजिनल फिक्शन शो हमारी राधा, अपनी दिलचस्प कहानी और भावनाओं से भरपूर किरदारों के कारण दर्शकों का दिल जीत रहा है। शो में राधा (सिमरन कौर) अपने पति गिरधर (अक्षय म्हात्रे) पर पूरा भरोसा करती है, जबकि वह चोरी-छिपे उसे धोखा दे रहा है। राधा की इस कहानी से दर्शकों का भावनात्मक जुड़ाव लगातार और मजबूत होता जा रहा है। कुछ ऐसे प्रशंसक, जो शो के लिए विशेष जुनून रखते हैं, राधा को लेकर अपनी चिंता को पर्दे से बाहर भी दिखाते हुए, आज शूटिंग सेट पर पहुंचे और गिरधर के व्यवहार के खिलाफ प्रदर्शन किया। गिरधर की बेवफाई से नाराज प्रशंसकों ने मांग की कि राधा को गिरधर और शनाया (वैदेही नायर) के रिश्ते की सच्चाई बताई जाए। यह जानते हुए भी कि गिरधर सिर्फ शो का एक किरदार है, प्रशंसक उसका सामना करने के लिए आतुर थे। इससे पता चलता है कि राधा की कहानी से उनका कितना गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। राधा को गिरधर पर लगातार भरोसा करते और उसकी सच्चाई से अनजान देखते हुए प्रशंसकों में काफी नाराजगी नजर आई।

विप्रा आर्थिक एवं आत्मनिर्भर के रूप में अवस्थापना के माध्यम से करेगा विकास-विप्रा सचिव

नवम्बर २०२५-२६ तक पांच सौ करोड़ की राजस्व की अर्जित

वाराणसी विकास प्राधिकरण २०२५ से सितंबर २०२६ तक पांच सौ करोड़ का राजस्व अर्जित कर एक नया रेकार्ड बनाया। इससे पूर्व राजस्व लगभग १२० करोड़ रहा। जानकारी के अनुसार सबसे ज्यादा राजस्व वृद्धि भवन निर्माण के लिए मानचित्र स्वीकृति की रही। जिसको लगभग २५० प्रतिशत वृद्धि माना जा रहा है। ११ माह में १९५२ मानचित्र स्वीकृत किये गये। जिसमें १०७३ कंपाउंडिंग मानचित्र और ८८९ आनलाइन भवन मानचित्र स्वीकृति किये गये। इस प्रकार भवन १९५२ भवन स्वामियों का मानचित्र स्वीकृत किया गया। प्राधिकरण ने ९३ ले आउट, २२ ग्रुप हाउसिंग, ३९ होटल परियोजना के लिए स्वीकृति दी है। ३९ होटल परियोजनाओं में लगभग १९०० नये कमरे जुड़ेंगे। ग्रुप हाउसिंग के क्षेत्र में २२८३ आवासीय इकाइयां होंगी। जिसमें २२ ग्रुप हाउसिंग में शामिल है। इस परियोजना में २२८३ आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जा रहा है। विप्रा के एक अधिकारी ने बताया कि भवन स्वामियों को मानचित्र स्वीकृत कराने अथवा कंपाउडिंग के माध्यम से अपने भवन को नियमित करने का अवसर दिया गया है। विभाग की संपत्ति क्रय-विक्रय, बैंक ऋण आदि की प्रक्रिया में सुविधा दी गयी है। नागरिक आनलाइन भवन मानचित्र स्वीकृति प्रणाली के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस चालू वर्ष में अब तक विप्रा ने दो सौ करोड़ निवेश किये जिसमें अवस्थापना विकास, वीडीए के कार्यक्षेत्र में लगभग १००० वर्ग मीटर तक जिसमे कि वाराणसी, चंदौली, मीरजापुर क्षेत्र के आठ सौ गांव शामिल किये गये हैं। अब तक ३५० एकड़ भूमि अर्जित की जा चुकी है। इसको नियोजित टाउनशिप के रूप में विकसित किया जायेगा। इसकी लागत लगभग १२०० करोड़ आकी गयी है। टाउनशिप विकसित करने में आवासीय कालोनिया ही नहीं बल्कि वाणिज्य केन्द्र, विद्यालय अस्पताल, मनोरंजन एवं अन्य सुविधाएं निश्चित की जायेंगी। विप्रा उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने बताया कि वीडीए को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए अवस्थापना विकास एवं नागरिक सुविधाओं को नयी गति दी जायेगी। इसमें नागरिकों से अपील की जाती है कि हर हाल में अपने भवन की मानचित्र स्वीकृत करायें। जिससे कि शहर को विकसित और सुरक्षित ढंग से विस्तार किया जा सके।

आवास दिलाने के नाम पर महिला से सोने के टप ले उड़े दो बदमाश

भीमपुरा (बलिया)। स्थानीय थाना क्षेत्र के डफनपुरा गांव में आवास दिलाने के नाम पर एक महिला को कथित तौर पर झांसे में लेकर उसके कान से सोने के टप लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार की तहरीर पर भीमपुरा पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, महाजन मौर्य पुत्र स्वर्गीय नरेश मौर्य, निवासी ग्राम डफनपुरा, पोस्ट पतौई, थाना भीमपुरा ने बताया कि 11 सितंबर को वह अपने लड़के की जमानत कराने के लिए बलिया गया हुआ था। इसी दौरान घर पर उसकी पत्नी कौशल्या देवी मौजूद थीं। शिकायतकर्ता के मुताबिक, करीब सुबह 10:30 बजे दो अज्ञात व्यक्ति उसके घर पहुंचे। आरोप है कि दोनों व्यक्तियों ने आवास दिलाने की बात कहकर महिला से बातचीत शुरू की। बातचीत के दौरान उन्होंने महिला को अपनी बातों में उलझा लिया।

कैंट स्टेशन पर एक दिन, एक घंटा, एक साथ चला स्वच्छता अभियान

अधिकारियों और रेलकर्मियों ने किया सामूहिक श्रमदान

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत गुरुवार को कैंट रेलवे स्टेशन परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।रेल प्रशासन के निर्देश पर आयोजित 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' अभियान में सभी अधिकारी गण,रेलवे कर्मियों एवं सफाई मित्रों ने श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की।अपर मंडल रेल प्रबंधक बृजेश कुमार यादव, मंडल यांत्रिक अभियंता दिवाकर वार्ष्णेय एवं स्टेशन निदेशक अर्पित गुप्ता के नेतृत्व में रेलवे कर्मियों,सफाई मित्रों और यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी तथा इसके बाद श्रमदान का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित सभी अधिकारी गण,रेल कर्मचारी और सफाई मित्रों ने श्रमदान किया। इसके उपरांत स्टेशन परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें यात्रियों और सफाई मित्रों को स्वच्छ और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए जागरूक किया गया। तथा स्वच्छ वातावरण के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयत्न का आश्वासन लिया गया।

रेलवे कालोनियों में भी चला स्वच्छता अभियान

स्वच्छता अभियान के तहत वाराणसी की न्यू लोको कालोनी एवं टीआरडी लोको कालोनी में भी व्यापक सफाई करते हुए लगभग ५०० किलोग्राम कूड़ा -कचरा एकत्र कर सुरक्षित निस्तारित किया गया। यहां मोटू- पतलू एवं चिंपैजी के कार्टून कैरेक्टर बच्चों के विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे और उनके माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया।यह वृहद अभियान वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डाक्टर कृष्ण मोहन मिश्रा के कुशल निर्देशन में मुख्य संयोजक मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक राकेश पाठक के नेतृत्व में सफाई व्यवस्था एवं जन-जागरूकता गतिविधियों को सुचारू संचालन किया गया। इस अभियान में विवेक सिंह, सुपरवाइजर अनीस, संतोष कुमार सिंह,रवि चौरसिया, विकास कुमार , प्रदीप सिंह,शिवलाल, अमित कुमार ,ओम प्रकाश मीना, अमरजीत सहित आरपीएफ जवानों तथा स्थानीय निवासियों ने अपना सक्रिय योगदान दिया।

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से वृद्ध की मौत

अतरौलिया, आजमगढ़। थाना क्षेत्र के इटौरी नंदना गांव में गुरुवार दोपहर शौच के लिए घर से निकले 70 वर्षीय वृद्ध की पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इटौरी नंदना गांव निवासी शंकर राम पुत्र स्व. छट्ठू राम गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे शौच के लिए घर से निकले थे। बताया गया कि उनका घर से करीब 300 मीटर दूर स्थित एक गहरे गड्ढे के पास से गुजरना हुआ। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गड्ढे में जा गिरे। गड्ढे में बारिश का पानी भरा होने के कारण वह पानी में डूब गए। रास्ते से गुजर रहे राहगीरों की नजर पड़ने पर उन्होंने शंकर राम को पानी से बाहर निकाला और घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी। मृतक के पुत्र राजकपूर ने बताया कि घर से कुछ दूरी पर कुछ दिन पहले मिट्टी निकालने के बाद गहरे गड्ढे को वैसे ही छोड़ दिया गया था।

गंगा-सरयू के जलस्तर में वृद्धि, दियरांचल के दर्जनों गांव प्रभावित

बैरिया (बलिया)। गंगा और सरयू नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से सुरेमनपुर दियरांचल, रामपुर कोड़रहा और लालगंज क्षेत्र में एक बार फिर बाढ़ की स्थिति गंभीर होने लगी है। गंगा उस पार नौरंगा, चक्की नौरंगा, भुआल छपरा, उदयी छपरा के डेरा और भगवानपुर के डेरा समेत करीब आधा दर्जन गांव दोबारा बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। नौरंगा को बिहार से जोड़ने वाला मार्ग भी जलमग्न हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार दोनों नदियों के जलस्तर में इसी तरह वृद्धि जारी रही तो अगले 24 घंटे में स्थिति और विकट हो सकती है। सुरेमनपुर दियरांचल के गोपालनगर टाड़ी, वशिष्ठनगर, गोपालनगर, धूपनाथ के डेरा, बैज के डेरा, शिवाल मठिया, बकुलहा, फतेह राय का टोला, चांददियर और पलटूनगर में बाढ़ का पानी फिर फैलने लगा है। गोपालनगर टाड़ी और गोपालनगर में कई घरों में पानी घुस गया है। इससे ग्रामीण अपना सामान समेटकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने को मजबूर हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दिनों आई बाढ़ ने खरीफ की फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया था।

अब दोबारा बाढ़ आने से रबी की फसल की बुआई भी प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। इससे किसानों के सामने दोहरी मार की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उधर गंगा के बढ़ते जलस्तर से रामपुर कोड़रहा, पूर्वी भवन टोला, भवन टोला, सेमरिया, गड़ेरिया, जगदीशपुर, भूसौला, बलवंत छपरा, मुरली छपरा, गुदरी सिंह का टोला और उदयी छपरा समेत दर्जनों गांव फिर बाढ़ से घिरने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जलस्तर बढ़ने के साथ जनजीवन एक बार फिर प्रभावित होने लगा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बाढ़ की स्थिति गंभीर होने के बावजूद अभी तक तहसील प्रशासन की ओर से किसी अधिकारी या कर्मचारी ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा नहीं लिया है। उनका कहना है कि समय रहते प्रभावित इलाकों का सर्वे कराकर राहत और बचाव की तैयारी शुरू की जानी चाहिए। गोपालनगर टाड़ी के परमेश्वर यादव, माधव यादव, मुखराम यादव, गणेश यादव, अर्जुन यादव समेत कई ग्रामीणों के घरों में पानी घुसा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि अभी तक कोई सरकारी कर्मचारी या अधिकारी उनका हाल जानने मौके पर नहीं पहुंचा है। तहसीलदार बैरिया कृपाशंकर ने बताया कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। गोपालनगर में चार नावें लगाई गई हैं। जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया जाएगा। लेखपालों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जा रहा है।

चलती ट्रक में पीछे से घुसी कार, युवक की मौत

पड़री। थाना क्षेत्र के कपसौर गांव के सामने मिर्जापुर-वाराणसी हाईवे पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक्सयूवी कार चालक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में कार सवार दो अन्य युवक बाल-बाल बच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया गया कि मध्यप्रदेश के रीवा जिले के चौरहटा थाना क्षेत्र के किटवरिया गांव निवासी अखिल तिवारी (36) पुत्र रामायण प्रसाद एक्सयूवी कार से अपने साथी साहिल (26), कृष्ण मुरारी मिश्रा (30) पुत्र उमेश मिश्रा निवासी केवरी, थाना गढ़, रीवा और शुभांशु पांडेय (26) पुत्र प्रकाश पांडेय निवासी गायत्री नगर, रीवा के साथ वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने गए थे।

तेल छिड़ककर आग लगाने की कोशिश

मड़िहान। कस्बा स्थित तिराहे के पास गुरुवार को जमीन विवाद ने उस समय बेहद भावुक और तनावपूर्ण रूप ले लिया, जब विवाद से परेशान एक पक्ष के लोगों ने कथित रूप से अपने ऊपर तेल छिड़ककर आग लगाने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें रोक लिया और समझा-बुझाकर स्थिति को संभाला। घटना के बाद तिराहे पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सड़क पर बैठे परिवार के सदस्यों के चेहरे पर चिंता, बेबसी और अपने आशियाने को खोने का डर साफ दिखाई दे रहा था। महिलाएं और परिवार के अन्य सदस्य अपनी बात अधिकारियों तक पहुंचाने की मांग करते रहे। पुलिसकर्मी लगातार उन्हें शांत कराने और किसी भी तरह का आत्मघाती कदम न उठाने के लिए समझाते रहे। विवादित पक्ष के एक परिवार का दावा है कि वे तीन पुश्तों से उक्त स्थान पर बसे हुए हैं, लेकिन अब दूसरे पक्ष की ओर से जमीन पर अपना मालिकाना हक जताया जा रहा है। परिवार का कहना है कि वर्षों से जिस जगह को उन्होंने अपना घर और जीवन का सहारा माना, आज उसी जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो जाने से उनके सामने बेघर होने की आशंका पैदा हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। उच्च अधिकारियों के पहुंचने तक परिवार के लोगों को काफी देर तक समझाया गया। फिलहाल जमीन के वास्तविक स्वामित्व और दोनों पक्षों के दावों की स्थिति राजस्व अभिलेखों एवं सक्षम अधिकारियों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। घटना के बाद स्थानीय लोगों की निगाह प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

वाहन की टक्कर से ईंट भट्ठा मजदूर की मौत

बलरामपुर, आजमगढ़। पवई थाना क्षेत्र के बलईपुर गांव के पास बुधवार शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से ईंट भट्ठा मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी निवासी 30 वर्षीय रोहित पिछले करीब 10 वर्षों से पवई थाना क्षेत्र के मित्तूपुर स्थित एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता था। बारिश के मौसम में वह अपने घर चला गया था। करीब 10 दिन पहले ही वह वापस ईंट भट्ठे पर काम करने आया था। बुधवार शाम रोहित सामान खरीदने के लिए सुरहुरपुर बाजार गया था। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरे ईंट भट्ठा मजदूर की नजर घायल रोहित पर पड़ी तो वह उसे ईंट भट्ठे पर ले गया। वहां उपचार के दौरान बुधवार रात उसकी मौत हो गई।

तालाब में डूबने से किशोरी की गयी जान

धानापुर। थाना क्षेत्र के बभनीयाव रायपुर गांव में एक दिव्यांग किशोरी की बुधवार को देर सायं अबुझ हाल में तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गयी। मृतका किशोरी की पहचान कुमारी आरजू (13) के रूप में हुई हैं जो दिनेश की बेटी थी। वह बिहार के शिव की रहने वाली थी और अपने नाना रामदुलार के घर बभनीयाव रायपुर में रहती थी।

स्टे में उतरे करेण्ट ने ली युवक की जान

चकिया। कोतवाली क्षेत्र के कौड़िहार गांव में बुधवार की रात दर्दनाक हादसा हो गया। विद्युत पोल में लगे स्टे में उतरे करेण्ट की चपेट में आने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार चंदौली थाना क्षेत्र के डिग्घी गांव निवासी रामदुलारे का छोटा पुत्र बॉबी कुमार काफी समय से कौड़िहार गांव में अपने मामा श्रीराम के घर रह रहा था। वह पढ़ाई के साथ मजदूरी भी करता था। बुधवार की रात करीब 10 बजे वह गांव स्थित रविदास मंदिर के समीप पहुंचा। इसी दौरान विद्युत पोल के स्टे में उतरे 440 वोल्ट के करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने से युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही सैदूपुर चौकी प्रभारी अनिल कुमार पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। बॉबी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पिता रामदुलारे, भाई सनी, मामा श्रीराम सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

वाराणसी समाचार

बीएचयू के चिकित्सा शिविर में सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में भारत सरकार के स्वच्छता ही सेवा २०२६ अभियान के तहत सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर के अंतर्गत चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य सफाई मित्रों के स्वास्थ्य, कल्याण और सम्मान पर विशेष ध्यान देना था। शिविर में उच्च रक्तचाप और मधुमेह की जांच के साथ चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया। कर्मचारी स्वास्थ्य संकुल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर नीति सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच की। चिकित्सा दल में डाक्टर शुभम शुक्ल, डाक्टर जूली और नर्सिंग ऑफिसर महेश टेलर शामिल रहे। शिविर में कुल ५० सफाई मित्रों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के सफाई एवं सहायक सेवाएं विभाग के तत्वावधान में किया गया। स्वच्छता ही सेवा २०२६ की गतिविधियों के तहत विभाग ने स्वच्छ पाठशाला पहल के अंतर्गत लाला लाजपत राय पाठशाला में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता भी आयोजित की। इसमें ३२ विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नीति २०२६ के अनुरूप ठोस कचरे के चार श्रेणियों में पृथक्करण के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही, स्रोत पर ही कचरे के पृथक्करण के महत्व पर बल दिया गया। इस अवसर पर डाक्टर पी. आर. सेन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सफाई एवं सहायक सेवाएं तथा असिस्टेंट रजिस्ट्रार राज कुमार सोनी उपस्थित रहे।

श्री अग्रसेन कन्या इंटर कॉलेज में तीसरे स्मार्ट क्लासरूम का शुभारंभ

मैदागिन स्थित श्री अग्रसेन कन्या इंटर कॉलेज में गुरुवार को आधुनिक शिक्षा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए तीसरे स्मार्ट क्लासरूम का शुभारंभ किया गया। रोटरी क्लब वाराणसी डाउनटाउन, डिस्ट्रिक्ट ३१२० की ओर से विद्यालय को इंटरएक्टिव स्मार्ट पैनल प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं महाराज अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि पीडीजी

रोटेरियन डॉक्टर आशुतोष अग्रवाल ने स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन किया। इस दौरान स्मार्ट पैनल के संचालन और शिक्षण में इसके उपयोग की जानकारी भी दी गई। मुख्य अतिथि पीडीजी रोटेरियन डॉक्टर आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक तकनीक को शिक्षा से जोड़ना छात्राओं के ज्ञान और कौशल को नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है। अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रबंधक गरिमा टकसाली एवं सहायक मंत्री पवन कुमार मित्तल ने कहा कि छात्राएं केवल आज की नहीं, बल्कि आने वाले कल की उम्मीद और समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। प्रधानाचार्या डॉक्टर संगीता बनर्जी तथा संचालन प्रतिमा श्रीवास्तव एवं नेहा कक्कड़ ने किया। इस अवसर पर विद्यालय समिति के अध्यक्ष ऋषभ चंद्र जैन, रोटरी क्लब वाराणसी डाउनटाउन के अध्यक्ष अमित कुमार गुजराती, पीयूष अग्रवाल, पीके अग्रवाल, नंदिता गुजराती, भूपेंद्र अग्रवाल, श्री काशी अग्रवाल समाज के राज किशोर अग्रवाल, श्रीमोहन अग्रवाल, सीए मानस अग्रवाल, पवन अग्रवाल सहित शिक्षिकाएं, छात्राएं तथा रोटरी क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अनूप गुप्ता को संयुक्त सचिव बनाये जाने पर भाजपाइयों ने दी बधाई

खेल एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान और हैंडबॉल खेल के प्रति समर्पण को देखते हुए अधिवक्ता अनूप गुप्ता को वाराणसी हैंडबॉल एसोसिएशन में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव अमित पाण्डेय ने की है। नियुक्ति पत्र सौंपते हुए अमित पाण्डेय ने उम्मीद जताई कि अनूप गुप्ता खेलों के विकास, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने तथा हैंडबॉल गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री माननीय रविंद्र जायसवाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया , क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा सोमनाथ विश्वकर्मा ,भाजपा नेता ओम प्रकाश यादव बाबू, मलेशिया जायसवाल, मनीष चौरसिया, संजय गुप्ता आदि लोगों ने बधाइयां दी।

एनी बेसेंट के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए-जयंती चक्रवर्ती

एनी बेसेंट जयंती पर गुरुवार को कमच्छा स्थित एनी बेसेंट स्कूल कमच्छा में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जयंती पर विद्यार्थियों ने एनी बेसेंट के स्केच, मेरे सपनों का भारत एवं सरकार की संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं पर आकर्षक पोस्टर बनाये। देशभक्ति गीत एवं एनी बेसेंट के जीवन और उनके विचार भी प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक डॉक्टर कुसुम मिश्रा एवं प्रधानाचार्या जयंती चक्रवर्ती ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें एनी बेसेंट के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के लाइव क्विज़ में वाराणसी के विजेता घोषित

सोनी सब और नीला फिल्म प्रोडक्शन्स, भारत के सबसे लंबे समय तक चलने वाले और सबसे प्रिय पारिवारिक मनोरंजन शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता, ने शो की १८-दिवसीय लाइव क्विज़ को सफलतापूर्वक संपन्न किया है, जिसे शो की १८वीं वर्षगांठ के उत्सव का हिस्सा बनाकर आयोजित किया गया था। एक से २१ अगस्त तक आयोजित इस क्विज़ में देशभर से लाखों दर्शकों ने भाग लिया, जिससे

प्रशंसक अपने पसंदीदा शो 'टीएमकेओसी', उसके किरदारों और गोकुलधाम सोसाइटी की दुनिया का उत्सव मनाने के लिए एकजुट हुए। जैसे-जैसे विजेताओं की घोषणा हो रही है, साक्षी शरद यादव और उनका परिवार वाराणसी से विजेता परिवारों में शामिल हुआ है। साक्षी शरद यादव और उनका परिवार गोकुलधाम सोसाइटी के प्रतिष्ठित सेट पर जाने का विशेष अवसर पाएगा, जहाँ वे तारक मेहता का उल्टा चश्मा की शूटिंग को नज़दीक से देख सकेंगे और शो की १८-साल की उपलब्धि को कलाकारों के साथ मिलकर मना सकेंगे, जैसा कि क्विज़ की शर्तों में बताया गया है। यह अनुभव सोनी सब और नीला फिल्म प्रोडक्शन्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

बिहार समाचार

पर्व त्योहारों पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर- डीएम

डेहरी ऑन सोन (आससे)। डेहरी नगर परिषद सभागार में गुरुवार को अनुमंडल शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने की।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि दशहरा, दिवाली, छठ और मोहर्रम जैसे सभी प्रमुख पर्व हम सभी के हैं, इन्हें शांतिपूर्वक और हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए। पर्व त्योहारों के मौके पर प्रशासन की रहेगी पैनी नजर। उन्होंने कहा कि पूजा समितियों द्वारा रखी गई सभी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में उपस्थित एसपी मि राज ने कहा कि सभी लोग पर्व का आनंद लें और असामाजिक गतिविधियों से दूर रहें, ताकि बेवजह कानूनी परेशानी में न पड़ना पड़े। उन्होंने विशेषकर पढ़ने वाले और नौकरी की तैयारी करने वाले युवाओं से अपील की कि वे भीड़-प्रदर्शन वाली जगहों से दूर रहें और अफवाहों पर ध्यान न दें। मौके पर उपस्थित डेहरी के विधायक राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह ने कहा कि यह हमारा डेहरी ऑन सोन एक आदर्श नगर है इसकी पवित्रता हमें बनाए रखनी है।

साइबर अपराधों की जांच में तकनीकी दक्षता बढ़ायें- डीआईजी

डेहरी ऑन सोन (आससे.)। शाहाबाद जोन के पुलिस उप-महानिरीक्षक डॉ. सत्य प्रकाश ने डेहरी ऑन सोन में रोहतास साइबर थाना का विस्तृत निरीक्षण किया। साइबर थाना पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने साइबर थाना अध्यक्ष सह डीएसपी गौरव कुमार यादव से थाना की कार्यप्रणाली एवं साइबर अपराध से जुड़े मामलों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने साइबर अपराधों की जांच प्रक्रिया, केस डायरी, तकनीकी उपकरणों की उपलब्धता एवं स्थिति, साक्ष्य संरक्षण की व्यवस्था तथा ऑनलाइन शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया का गहन अवलोकन किया।डीआईजी ने पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों से विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों की जांच-पद्धति के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया से जुड़े अपराध, हैकिंग, फेक न्यूज, हेट स्पीच समेत अन्य साइबर अपराधों की जांच और साक्ष्य संकलन से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की गई।

औरंगाबाद में चार को आमसभा करेंगे तेजस्वी यादव-पूर्व मंत्री

डेहरी ऑन सोन (आससे.)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री डॉ सुरेश पासवान ने कहा है की आगामी चार अक्टूबर को औरंगाबाद के गांधी मैदान में एक विशाल जनसभा आयोजन किया गया है जिसमें बिहार सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव जनसभा को संबोधित करेंगे ।कार्यक्रम की सफलता के लिए राष्ट्रीय जानता दल के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के द्वार ज़ोर शोर से तैयारी की जा रही है।इसी कार्यक्रम में जदयू के रफ़ीगंज के पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ राष्ट्रीय जानता दल में शामिल नेता प्रतिपक्ष के उपस्थिति में सामिल होंगे।अशोक कुमार सिंह के राष्ट्रीय जनता दल में शामिल होने से पार्टी को मज़बूती मिलेगी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव जी का आगमन औरंगाबाद में ऐसे समय में हो रहा है।

२५ से ३० दिसंबर तक आयोजित होगा नाटकों का महाकुंभ

डेहरी ऑन सोन (आससे.)। रोहतास जिले की अग्रणी सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था,अभिनव कला संगम(परिवार) इंजीनियर ललन सिंह स्पोर्टिंग क्लब, डेहरी में आयोजित प्रेस वार्ता में आगामी 25 दिसंबर से 30 दिसंबर 2026 तक होने वाले अखिल भारतीय बहुभाषीय लघु नाटक प्रतियोगिता एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा साझा की गई।संस्था के निदेशक, संजय सिंह बाला ने अवगत कराया कि इस महोत्सव में देश के लगभग 12 से 15 राज्यों की 30 प्रतिष्ठित नाट्य संस्थाएं प्रतिभागिता हेतु अपनी सहमति प्रदान कर चुकी हैं।समस्त कार्यक्रमों का आयोजन इंजीनियर ललन सिंह स्पोर्टिंग क्लब परिसर में ही किया जाएगा।

इंद्रपुरी सोन बराज परिसर में अवैध आवास खाली करने का निर्देश

डेहरी ऑन सोन (आससे.)। जल संसाधन विभाग, बिहार पटना के निर्देश के आलोक में अवर प्रमंडल पदाधिकारी, बराज एवं शिविर अवर प्रमंडल, इंद्रपुरी द्वारा आवश्यक सूचना जारी की गई है। पत्रांक 239,1. अक्टूबर.2026 के अनुसार सोन बराज एवं शिविर परिसर के अनावंटित आवासों में अवैध रूप से रह रहे सभी व्यक्तियों को 30 दिनों के अंदर आवास खाली करने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समय में आवास खाली न करने पर विधिसम्मत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। साथ ही यदि कोई अवैध आवासी बराज संचालन के लिए क्रय की गई विद्युत का उपयोग करते पाया गया तो उसके विरुद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत कार्रवाई होगी।

रोहतास पुलिस में तबादला, तीन थानों में नये पदाधिकारी

डेहरी ऑन सोन (आससे.)। एसपी रोहतास के आदेश पर अंचल निरीक्षक/थानाध्यक्ष का तबादला किया गया। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पु0नि0 मनोज कुमार-2 को विधि-व्यवस्था शाखा से अंचल निरीक्षक नोखा,पु0अ0नि0 अमित कुमार को पुलिस केन्द्र डेहरी से थानाध्यक्ष परसथुआ और पु0नि0 प्रमोद कुमार को अंचल निरीक्षक नोखा से थानाध्यक्ष कोचस बनाया गया है।

दरोगा भर्ती-२०२५ : नियुक्ति पत्र वितरण पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगायी रोक

प्रयागराज (आससे.)। उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक (सिविल पुलिस), प्लाटून कमांडर पीएसी, अग्निशमन अधिकारी, विशेष सुरक्षा बल और महिला उप निरीक्षक समेत विभिन्न पदों की भर्ती परीक्षा की उत्तर कुंजी की शुद्धता को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक भर्ती के तहत नियुक्ति पत्र जारी करने पर रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने श्याम सुंदर व दो अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता संजय यादव ने बताया कि 2025 की दरोगा भर्ती प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी थी।

ज्ञानमण्डल प्राइवेट लिमिटेड के लिए ज्ञानमण्डल यंत्रालय, संत कबीर मार्ग, **वाराणसी** से- **ओम प्रकाश शर्मा** द्वारा मुद्रित और प्रकाशित। **सम्पादक- शार्दूल विक्रम गुप्त,** स्थानीय कार्यकारी **सम्पादक- शिवशंकर व्यास। गोरखपुर:** बैंक रोड, **प्रयागराज: 3**,लीडर रोड, **कानपुर:** बांसमण्डी, **झांसी:** झोंकन बाग, **लखनऊ: 1**,जापलिंग रोड, **आगरा:** महात्मा गांधी रोड, **बरेली:** रोड नं. **3** परसाखेड़ा, **पटना:** फ्रेजर रोड, **रांची:** नामकुम इण्डस्ट्रियल एरिया, **जमशेदपुर:** न्यू काली माटी रोड-साकची।

वर्ष-107 पू.सं. 899678131022437
आर. एन. आई. रजिस्ट्रेशन नं. 2026/ 57
फोन:- 2393981 से 2393987 तक
E-Mail:ajvaranasi.1920@gmail.com
Website : www.ajhindidaily.com
पी.आर.बी. अधिनियम के अन्तर्गत समाचार चयन के लिए ओम प्रकाश शर्मा जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद वाराणसी न्यायालय के अधीन होंगे।

यहां भी पढ़ें
-:Website:-
www.ajhindidaily.com
-:For e-Paper:-
www.ajhindidaily.com/
निःशुल्क ई-पेपर सबस्क्राईब करें।

सूर्योदय : ०५.५०
सूर्यास्त : ०५.४५

तापमान
अधि. : ३५.०
न्यून. : २४.०

गांधी जयंती पर प्रदेशभर में चला खाद्य सुरक्षा अभियान

लखनऊ (आससे.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में जनस्वास्थ्य से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के क्रम में खाद्य सुरक्षा एवं हुए विभागीय टीमों ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में राजकीय चिकित्सालयों एवं राजकीय मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध भोजनालयों और कैंटीनों का

मरीजोंकी थाली की शुद्धता पर विशेष नजर

औषधि प्रशासन विभाग ने गांधी जयंती के अवसर पर राजकीय चिकित्सालयों एवं मेडिकल कॉलेजों में मरीजों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदेशव्यापी विशेष अभियान चलाया। महात्मा गांधी के स्वच्छता, सेवा और जनस्वास्थ्य के मूल्यों को व्यवहार में उतारते विशेष निरीक्षण किया। अभियान के तहत करीब 42 राजकीय मेडिकल कॉलेजों तथा 150 जिला एवं अन्य राजकीय चिकित्सालयों से संबद्ध भोजनालयों-कैंटीनों की व्यवस्थाओं को परखा गया। इन स्थानों पर भर्ती मरीजों के साथ उनके तीमारदारों के लिए भी भोजन तैयार एवं उपलब्ध कराया जाता है। विभाग ने केवल भोजन की गुणवत्ता की जांच तक अभियान को सीमित न रखते हुए भोजन तैयार होने से लेकर उसके भंडारण, संरक्षण, परिवहन और मरीज तक पहुंचने की पूरी श्रृंखला को खाद्य सुरक्षा के मानकों पर परखा।अस्पताल में भर्ती मरीज अपनी उपचार व्यवस्था के लिए अस्पताल प्रशासन पर निर्भर होता है। बीमारी की स्थिति में उसकी खाद्य संबंधी आवश्यकताएं भी सामान्य व्यक्ति से अलग हो सकती हैं। ऐसे में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और सुरक्षित रखरखाव सीधे मरीज के स्वास्थ्य और उपचार व्यवस्था से जुड़े विषय हैं।

विदेश भेजने वाले फर्जी ऑफिससे ११ पासपोर्ट, १० एटीएम और सोना बरामद, दो गिरफ्तार

नयी दिल्ली (आससे.)। दिल्ली पुलिस ने इजराइल और इराक के वीजा और विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर कम से कम 46 लोगों से कथित तौर पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर उसके सरगना और एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी अबीर पोइलान (45) और दिल्ली के संगम विहार निवासी मुस्तकीम (38) के रूप में हुई है। दोनों कथित तौर पर नेताजी सुभाष प्लेस स्थित एक कार्यालय से डायनेमिक ओवरसीज के नाम पर गिरोह चला रहे थे।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक अगस्त को सुभाष प्लेस थाने में आयोजित जन सुनवाई के दौरान मिली शिकायत से मामले का खुलासा हुआ। आरोपियों ने कथित तौर पर इस्राइली का वीजा दिलाने के लिए प्रति व्यक्ति 1.70 लाख रुपये और इराक के वीजा के लिए 70,000 रुपये लिए और विदेश में नौकरी दिलाने का वादा किया।

ज्ञानेश कुमारके इस्तीफे की मांग तेज

मुंबई (आससे.)। लोकतंत्र में चुनाव और वोट को सबसे अहम माना जाता है, लेकिन जब चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर सवाल उठते हैं तो विवाद भी गहरा जाता है। अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने देशभर में प्रदर्शन का एलान किया है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा है कि 2 अक्तूबर से मुंबई के शिवाजी पार्क से आंदोलन शुरू होगा। उनका कहना है कि जब तक ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा नहीं देते, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा।मुंबई प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को पद छोड़ना चाहिए और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। दीपके ने कहा कि सीजेपी का विरोध केवल मुंबई तक सीमित नहीं रहेगा। पार्टी का कहना है कि 2 अक्तूबर को शिवाजी पार्क से प्रदर्शन शुरू करने के बाद इसे देश के अलग-अलग हिस्सों तक ले जाया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रहेगा। सीजेपी संस्थापक ने बताया कि आंदोलन को कई राज्यों तक ले जाने की योजना है। पार्टी के मुताबिक प्रदर्शन इन जगहों पर किए जाएंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते है:-
क्रम सं.-1, ई-प्रापण निविदा संख्या: उप मु०इं०-नि०-पुल-ईपीसी-02-2026 दिनांक 02-12-2026 कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन परियोजना के संबंध में, बांसगांव (अपवर्जित) (चैनज 76000) से बरहलगंज (समाविष्ट) (चैनज 43060) तक, 32.940 किमी लंबी नई एकल ब्रॉड गेज रेल लाइन के सिविल इंजीनियरिंग, विद्युतीकरण एवं सिग्नलिंग कार्यों के लिए इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (EPC) निविदा का कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 7,72,39,33,828/-, बयाना राशि (रू.): ₹ 15,44,78,7000/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: 0.00/-, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 900 (दिन) 2.5 वर्ष।
नोट: • बिड प्रारम्भ करने की तिथि: दिनांक 18-11-2026, • उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि: दिनांक 02-12-2026, 15:00 बजे तक। • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 02-12-2026, 15:00 बजे। • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट *https://ireps.gov.in* पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखो में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।
उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/पुल, गोरखपुर
मुजाधि/डब्लू-365
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं:-
क्रम सं.-1, कार्य का नाम: ईएलएस/सैदपुर भितरी-निरीक्षण बे में बदलाव और रखरखाव पिट्स का निर्माण, लैब बिल्डिंग, व्हील पार्किंग शेड तथा अन्य सुविधाओं का निर्माण। ई-निविदा सूचना सं.: एनईआर-बीएसबी-2026-143, अनुमानित लागत(₹): ₹ 15,25,48,078/-, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (₹): ₹ 30,51,000/-,निविदा बन्द होने की तिथि: 28-10-2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह।
• निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2026-143 दिनांक 28-10-2026 को 11:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखे। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एव अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी.), वाराणसी
मुजाधि/डब्लू-366
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा स0- GSU-ST-SKB-7-2026 दिनांक: 29.09.2026
ई-निविदा सूचना
डिप्टी सीएसटीई गति शक्ति यूनिट (सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन) के द्वारा, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फॉर्म पर खुली ई-निविदा, वर्णित खुलने की तिथि को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है-

क्र. स.1	निविदा संख्या: 7	काम की अनुमानित लागत: ₹ 29279762.94
कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के शिकोहाबाद स्टेशन पर विद्यमान माल लाइन (GT-2) को पूर्ण लंबाई तक बढ़ाने के संबंध में मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) तथा उससे संबंधित सिग्नल एवं दूरसंचार (S&T) कार्यों में संशोधन/परिवर्तन।		
अग्रिम राशि: ₹585600.00		निविदा प्रपत्र की लागत: 0.00
समापन अवधि: 12 Month		निविदा खुलने की तिथि: 23.10.2026

2. निविदा प्रपत्र की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। **3. निविदा खुलने का समय तथा स्थान:** निविदा ई-निविदा के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में 12.30 बजे या उसके बाद खोली जाएगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होता है, तो निविदाएं अगले कार्य दिवस को खोली जाएगी। 2238/26(AK)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
पत्र संख्या :- 146-मेड/सैन/परीक्षण/जल एवं खाद्य/प्रयागराज/2026 दिनांक : 30.09.2026
अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI)
मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/प्रयागराज/उत्तर मध्य रेलवे के अधीन **जल नमूनों के रासायनिक परीक्षण, जल नमूनों के जीवाणु विज्ञानी (Bacteriological) परीक्षण तथा खाद्य नमूनों** के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण हेतु अधिकृत/इच्छुक प्रयोगशालाओं/एजेंसियों से दरें प्रस्तुत करने हेतु यह सूचना जारी की जाती है।
इच्छुक एजेंसी द्वारा प्रत्येक प्रकार के परीक्षण हेतु प्रति नमूना (Per Sample) दर प्रस्तुत की जाएगी। प्रस्तुत दर में नमूने से संबंधित सभी व्यय एवं कर सम्मिलित होने चाहिए। विशेष रूप से प्रस्तुत दर में निम्नलिखित सभी खर्च सम्मिलित माने जाएंगे:
1. प्रयागराज से नमूना उठाने/संग्रह करने एवं परीक्षण हेतु प्रयोगशाला तक ले जाने का समस्त व्यय।
2. नमूना संग्रहण एवं परिवहन हेतु आवश्यक कंटेनर/बोतल आदि उपलब्ध कराने का व्यय।
3. संबंधित नमूने के परीक्षण हेतु आवश्यक सभी प्रकार के परीक्षण शुल्क, रसायन, अभिकर्मक, उपकरण एवं अन्य संबंधित व्यय।
4. परीक्षण रिपोर्ट तैयार करने एवं उपलब्ध कराने से संबंधित समस्त व्यय।
5. लागू सभी प्रकार के **कर, शुल्क एवं अन्य वैधानिक देयताएँ।**
अतः एजेंसी द्वारा प्रस्तुत **प्रति नमूना दर उपर्युक्त सभी व्ययों को सम्मिलित करते हुए पूर्ण एवं अंतिम दर** होगी तथा इसके अतिरिक्त किसी पृथक मद के लिए अतिरिक्त भुगतान देय नहीं होगा।
रेट प्रस्तुत करने हेतु प्रारूप नीचे संलग्न है:-

SI NO.	NAME OF TESTS	RATES PER SAMPLE ALL TYPES OF EXPENDITURE INCLUDING IN RUPEES
01	जल नमूने का रासायनिक परीक्षण (Chemical Test of Water Sample (80 Parameters)	
02	जल नमूने का जीवाणु संबंधी (बैक्टीरियोलॉजी) परीक्षण (Bacteriology Test of Water Sample)	
03	खाद्य नमूने का गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण (Quality Control Test of Food Sample)	

उपरोक्त कार्य संलग्न नियम एवं शर्तों के अनुसार संपादित किया जाएगा। परीक्षण से संबंधित आवश्यक समस्त जानकारी एवं तकनीकी विवरण इस सूचना के साथ संलग्न किए गए हैं।
विवरण की विस्तृत परीक्षण सूची पत्र के साथ संलग्न है, अधिक जानकारी के लिए NCR Medical की Website पर या https://ncr.indianrailways.gov.in/view_section.jsp?lang=0&id=0,1,283,370,1848,2049 या कार्यालय Sr. DMO/H/PRYJ, Central Hospital/NCR/PRYJ या मो. न.- 8957410794 पर संपर्क करें। (NCR website>Department>Medical>Central Hospital Prayagraj>Rate Quotation)
इच्छुक एजेंसी द्वारा अपनी दरें प्रस्तुत करते समय निम्नलिखित पता अंकित किया जाए:
वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी/स्वास्थ्य/प्रयागराज
सेंट्रल हॉस्पिटल, प्रयागराज-211001
नोट :- यह सूचना किसी प्रकार की निविदा अथवा कार्यादेश जारी करने हेतु नहीं है। इसका उद्देश्य केवल प्रस्तावित कार्य की **अनुमानित लागत के आकलन हेतु बाजार दर/रेट प्राप्त करना है।** रेट प्रस्तुत करने से किसी भी एजेंसी को कार्य प्राप्त करने का कोई अधिकार अथवा आश्वासन प्राप्त नहीं होगा। **रेट प्रस्तुत करने के संबंध में किसी भी प्रकार का भुगतान अथवा प्रतिपूर्ति देय नहीं होगी।**
2249/26 (C) **वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी/स्वास्थ्य/प्रयागराज**
@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

आधार हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड
Aadhar Housing Finance Ltd
कार्पोरेट कार्यालय: ऑफिस नं. 501 एवं 503, पांचवी मंजिल, लाईटब्रिज, साकी विहार रोड़, अंधेरी पूर्व, मुम्बई सबअर्बन (जिला) महाराष्ट्र 400072
जौनपुर शाखा: प्रथम मंजिल, मकान नंबर 478, प्लॉट 87/1 एवं 87/2, ग्राम सराय काजी कदन, सिविल कोर्ट रोड, एक्सिस बैंक के पास, हुसेनाबाद मियांपुर परगना हवेली, तहसील सदर, जिला जौनपुर, उत्तर प्रदेश-222002
प्राधिकृत अधिकारी - प्रवेश कुमार, मोबाइल नंबर 9760090694
निजी संधि के माध्यम से सरफेसी अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत संपत्ति की बिक्री के हेतु सूचना
चूँकि **आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (AHFL)** के प्राधिकृत अधिकारी ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(4) के तहत सुरक्षित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। और चूँकि प्राधिकृत अधिकारी ने पहले ई-नीलामी नोटिस जारी किए थे लेकिन कोई सफल बोलीकर्ता को आकर्षित नहीं कर सका, और अब उसने नीचे दी गई सुरक्षित संपत्ति को निजी समझौते के माध्यम से विक्रय करने का फैसला किया है। प्राधिकृत अधिकारी को इस संबंध में कुछ इच्छुक व्यक्तियों से सुरक्षित संपत्ति की खरीद के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। प्राधिकृत अधिकारी एतद् द्वारा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 एवं 9 के संदर्भ में उपरोक्त संपत्ति की निजी समझौते के माध्यम से बिक्री के लिए आम तौर पर उधारकर्ताओं को यह नोटिस दे रहा है। खाते का विवरण इस प्रकार है:

क्रं.	लोन कोड नं. /शाखा	ऋणी/सह-ऋणी का नाम	मांग सूचना दिनांक एवं राशि	आरक्षित मूल्य (RP)	कुल बकाया ऋण राशि 25-09-2026 तक	सुरक्षित संपत्ति का विवरण
4.	(लोन कोड नं. 16310000284 / जौनपुर शाखा)	एस के मोहम्मद असलम (ऋणी) राफिका बेगम (सह-ऋणी) एस के समद उल्लाह (जमानतदार)	10-12-2025 & ₹ 10,19,578/-	₹ 8,50,000/-	₹ 11,45,421/-	संपत्ति का समस्त शेष एवं सम्पूर्ण भाग, अरजी नंबर 183/0.065 हेक्टेयर, 189/0.093 हेक्टेयर कुल 02 प्लॉट, क्षेत्रफल 0.158 हेक्टेयर जिसमें 13 फीट X 25 फीट यानी कुल 325 वर्ग फीट या 30.21 वर्ग मीटर, ग्राम/मोहल्ला-मुफ्ती, परगना-हवेली स्थित, तहसील सदर, जिला जौनपुर (उ.प्र.). **चर्तुसीमाएँ:-** पूर्व - प्रस्तावित कच्चा रास्ता, पश्चिम - एल/ओ अज्जन आदि, उत्तर - टिनशेड गोमती देवी, दक्षिण - एल/ओ अफसाना

यह सरफेसी अधिनियम, 2002 के तहत 15 दिन का बिक्री नोटिस जो उधारकर्ता, सह-उधारकर्ता एवं जमानतदार को दिया जाता है कि उपरोक्त वर्णित अचल संपत्ति, जो सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है और जिसका **सांकेतिक कब्जा** प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, उसे 'जैसा है जहाँ है', 'जैसी है वैसी है', और 'जो भी है' के आधार पर निजी समझौते के माध्यम से बेचा जाएगा, ताकि आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड को देय राशि की वसूली की जा सके। यदि उधारकर्ता(ओं), सह-उधारकर्ता(ओं) के पास कोई ऐसा खरीदार है जो दी गई आरक्षित मूल्य से अधिक कीमत पर सुरक्षित संपत्ति खरीदने के लिए तैयार है, तो उधारकर्ता(ओं), सह-उधारकर्ता(ओं) को **22-10-2026** से एक दिन पहले AHFL को सूचित करना होगा, जिसके बाद AHFL उस खरीदार को वरीयता देगा। यदि उधारकर्ता(ओं), सह-उधारकर्ता(ओं) **22-10-2026** से एक दिन पहले सूचित करने में विफल रहते हैं, तो AHFL उपर दिए गए आरक्षित मूल्य पर संपत्ति की बिक्री के लिए आगे बढ़ेगा। यह संपत्ति AHFL को ज्ञात या अज्ञात, सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेची जा रही है। प्राधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार किसी भी तीसरे पक्ष के दावों/अधिकारों/बकाए के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। क्रेता को अपनी संतुष्टि के लिए संपत्ति (निजी समझौते के माध्यम से बिक्री के तहत) से संबंधित सभी पहलुओं पर उचित जांच पड़ताल करनी चाहिए। क्रेता बाद की तारीख में इस संबंध में प्राधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार के खिलाफ कोई दावा करने का हकदार नहीं होगा। **विक्रय की दिनांक 22-10-2026 तय की गई है।** यह समाचार पत्र एवं इसमें निहित जानकारी सामान्य जन-प्रसार के लिए है। इस विज्ञापन के किसी भी हिस्से या पूरे भाग को किसी भी रूप या माध्यम से-चाहे वह प्रिंट, डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन, ई-मेल, वेब प्रकाशन हो या कोई अन्य तरीका-पुनः प्रस्तुत करना, वितरित करना, प्रसारित करना या फिर से प्रकाशित करना पूरी तरह से वर्जित है। किसी भी माध्यम से इस सामग्री का कोई भी अनधिकृत उपयोग किए जाने पर AHFL द्वारा उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।
स्थान : उत्तर प्रदेश, दिनांक : 02-10-2026 **सही/- प्राधिकृत अधिकारी, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**

शेष

ईसीके...

गया है। दूसरे दिन जिला मार्च की तैयारियों और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए ब्लॉक स्तर पर संयुक्त बैठकें आयोजित की जाएंगी. तीसरे दिन इंडिया ब्लॉक के दलों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर जिला स्तरीय मार्च निकाला जाएगा, जो बी.आर. आंबेडकर प्रतिमा, महात्मा गांधी प्रतिमा या जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय तक जाएगा.

परचून...

घर पर मौजूद नहीं थे। गांव के प्रशासक अनुज सिंह ने उन्हें खेत से बुलाया। प्रशासक ने कार्रवाई का कारण पूछा, लेकिन टीम ने जानकारी देने से मना कर दिया। ईडी टीम ने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पोशाकीलाल के खाते में करीब एक अरब रुपये की रकम डाली और निकाली गई। पोशाकीलाल ने दावा किया है कि उन्होंने एसबीआई की उस शाखा में कभी खाता खुलवाया ही नहीं, जहां यह लेनदेन हुआ।

यूपीएससी...

भूमिका निभाएंगे।केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में यूपीएससी के माध्यम से करीब 65 हजार नियुक्तियां हुईं, जबकि पिछली सरकार के 10 वर्षों में यह संख्या करीब 45 हजार थी। यूपीएससी अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि सिविल सेवा परीक्षा में सफल उम्मीदवारों में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत है। आयोग ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से डुप्लीकेट आवेदन की पहचान, दस्तावेजों की रियल टाइम ओसीआर जांच और परीक्षा केंद्रों पर फेस ऑथेंटिकेशन जैसी तकनीकों को अपनाया है।

राहुलने...

मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि वह अपनी जिम्मेदारी पूरी करे। आदिवासी परिवारों को उनका वन अधिकार पट्टा मिलना चाहिए। मनरेगा के तहत उन्हें रोजगार और बच्चों को शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। सरकार कहती है कि 24 घंटे विकास हो रहा है, लेकिन 24 घंटे भ्रष्टाचार हो रहा है। लेकिन जब हमारे आदिवासी भाइयों को मदद की जरूरत है, तब उन्हें उनका हक नहीं मिल रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि एक और बात है। अगर किसी महिला को एक सरकारी योजना के तहत आर्थिक सहायता मिलती है, तो लाड़ली बहना योजना का पैसा काट लिया जाता है। अगर सरकार दो योजनाएं चला रही है, तो लोगों को दोनों योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। हमारी सरकार आने पर आदिवासी समुदाय की हरसंभव मदद की जाएगी। वन अधिकार कानून के तहत उन्हें उनका अधिकार दिलाया जाएगा और शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हम उन्हें वनवासी नहीं, बल्कि आदिवासी कहते हैं। वे इस देश के मूल निवासी हैं।

कानूनकी...

नागरिकों से अलग सुविधा नहीं दी जा सकती। जस्टिस बागची की पीठ ने कहा कि किसी मामले की शीघ्र सुनवाई का निर्देश देने से उन असंख्य याचिकाकर्ताओं के साथ अन्याय होगा, जो अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। पीठ ने कहा, चाहे कोई बस का चपरासी हो या राज्य का प्रमुख सचिव, सभी को न्याय तक समान पहुंच का अधिकार है। अदालत ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट को प्राथमिकता से सुनवाई का निर्देश केवल गंभीर चूक, अनुचित कार्रवाई या असाधारण परिस्थितियों में ही दिया जा सकता है।

शिक्षामित्रों...

कर लिया था। मामला वसीम अहमद एवं 220 अन्य बनाम राज्य सरकार से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता जैन अब्बास ने शिक्षामित्रों का पक्ष रखा था। शिक्षामित्रों के अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष कहा कि परिषदीय विद्यालयों में शिक्षामित्र लंबे समय से शिक्षण कार्य कर रहे हैं और बड़ी संख्या में शिक्षामित्रों का करीब 26 वर्षों से बतौर शिक्षक शिक्षण कार्य के साथ साथ निर्वाचन कार्य, चुनाव ड्यूटी, एसआईआर, जनगणना, मतगणना, बालगड़ना, विद्यालय संचालन प्रभार, सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में कक्ष निरिक्षक ड्यूटी, गुणवत्ता संवर्धन हेतु विभाग द्वारा कराए जाने वाले समस्त प्रशिक्षण अध्यापक के समान अनुभव है। विशेष टीईटी में आवेदन के अवसर को लेकर शिक्षामित्रों के साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है, जबकि अन्य श्रेणियों में कार्यरत शिक्षकों एवं विशेष शिक्षकों को परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया है।

ब्रह्मोस...

का हो सकता है। इन सौदों के साथ ब्रह्मोस का कुल निर्यात 600 मिलियन डॉलर से ज्यादा पहुंचने की उम्मीद है। रक्षा सचिव ने इसे भारत की उभरती रक्षा निर्यात क्षमता के लिए एक महत्वपूर्ण उदाहरण बताया।भारत की ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली दक्षिण-पूर्व एशिया के तीन देशों तक पहुंच रही है। इनमें फिलीपींस के साथ इंडोनेशिया और वियतनाम शामिल हैं। रक्षा सचिव के मुताबिक, फिलीपींस को करीब 330 मिलियन डॉलर की प्रणाली दी जा चुकी है, जबकि इंडोनेशिया और वियतनाम के लिए करीब 200 मिलियन डॉलर और 100 मिलियन डॉलर के शुरुआती निर्यात का अनुमान है। इस तरह ब्रह्मोस भारत की रक्षा निर्माण क्षमता को विदेशी बाजारों में पहुंचाने वाली प्रमुख प्रणालियों में शामिल हो गई है। ब्रह्मोस मिसाइल में पारंपरिक वारहेड के साथ आधुनिक गाइडेड प्रणाली है। यह लंबी दूरी तक सुपरसोनिक गति से लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम है। इसकी तेज रफ्तार, सटीकता और मारक क्षमता इसे एक उच्च क्षमता वाली मिसाइल प्रणाली बनाती है।

शाहजहांपुर...

पूछताछ कर रही है। घरवालों का आरोप है कि मंदिर पर कब्जा करने के लिए उनकी हत्या कर दी गई है। मामले की गहनता से छानबीन कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक शाहजहांपुर जिले के खुदागंज थाना क्षेत्र सूथा से कुछ दूरी पर भोले बाबा मंदिर है जहां पर गांव के ही रहने वाले बाबा बिहारी दास अपने चेला गोपाल दास के साथ मंदिर पर झोपड़ी डालकर रहते थे, और पूजा अर्चना का काम करते थे। बताया जा रहा है कि इसी गांव के ही रहने वाले शिवकुमार सिंह की ओर से थाने में दी गई तहरीर के अनुसार बाबा बिहारी दास और गोपाल दास की झोपड़ी से जब धुआं उठता हुआ देखा, तो ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तो देखा की झोपड़ी बुरी तरह जल रही है, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई.स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक दोनों की जलकर मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि गांव का ही रहने वाला सुमित सिंह जिसने झोपड़ी में आग लगाकर दोनों साधुओं को जिंदा जलाकर मार डाला है।

यूपीमें पीडियाट्रिक...

इमरजेंसी सेवाओं, एंबुलेंस, विशेषज्ञ चिकित्सकों और रेफरल सिस्टम को एक साझा नेटवर्क में जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। इस व्यवस्था से हर साल करीब 1,800 जानें बचाने का लक्ष्य रखा गया है। योगी सरकार ने बाल ट्रॉमा को यूनिफाइड इमरजेंसी केयर आर्किटेक्चर विकसित करने की योजना बनायी है। इसका आधार गंभीर रूप से घायल बच्चे को दुर्घटना स्थल से लेकर प्राथमिक उपचार, ट्रॉमा सेंटर, विशेषज्ञ उपचार और आगे की देखभाल तक हर स्तर पर समयबद्ध और समन्वित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

२०१७..से

को साकार किया जा सकता है। यूपी पुलिस की थीम 'आपकी सुरक्षा, हमारा संकल्प' इसी भावना को व्यक्त करती है। जब तराई क्षेत्र आतंकवाद की चपेट में था, तब पुलिस व सेना की सुरक्षा में ही आवागमन संभव था। सूर्यास्त के बाद आवाजाही लगभग बंद हो जाती थी। उस समय डीजीपी के रूप में प्रकाश सिंह ने इन चुनौतियों का सामना किया। पुलिस सुधारों के लिए प्रकाश सिंह को सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी पड़ी थी। उत्तर प्रदेश ने पुलिस सुधारों को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैचारिकी केवल शब्द या आलेख नहीं होती, बल्कि वह व्यावहारिक जीवन की चुनौतियों को भी समाहित करती है। प्रकाश सिंह ने अपने सेवाकाल में पग-पग पर इन चुनौतियों का सामना किया और अपनी पूरी सेवा को कुशलतापूर्वक पूरा किया। लंबे समय तक विभिन्न संस्थानों में व्याख्यानों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करने वाली उनकी वैचारिकी अब पुस्तक के रूप में सामने आई है। आचार और विचार में जब समन्वय होता है और दोनों एक ही दिशा में आगे बढ़ते हैं, तभी परिणाम सामने आता है। मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय 'यूपी वाला' कहकर लोगों को बाहर कर दिया जाता था। पुलिस के सामने भी बड़ी चुनौतियां थीं। राजनीतिक नेतृत्व में स्वयं निर्णय लेने की सामर्थ्य नहीं हो तो कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करना कठिन होता है।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026

मेष-	भाग्योदय, व्यापारिक विस्तार, विवाद का समापन, कठिनाइयों में कमी, यात्रा संतोषजनक।
वृषभ-	मन प्रसन्न, सम्बन्ध सुधार, दाम्पत्य जीवन मधुर, सुख शांति, मंगल आयोजन।
मिथुन-	आज दिन 3/41 बजे तक जोखिम से हानि, शेष समय अनुकूल, कार्यों में प्रगति।
कर्क-	आज दिन 3/41 बजे तक लाभ, यात्रा सुखद, शेष समय निराशाजनक, प्रगति में बाधा।
सिंह-	योजना पूर्ति, दायित्व निर्वाह, धन का प्रतिफल, अनुकूल घटनाएँ, यात्रा का सुयोग।
कन्या-	सुख के साधन सुलभ, उत्तरदायित्व की पूर्ति, अधिकारियों से सहयोग, लाभ भी।
तुला-	आज दिन 3/41 बजे तक जोखिम से हानि, योजना में बाधा, शेष समय में सफलता।
वृश्चिक-	आज दिन 3/41 बजे तक आरोग्य सुख, मित्रों से सहयोग, शेष समय कष्टकर, धनहानि।
धनु-	निराशा खत्म, व्यवसाय विस्तार, योजना फलीभूत, आकस्मिक लाभ, सद्विचार।
मकर-	निर्णय लाभप्रद, कठिनाइयों में कमी, शिक्षा में उपलब्धि, सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न।
कुम्भ-	आज दिन 3/41 बजे तक समस्या प्रभावी, शेष समय संतोषजनक, धर्म में आस्था।
मीन-	आज दिन 3/41 बजे तक धन प्राप्ति, दाम्पत्य सुख, शेष समय निराशाजनक, धनहानि।

आज है जिनका जन्मदिन 2 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 2 का स्वामी ग्रह चंद्रमा एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र हैं। स्वभाव मृदु व दयालु होगा। किसी भी बात को बढ़ा-चढ़ा कर करने में सक्षम होंगे। अतीन्द्रिय ज्ञान की में अद्भुत क्षमता होगी। अपनी जिम्मेदारियों को पूर्णरूप से निभाने में सक्षम होंगे। भावनात्मक प्रवृत्ति का होने का कारण आपके भावनाओं को बहुत जल्दी ठेस लगेगी। किसी भी कार्य को ज्यादा देर तक नहीं कर पायेंगे। स्पष्टवादी प्रवृत्ति के होंगे। यही स्पष्टवादिता कभी-कभी आपके लिए घातक भी हो सकती है। प्रमुख सिद्धान्त सादा जीवन उच्च विचार होगा दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा। जनसम्पर्क का लाभ मिल सकेगा। चन्द्रमात्व की प्रधानता के कारण में स्त्रीत्व गुण की भरमार रहेगी। कला-सौन्दर्य में अधिक रूचि रखेंगे। आपके जीवन में एकाग्रता का अभाव रहेगा। नियमित रूप से इष्ट देवी-देवता की पूजा एवं अर्चना करें। तन-मन-कर्म-वचन से शुचिता का धर्म अपनाएँ। दैनिक जीवन में सफेद रंग का प्रयोग अधिकतम करें। सोमवार के दिन सफेद रंग की वस्तुओं का दान भी करें। सदाचार का पालन करें। सुख-सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ सों सोमाय नमः	मास	: अक्टूबर, अक्टूबर एवं नवम्बर		
व्रत	: सोमवार	वर्ष	: 2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65		
दिन	: सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	: सफेद एवं क्रीम		
दिनांक	: 2, 11, 20, 29	जन्मरत्न	: मोती	उपरत्न	: मून स्टोन
अंक	: 1, 4, 7	जड़ी	: अनार की जड़	दिशा	: नैर्ऋत्य

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—20 4443433 4ल से 20 अक्टूबर

यन्त्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

सुडोकू ४०७१

			1					
9								3
			6	8				
	2	1						4
		5			9	2		
	8							
						5	8	
3					7			
							1	

2	5	4	9	1	8	7	3	6
9	7	3	5	6	2	4	8	1
6	8	1	3	7	4	2	5	9
8	1	2	6	4	7	3	9	5
7	3	5	8	2	9	1	6	4
4	9	6	1	5	3	8	7	2
1	2	8	7	9	5	6	4	3
3	4	9	2	8	6	5	1	7
5	6	7	4	3	1	9	2	8

हल ४०७०

चांदी ले आयी फ्रांसिस, प्रिंस की नौका

नौकायन : पुरुषों के स्किफ स्पर्धा में जीता रजत, हर्षिता तोमर-शीतल वर्मा को कांस्य

नागोया (एजेन्सियां)। एशियन गेम्स में भारत ने सेलिंग में अपना पहला पदक जीता। गुरुवार को पुरुषों के स्किफ इवेंट में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने रजत पदक हासिल किया। नौ रेस के बाद वे चीन की जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। भारतीय जोड़ी ने २३ अंक के साथ रेगाटा (सेलिंग प्रतियोगिता) खत्म किया। चीन की जोड़ी चेन जाइडिंग और लियू तियान ने १६ अंक के साथ स्वर्ण अपने नाम किया। हांगकांग, चीन के अकीरा ल्यूक सकाई और रसेल आयल्सवर्थ २४ अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फ्रांसिस और नोबल का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा। उनका सबसे अच्छा नतीजा तीसरी रेस में आया जिसे उन्होंने जीता। भारतीय सेलर्स ने रेस तीन जीती और रेस १, ५ और ९ में दूसरे स्थान पर रहे। नौ रेस में उन्होंने कुल २९ अंक हासिल किये। रेस आठ में छठे स्थान पर रहने के नतीजे को हटाकर उनका नेट स्कोर २३ रहा। यह

पदक पुरुषों के स्किफ इवेंट में भारत का पहला एशियन गेम्स रजत पदक और इस इवेंट में देश का दूसरा पदक था। वरुण ठक्कर और केसी गणपति ने जकार्ता २०१८ में कांस्य जीता था। मनु और प्रिंस का रजत एशियन गेम्स में भारत का २४वां सेलिंग पदक भी था। हांगझोउ २०२३ में भारत ने तीन पदक जीते थे। ज्यादातर खेलों के विपरीत, सेलिंग में कम अंक वाला स्कोरिंग सिस्टम होता है। इसमें रेस जीतने वाली बोट को एक अंक, दूसरे स्थान पर रहने वाली बोट को दो अंक मिलते हैं और इसी तरह आगे भी। सबसे कम कुल स्कोर वाला विजेता बनता है और तय संख्या में रेस होने के बाद सबसे खराब नतीजे को हटा दिया जाता है। हालांकि चीन ने स्टैंडिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त बनाये रखी और नौ में से चार रेस जीतीं। वहीं हर्षिता तोमर और शीतल वर्मा ने महिला स्किफ ओपनिंग सीरीज में कांस्य पदक जीत लिया। नौ रेस के बाद भारतीय जोड़ी २४ नेट प्वाइंट के साथ तीसरे स्थान पर रही। भारतीय जोड़ी ने नौवीं और आखिरी रेस में चौथा स्थान हासिल किया लेकिन पूरे चरण में शानदार प्रदर्शन के दम पर पोडियम पर जगह बनायी। रजत पदक ३१ साल के फ्रांसिस और ३० साल के नोबल के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। दोनों बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। कोच्चि के रहने वाले इन सेलर्स की इस खेल में शुरुआती दौर में ही दिलचस्पी जग गयी थी और बाद में उन्होंने भोपाल के नेशनल सेलिंग स्कूल और केरल के मुजिरिस याटिंग क्लब में ट्रेनिंग ली। एशियाई खेलों में मिला यह पदक उनकी पिछली कामयाबियों में एक और उपलब्धि है। इससे पहले वे एशियाई सेलिंग चैम्पियनशिप में कांस्य जीत चुके हैं। स्किफ हल्की और छोटी सेलिंग बोट होती है जिसे चलाने के लिए क्रू मेंबर्स के बीच बहुत अच्छे तालमेल की जरूरत होती है। इनमें रेस के नतीजे अक्सर रणनीतिक फैसलों, सही पोजिशनिंग और कई राउंड में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने से तय होते हैं। मनु फ्रांसिस और प्रिंस नोबल कुरिसिंकल के लिए सेलिंग का सफर किसी चमक-दमक के बीच शुरू नहीं हुआ था। इसकी शुरुआत कोच्चि के चेराई बीच पर एक जुगाड़ से तैयार की गई नाव से हुई थी। आज यही दोनों खिलाड़ी नागोया की लहरों से जूझते हुए पुरुषों की स्किफ रेस में भारत के लिए सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। इस पदक के साथ एशियन गेम्स २०२६ सेलिंग में भारत का खाता भी खुल गया।

हाकी : महिलाओं के सामने होगी चीन की चुनौती

काकामिगाहारा (एजेन्सियां)। फार्म में चल रही भारतीय टीम एशियाई खेलोंके महिला हॉकी फाइनलमें गत चैम्पियन चीन के विरुद्ध शुक्रवार को उतरेगी तो नजरें ४४ साल बाद स्वर्ण पदक जीतकर लास एंजिलिस ओलम्पिक २०२८ के लिए क्वालीफाई करके पुराने कई मलाल मिटानेपर होंगी। टोक्यो ओलम्पिक २०२० में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने के बाद पेरिस ओलम्पिक २०२४ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी भारतीय टीम के लिये सबसे बड़ी प्रेरणा लास एंजिलिस का सीधा टिकट कटाना है। मौजूदा फार्म और विश्वकप में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को देखते हुए यह संभव भी लग रहा है बस अपेक्षाओं के दबाव से पार पाना होगा। भारत ने एशियाई खेलों में एकमात्र स्वर्ण १९८२ में दिल्ली में जीता था जब महिला हाकी को पहली बार इन खेलों में शामिल किया गया था। उसके बाद से भारत १९९८ और २०१८ में फाइनलमें पहुंचा लेकिन क्रमशः दक्षिण कोरिया और जापान से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अब युवा खिलाड़ियों से सजी कोच शोर्ड मारिन की यह टीम लंबे इंतजार को खत्म करने और दमदार प्रतिद्वंद्वी को शिकस्त देने का माद्दा रखती है।

नितेश खत्म नहीं कर सके स्वर्ण का सूखा

कुश्ती : रजत से करना पड़ा संतोष, मानसी कांस्य से चूकी

नागोया (एजेन्सियां)। नितेश सिवाच को जापान के यूरी नाकाजातो से ०-४ हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा जिससे भारत का एशियन गेम्स में ग्रीको रोमन शैली के चैम्पियन को देखने का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार भी बढ़ गया। नितेश ने ९७ किलोग्राम भार वर्ग के इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाने की कोशिश की लेकिन जापान के पहलवान ने उनकी एक नहीं चलने दी। भारत की तरफ से ग्रीको रोमन शैली में एशियाई खेलों में आखिरी बार स्वर्ण पदक १९६२ में मालवा सिंह (५२ किलोग्राम) और गणपत अंडालकर (९७ किलोग्राम से अधिक) ने जीते थे। जापान के पहलवान ने नितेश को आगे धकेलकर स्कोरिंग की शुरुआत की। नितेश को निष्क्रियता के कारण ग्राउंड पोजीशन में आना पड़ा लेकिन उन्होंने शानदार बचाव किया और नाकाजातो को अंक हासिल करने का मौका नहीं दिया। नाकाजातो ने पहले पीरियड के अंत तक २-० की बढ़त बना ली थी और अंत तक नितेश को 'हेड लाक' पोजीशन में जकड़े रखा। स्थानीय खिलाड़ी ने इसके बाद नितेश का संतुलन बिगाड़ दिया और इस दांव को सफलतापूर्वक 'टेक डाउन' में बदलकर ४-० की बढ़त हासिल कर ली। जब एक मिनट का समय बचा था तब भारतीय पहलवान को आक्रामक होने की जरूरत थी लेकिन जापान के पहलवान ने ऐसा नहीं होने दिया। वहीं महिला पहलवान मानसी को ६२ किग्रा भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मानसी को मंगोलिया की अल्तजिन तोगतोख ने ५-२ से हराया और कांस्य पदक अपने नाम किया। अल्तजिन ने शुरुआत में २-० की बढ़त बनायी थी लेकिन मानसी ने वापसी करते हुए स्कोर २-२ कर दिया था। इसके बाद मंगोलियाई पहलवान ने जोरदार वापसी की और मैच अपने नाम कर लिया।

गणेश मणि को कांस्य चिकिता का सफर खत्म

तीरंदाजी

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय कंपाउंड तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने गुरुवार को एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। बुधवार को स्वर्ण पदक जीतने वाली पुरुष टीम का हिस्सा रहे गणेश ने स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर होने के बाद कांस्य पदक के मुकाबले में वियतनाम के कोंग डुक डांग को १४९-१४४ से हराया। भारत के २० वर्षीय तीरंदाज ने कांस्य पदक के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए १५ में से १४ तीर १० अंक पर लगाये। गणेश को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के किम जोंगहो के खिलाफ १४४-१४८ से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। भारतीय तीरंदाज मुकाबले में पिछड़ता रहा और अंततः २९-३०, २९-३०, २९-२८, २९-३०, २८-३० से हार गया। गणेश ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चीह लुन चेन को १४८-१३८ से हराया था। गणेश ने सभी पांच सीरीज में जीत दर्ज की। उन्होंने शुरुआती दो सीरीज में केवल दो बार नौ अंक का निशाना लगाया जिसके बाद लगातार १० अंक के निशाने साधे। वहीं, चिकिथा तनीपार्थी हालांकि कंपाउंड वर्ग में पदक की हैटट्रिक बनाने से चूक गयीं। उन्होंने बुधवार को महिला टीम और मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते थे। हालांकि अंतिम आठ के मुकाबले में उन्हें इंडोनेशिया की नुरिसा दियान अशरीफाह के हाथों १४३-१४४ (२९-३०, २९-३०, २९-२९, २९-२६, २७-२७) से हार का सामना करना पड़ा। चिकिथा क्वार्टर फाइनल में लय हासिल नहीं कर सकीं और पांच चरण में से केवल एक चरण ही जीत पायीं। पांचवें चरण के पहले शाट में आठ अंक हासिल करने का चिकिता को खामियाजा भुगतना पड़ा और अंततः उन्होंने एक अंक के अंतर से मुकाबला गंवा दिया। भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन टीम इवेंट में तीन स्वर्ण और व्यक्तिगत इवेंट में एक कांस्य पदक के साथ किया। आइची-नागोया में व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा की दोनों कैटेगरी में भारत हांगझोऊ २०२३ में जीते गये अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में नाकाम रहा। पिछले एशियन गेम्स में भारतीय कंपाउंड तीरंदाज ने सभी पांच स्वर्ण जीते थे।

भारत ने सेपकटकरा में पक्का किया पदक

नागोया (एजेन्सियां)। भारत ने एशियन गेम्स के पुरुष क्वाड्रेंट सेपकटकरा स्पर्धा में पदक पक्का कर लिया है। भारत ने आखिरी ग्रुप मैच में म्यांमारको २-१ से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। टीम इंडिया ने ग्रुप के तीनों मैच जीते और अजेय रहते हुए ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस जीत के साथ भारत अब सेमीफाइनल में खेलेगा। भारत को उम्मीद के विपरीत म्यमार से कड़ी टक्कर मिली। भारतीय खिलाड़ियों ने पदक की उम्मीद सजोए हुए म्यमार के खिलाफ अपनी पूरी ताकत झोक दी। इधर म्यमार के खिलाड़ियों ने भी हिम्मत नहीं हारी और जोरदार टक्कर दी लेकिन भारत जीतने में सफल रहा।

महिला टीम को कांसे से करना पड़ा संतोष

स्क्वैश : पुरुष टीम सेमीफाइनलमें

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय महिला स्क्वैश टीम को एशियन गेम्स में गुरुवार को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ १-२ से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुष टीम सेमीफाइनल में मलयेशिया का सामना करेगी। सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम ११-९ और दूसरा गेम ११-९ से अपने नाम किया। हालांकि इसके बाद चान सिन ने शानदार वापसी की और

उन्होंने अगले तीन गेम जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया। तीसरा गेम चान सिन ने ११-६ से जीता तो चौथे गेम को १३-११ और पांचवें गेम को १२-१० से जीता। इस जीत के साथ हांगकांग ने मैच में १-० की बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद तन्वी खन्ना ने भारतीय टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा। उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी ली का यी को बेहतरीन वापसी करते हुए हराया। पहले गेम में तन्वी को ४-११ से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद तन्वी ने वापसी की और अगले तीनों गेम जीतकर स्कोर को १-१ से बराबर कर दिया। तन्वी ने दूसरा गेम १३-११, तीसरा गेम ११-९, १३-११ से जीता। निर्णायक मुकाबले में जोशना चिनप्पा ने निराश किया और वह हो त्जे लोक के खिलाफ हार गयीं। हो त्जे ने पहला गेम ११-४ से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी हांगकांग की खिलाड़ी का दबदबा रहा और उन्होंने गेम को ११-७ से जीता। हो त्जे तीसरे गेम में भी हावी नजर आयीं और उन्होंने ११-९ से जीतकर हांगकांग को फाइनल का टिकट दिलाया।

गोल्फ : प्रणवी के सहारे बढ़ी भारत के दोहरे पदक की उम्मीद

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय गोल्फर प्रणवी शरत उर्स ने एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में सात अंडर ६३ का कार्ड खेला। कासुगाई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में प्रणवी ने बिना कोई बोगी किये सात बर्डी लगाईं और इस प्रदर्शन के दम पर महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में दूसरे स्थान पर पहुंच गयीं। उनके शानदार प्रदर्शन से भारत की महिला टीम भी पदक की दौड़ में आ गयी है। प्रणवी का दो दौर के बाद कुल स्कोर ११ अण्डर १२९ है और वह शीर्ष पर चल रहीं शैनन टैन से सिर्फ दो शाट पीछे हैं। टैन १३ अंडर के स्कोर के साथ पहले स्थान पर हैं। प्रणवी शुक्रवार को तीसरे दौर में फाइनल ग्रुप में उतरेंगी। प्रणवी ने दूसरे दौर की शुरुआत लगातार दो बर्डी के साथ की। शुरुआती छह होल में उन्होंने चार बर्डी लगायीं। इसके बाद १३वें से १६वें होल के बीच तीन और बर्डी हासिल कर उन्होंने अपना स्कोर सात अंडर तक पहुंचाया। उनकी सबसे खास बात यह रही कि पूरे दौर में उन्होंने एक भी बोगी नहीं की। अपने प्रदर्शन पर प्रणवी ने कहा कि टी से ग्रीन तक उनका खेल काफी मजबूत रहा और उन्होंने ज्यादा गलतियां नहीं कीं। उन्होंने बताया कि फेयरवे और ग्रीन पर लगातार पहुंचना उनकी रणनीति रही जिससे उन्हें एप्रोच शाट के लिए बेहतर स्थिति मिली। प्रणवी की शानदार ६३ का सीधा फायदा भारतीय महिला टीम को मिला। भारत सात अंडर २७३ के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। टीम स्पर्धा में हर दौर के दो सर्वश्रेष्ठ स्कोर गिने जाते हैं। प्रणवी के अलावा दीक्षा डागर दो राउंड के बाद संयुक्त रूप से २१वें और अदिति अशोक संयुक्त रूप से २५वें स्थान पर हैं। चीन और सिंगापुर भारत से आगे हैं। भारत शीर्ष पर मौजूद चीन से पांच शाट और दूसरे स्थान पर मौजूद सिंगापुर से चार शाट पीछे है। अभी ३६ होल का खेल बाकी है ऐसे में भारत के पास महिला व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाओं में पदक जीतने का मौका है। पुरुषों की स्पर्धा में भारत के सप्तक तलवार दूसरे दौर में दो अंडर ६८ का कार्ड खेलने के बावजूद तीसरे स्थान से खिसककर संयुक्तत सातवें स्थान पर पहुंच गए। उनका कुल स्कोर छह अंडर है। चीनी ताइपे के वांग वे शुआन और चीन के डिंग वेनयी नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। जापान के काजुकी हिगा और पूर्व हीरो इण्डियन ओपन चैम्पियन कीता नाकाजिमा आठ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। पुरुष टीम स्पर्धा में जापान २६४ के स्कोर के साथ शीर्ष पर है।

४९ सेकेण्ड पहले पलटी बाजी से भारत स्वर्ण के करीब

पुरुष हाकी पाकिस्तानको ४-३ से हराया

काकामिगाहारा (एजेन्सियां)। अभिषेक के कमाल से भारतीय पुरुष हाकी टीम ने गुरुवार को चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में ४-३ से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत लगातार दूसरी बार एशियाड के खिताबी मुकाबले में पहुंचा है। भारत की पुरुष और महिला स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंची हैं। भारत एक समय पाकिस्तान के खिलाफ ३-० से आगे चल रहा था लेकिन पाकिस्तान ने तीसरे क्वार्टर से वापसी की और स्कोर बराबर कर दिया। अभिषेक ने हालांकि मैच खत्म होने से ४९ सेकेंड पहले मैदानी गोल दागकर भारत को बढ़त दिलायी जो अंत में निर्णायक साबित हुई। मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाये। भारत ने पहले ही क्वार्टर से दबाव बनाना शुरू किया। हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी पर गोल कर भारत को १-० से आगे कर दिया है। इससे पहले भारत को चार बार गोल करने के मौके मिले थे लेकिन टीम इससे चूक रही थी। हालांकि हरमनप्रीत ने पांचवें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलने का मौका नहीं छोड़ा। इसके बाद दिलप्रीत ने भी गोल दागा लेकिन रेफरी ने इसे अमान्य करार दिया। हरमनप्रीत ने इसके बाद १३वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर एक और गोल दागा और भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में सुखजीत सिंह ने २३वें मिनट में मैदानी गोल दागकर स्कोर ३-० कर दिया। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक ३-१ की बढ़त बनाये रखी। भारत की ओर से हरमनप्रीत सिंह ने पहले क्वार्टर में दो गोल दागे जबकि सुखजीत सिंह ने दूसरे क्वार्टर में एक गोल किया। हालांकि, पाकिस्तान ने भी गोल का खाता खोला। दूसरा क्वार्टर का खेल समाप्त होने से पहले पाकिस्तान के अबु महमूद ने ३०वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल दागा। हाफ टाइम तक ज्यादातर समय गेंद भारत के पाले में रही। इस दौरान भारत को सात और पाकिस्तान को छह पेनल्टी कार्नर मिले। भारतीय टीम ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जबकि पाकिस्तान को एक बार सफलता मिली। हाफ टाइम तक पिछड़ने के बाद पाकिस्तान ने तीसरे क्वार्टर में वापसी की कोशिश की। पाकिस्तान के अहमद बट्ट को ३८वें मिनट में पीला कार्ड दिखाया गया। वहीं, भारत के दिलप्रीत सिंह को ४३वें मिनट में ग्रीन कार्ड दिया गया। तीसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की और हनन शाहिद ने ४५वें मिनट में मैदानी गोल दागा। तीसरे क्वार्टर में भारत एक भी गोल नहीं कर सका। इसके बाद चौथे क्वार्टर की शुरुआतमें वहीद राणा ने ४९वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। हाफ टाइम तक भारत ने बढ़त बनायी लेकिन पाकिस्तान ने तीसरे और चौथे क्वार्टर में एक-एक गोल कर मैच को रोमांचक बना दिया। चौथे क्वार्टर के अंतिम समय में भारतीय टीम दबाव में दिख रही थी। इस दौरान टीम का खेल औसत रहा और गोल करने के कई मौके गंवाये। भारत का भाग्य ने साथ दिया और ६०वें मिनट में अभिषेक ने मैदानी गोल किया जिससे भारत अपने पक्ष में नतीजा लाने में सफल रहा। भारत और पाकिस्तान का मैच हाकी के इतिहास की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में से एक है। एक समय इस मुकाबले से ही टूर्नामेंट की अहमियत तय होती थी लेकिन अब वह बात नहीं रही है। पिछले १० वर्षों में पाकिस्तान के खिलाफ भारत अजेय रहा है। २१ मैचोंमें से भारत ने १९ जीते हैं और सिर्फ दो मैच ड्रा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबलेके लिए मैदान पर जाते समय टीम का जोश काफी ऊंचा लग रहा था। भारतने पाकिस्तानपर अपना दबदबा बरकरार रखा। अब भारत स्वर्ण अपने जीतता है तो वह २०२८ ओलम्पिकका टिकट भी हासिल कर लेगा।

भारत-पाकिस्तान में होगी पीले तमगे की जंग

क्रिकेट : ईशानकिशन का अर्द्धशतक श्रीलंका को १२४ रन से हराया

निशिन (एजेन्सियां)। ईशान किशन के रेकार्ड अर्द्धशतक (अजेय ८० रन) के बाद जसप्रीत बुमराह (२-७) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के सहारे गत चैम्पियन भारत ने श्रीलंका पर १२४ रन की अपनी सबसे बड़ी जीत के साथ एशियन गेम्स क्रिकेट में लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका मुकाबला स्वर्ण पदक के लिए पाकिस्तान से होगा जिसने पहले सेमीपफाइनल में बंगलादेश को छह विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। टर्न लेती पिच पर टास हारकर पहले खेलने उतरी भारतीय टीम की हालत एक समय काफी खराब हो गयी थी। सलामी जोड़ी वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी अभिषेक शर्मा दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर सात रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद संजू सैमसन (सात), वैभव सूर्यवंशी (३८), कप्तान श्रेयस अय्यर (१३) के रूप में भारत ने १०वें ओवर में ८७ रन पर चार विकेट गंवा दिये लेकिन एक छोर पर डटे रहे बिहार के ईशान किशन ने ४६ गेंदों में चार चौके और पांच छक्के की मदद से ८० रन की पारी खेल दी जिससे भारत २० ओवर में सात

विकेट पर १६९ रन बनाने में सफल रहा। छोटे फार्मेट के अनुभवी खिलाड़ी अक्षेर पटेल (आठ), तिलक वर्मा (दो) और शिवम दुबे (तीन) बड़ा योगदान नहीं दे पाये। वाशिंगटन सुंदर एक छक्के की मदद से सात रन बनाकर अजेय लौटे। भारत की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी वैभव सूर्यवंशी और श्रेयस अय्यर (२० गेंद में ३५ रन) ने की। १७० रनके लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। उसके शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाज खाता खोले बगैर चलते बने जिसमें बुमराह के दो विकेट शामिल रहे। नुवांडु फर्नांडो (१५) ही दोहरे अंक में पहुंचे जबकि पांच बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए जिससे श्रीलंका की पारी ६१ गेंद शेष रहते सिर्फ ४५ रन पर सिमट गयी। बुमराह के अलावा अभिषेक शर्मा (२-२), अक्षेर पटेल (२-८) और वाशिंगटन सुंदर (१-१८) ने विकेट लिए। यह टी-२० में श्रीलंका के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत है। भारत ११वीं बार १०० रन के अंतर से जीता है। वह ऐसा करने वाली पहली टीम बन गयी है। कनाडा १० जीत के साथ दूसरे नम्बर पर जबकि आस्ट्रेलिया ने नौ बार ऐसा किया है।

प्रसिद्ध कृष्णा और सुंदर बाहर

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। वेस्टइण्डीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिनी मैच के लिए चोटिल प्रसिद्ध कृष्णा की जगह तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया है। बीसीसीआई के अनुसार, प्रसिद्ध के बाहर होने का कारण उनके बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग की चोट है। गुवाहाटी में खेले गये दूसरे मैच के दौरान प्रसिद्ध को यह चोट लगी थी जिसके चलते वह सिर्फ पांच ओवर ही गेंदबाजी कर पाये थे। अंशुल कंबोज इस समय पुडुचेरी में आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच खेल रहे हैं, जहां से उन्हें सीधा चंडीगढ़ में भारतीय टीम से जुड़ने के लिए बुलाया गया है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने वेस्टइण्डीज के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी-२० श्रृंखला से हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर को बाहर करने का फैसला किया है। यह निर्णय न्यूजीलैण्ड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे को ध्यान में रखते हुए लिया गया है ताकि सुंदर अपने राज्य टीम तमिलनाडु के लिए रणजी ट्राफी मैच खेलकर लाल गेंद के क्रिकेट की तैयारी कर सकें। वाशिंगटन सुंदर की जगह टी-२० टीम में नमन धीर को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि न्यूजीलैण्ड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए

टेनिस : नागल की हार से चुनौती समाप्त

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय टेनिस दल १९८६ के बाद पहली बार एशियन गेम्स से पदक लिए बिना लौटेगा। सुमित नागल के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर होने से एशियाड में भारतीय चुनौती समाप्त हो गयी। पदक की दावेदार युगल टीमों के बुधवार को ही बाहर होने के बाद भारत की उम्मीदों का दारोमदार एकल रैंकिंग में नम्बर एक खिलाड़ी सुमित पर था जो चीन के यिबिंग वू से एक घंटे ३८ मिनट तक चले मैच में ४-६, ४-६ से हार गये। भारत ने १९९० के बाद से हर एशियन गेम्स खेल में टेनिस में पदक जीते हैं और इस बार भी कम से कम तीन पदकों की उम्मीद थी। सोल में डेविस कप में दक्षिण कोरिया से मिली हार के बाद जापान में पदक जीतने से भारतीय टेनिसप्रेमियों को राहत मिलती, लेकिन यहां भी निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। आखिरी बार एकल वर्ग में प्रग्नेश गुणेश्वरन और अंकिता रैना ने भारत के लिए पदक जीते थे। दोनों को जकार्ता में २०१८ में हुए एशियाई खेलों में कांस्य पदक मिला था। हांगझोउ में २०२३ खेलों में भारत को एकल पदक नहीं मिला था। रोहन बोपन्ना और दिविज शरण ने २०१८ में पुरुष युगल स्वर्ण और रोहन बोपन्ना के साथ रूतुजा भोसले ने २०२३ में मिश्रित युगल में स्वर्ण जीता था। युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी से पदक की उम्मीद थी लेकिन वे पुरुष युगल और मिश्रित युगल मे हारकर बाहर हो गये।

बदले स्वरूपके साथ १४ टीमोंके बीच होंगे ५७ मुकाबले

एकदिनी विश्वकप-२०२७ का कार्यक्रम घोषित

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में दो अक्तूबर से २१ नवम्बर २०२७ तक होने वाले आईसीसी एकदिनी विश्वकप का कार्यक्रम घोषित हो गया जिसमें १४ टीमों के बीच ५७ मुकाबले होंगे। २०२७ विश्वकप का सबसे बड़ा आकर्षण इसका बदला हुआ प्रारूप है। २०२३ के मुकाबले इस बार टीमों की संख्या १० से बढ़ाकर १४ की गयी है और सेमीफाइनल एवं फाइनल से पहले टूर्नामेंट को तीन चरणों में बांटा गया है। इनमें सुपर सीरीज, ग्रुप चरण और सुपर-सात शामिल हैं। शुरुआत तीन सबसे निचली रैंकिंग वाली टीमों के बीच सुपर सीरीज से होगी। ये तीनों टीमें राउंड-राबिन आधार पर एक-दूसरे से खेलेंगी। इस चरण की विजेता टीम ही अगले चरण में पहुंचेगी, जबकि बाकी दो टीमों का विश्वकप अभियान यहीं समाप्त हो जाएगा। यानी १४ टीमों वाले विश्वकप में मुख्य ग्रुप चरण की शुरुआत १२ टीमों के साथ होगी। सुपर सीरीज के मुकाबले नामीबिया की राजधानी विंडहोक से शुरू होंगे। सुपर सीरीज के बाद १२ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप में छह-छह टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी पांच टीमों से राउंड-राबिन आधार पर मुकाबला खेलेगी। इस चरण में कुल ३० मैच खेले जायेंगे। दोनों ग्रुप की शीर्ष तीन-तीन टीमें अगले चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। इसके अलावा दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम भी सुपर-सात में जगह बनाएगी। इस तरह कुल

सात टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी। सात टीमों वाला सुपर-सात चरण इस विश्वकप के प्रारूप में सबसे बड़ा बदलाव है। यहां सभी सात टीमें राउंड-राबिन आधार पर एक-दूसरे से खेलेंगी। इस चरण में कुल २१ मुकाबले होंगे। सुपर-सात की अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पहले स्थान पर रहने वाली टीम का सामना चौथे स्थान वाली टीम से होगा, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम तीसरे स्थान वाली टीम के खिलाफ सेमीफाइनल खेलेगी। दोनों सेमीफाइनल के विजेता फाइनल में आमने-सामने होंगे। भारत में खेले गए २०२३ विश्वकप में कुल १० टीमें शामिल थीं। सभी टीमों ने लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेला था। इस तरह हर टीम ने नौ लीग मैच खेले और अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंची थीं। इसके बाद दो सेमीफाइनल और फाइनल के साथ टूर्नामेंट समाप्त हुआ था।

थम नहीं रहा हाकी इण्डिया का विवाद

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। हाकी इंडिया के भीतर चल रही खींचतान जारी है। अब महासचिव भोलानाथ सिंहने छह अक्तूबरको कार्यकारी बोर्डकी बैठक बुलाई है जिस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए अध्यक्ष दिलीप टिर्कीने कहा कि उन्हें बताए बिना और उनसे स्वीकृति लिये बिना यह बैठक बुलाई गयी है। एशियन गेम्स के लिए जापान गए भोलानाथने कार्यकारी बोर्डको गुरुवार बैठक के बावत ई-मेल भेजा है। महासचिव द्वारा भेजे गए ईमेल के अनुसार बैठक के एजेंडे में ओडिशा हाकी संघ के चुनाव का मसला प्रमुख है। इसके अलावा टिर्की द्वारा महासंघ के कुछ अधिकारियों के खिलाफ की गई पुलिस शिकायत का मसला भी शामिल है। इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए टिर्की ने कहा मैं हाकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड की प्रस्तावित १२०वीं बैठक का विरोध करता हूं जो मुझे बताए बिना या मंजूरी लिए बिना बुलाई गई है। इससे पहले भी महासचिव ने मुझसे स्वीकृति लिए बिना या बताये बिना १८ सितंबर को कार्यकारी बोर्ड की आपात बैठक बुलाई थी।

छत्तीसगढ़ समाचार.............

रायपुर : महानदी विवाद के समाधान की दिशा में बड़ी पहल

रायपुर (आ.स.से.)। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण और स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय गृह एवं सहका.

> केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा की उच्चस्तरीय बैठक
> महानदी हमें बांटने वाली नहीं, दोनों राज्यों को जोड़ने वाली जीवनधारा : समाधान ऐसा हो जिसमें दोनों राज्यों की जीत हो – मुख्यमंत्री
> संवाद, वैज्ञानिक आकलन और आपसी सहमति से न्यायपूर्ण एवं स्थायी समाधान के लिए छत्तीसगढ़ पूरी तरह प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री
> दोनों राज्यों के किसानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ने पर जोर

रिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में कर्तव्य भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी ने महानदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने-अपने राज्यों का पक्ष रखा। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिव सहित केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बैठक में छत्तीसगढ़ का पक्ष रखते हुए कहा कि महानदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि दोनों राज्यों की सभ्यता, संस्कृति, कृषि और जनजीवन से जुड़ी जीवनधारा है। महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा को बांटने वाली नहीं, बल्कि दोनों राज्यों को जोड़ने वाली नदी है। इसलिए इसका समाधान भी प्रतिस्पर्धा या टकराव के बजाय सहयोग, विश्वास और सहमति की भावना से निकलना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास ऐसा समाधान निकालने का होना चाहिए जिसमें दोनों राज्यों और वहां के नागरिकों के हित सुरक्षित हों। छत्तीसगढ़ न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और दीर्घकालिक समाधान का पक्षधर है। ऐसा समाधान दोनों राज्यों के किसानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में होता है और इसके जलग्रहण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा प्रदेश में स्थित है। राज्य में कृषि, सिंचाई, पेयजल और विशेष रूप से आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों की विकास आवश्यकताएं महानदी से जुड़ी हुई हैं। इसलिए किसी भी स्थायी समाधान में छत्तीसगढ़ की इन वास्तविक आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा जाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ अपने हितों की बात करते हुए ओडिशा की आवश्यकताओं और हितों का भी पूरा सम्मान करता है। हीराकुंड ओडिशा की जीवनरेखा है और छत्तीसगढ़ उसके महत्व को भलीभांति समझता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हीराकुंड जलाशय के हितों और उसके सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने को तैयार है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन को साझी समृद्धि का माध्यम बनाना चाहिए। दोनों राज्यों के बीच ऐसा तंत्र विकसित हो, जिसमें जल उपलब्धता, आवश्यकता और उपयोग से संबंधित तथ्य पारदर्शी ढंग से साझा हों और वैज्ञानिक आधार पर निर्णय लिए जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने महानदी जल विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा की गई पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मध्यस्थता में दोनों राज्यों के बीच सकारात्मक संवाद से आपसी सहमति का रास्ता निकलने की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज राज्यों के बीच वर्षों से लंबित विषयों को संवाद और सहमति के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयास भी सहकारी संघवाद और राष्ट्रीय एकता की इसी भावना को मजबूत करते हैं।

भारतीय मजदूर संघ के महाधरना के बाद सरकार के साथ महत्वपूर्ण चर्चा

रायपुर (आ.स.से.)। भारतीय मजदूर संघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश द्वारा विभिन्न श्रमिक समस्याओं एवं लंबित मांगों को लेकर आज रायपुर के तूता में आयोजित महाधरना एवं प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा हुई। चर्चा के दौरान सरकार की ओर से आंगनबाड़ी, आशा, मध्यान्ह भोजन रसोइया एवं अन्य योजना कर्मियों के मानदेय में वृद्धि करने की घोषणा की गई। भारतीय मजदूर संघ द्वारा लंबे समय से इन योजना कर्मियों की आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक मानदेय, सेवा संबंधी समस्याओं तथा अन्य श्रमिक मांगों को लेकर सरकार के समक्ष लगातार आवाज उठाई जा रही थी। आज के महाधरना में भी इन मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। चर्चा के दौरान सरकार के प्रतिनिधियों ने यह भी स्पष्ट किया कि महाधरना में उठाई गई सभी मांगों एवं विभिन्न श्रमिक समस्याओं के समाधान के लिए आगामी दिनों में भारतीय मजदूर संघ तथा संबंधित महासंघों के प्रतिनिधियों के साथ क्रमबद्ध रूप से चर्चा की जाएगी और आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। सरकार की ओर से इस संबंध में सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। इससे पूर्व 24 सितंबर 2026 को मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में भी भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न श्रमिक एवं योजना कर्मियों की समस्याओं को विस्तार से रखा था। उस बैठक में मुख्यमंत्री, श्रम मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा वित्त मंत्री की उपस्थिति में मांगों पर चर्चा हुई थी तथा समस्याओं के समाधान के लिए मंत्रिस्तरीय उपसमिति के गठन का निर्णय लिया गया था।

महानदी जल विवादपर गृहमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

नयी दिल्ली (आससे.)। महानदी जल बंटवारे को लेकर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच वर्षों से चले आ रहे विवाद के स्थायी समाधान की ओर कदम बढ़ाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कर्तव्य भवन में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें सौहार्दपूर्ण हल निकालने पर जोर दिया गया है। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, दोनों राज्यों के मुख्य सचिव तथा जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग और दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। जुलाई में भी दोनों मुख्यमंत्रियों की जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता में बैठक हो चुकी है और दोनों राज्यों ने सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए तकनीकी बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी।बैठक में मुख्यमंत्री साय ने समाधान का स्पष्ट रोडमैप रखते हुए कहा कि महानदी दोनों राज्यों को बांटने वाली नहीं बल्कि जोड़ने वाली नदी है। उन्होंने कहा कि समाधान ऐसा होना चाहिए, जिसमें किसी की हार न हो। छत्तीसगढ़ का आग्रह न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और टिकाऊ समाधान का है, जिसमें दोनों राज्यों के

किसानों, आम लोगों और आने वाली पीढ़ियों के हित सुरक्षित रहें। साय ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में है और उसका आधे से अधिक जलग्रहण क्षेत्र राज्य में आता है। इसलिए छत्तीसगढ़ के किसानों, सिंचाई और आदिवासी अंचलों की वास्तविक जरूरतों को समाधान में उचित स्थान मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने ओडिशा के हितों के प्रति छत्तीसगढ़ की प्रतिबद्धता स्पष्ट करते हुए कहा कि हीराकुंड ओडिशा की जीवनरेखा है और छत्तीसगढ़ उसके हितों का सम्मान करते हुए उसके सुचारु संचालन में सहयोग करेगा।मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल की सराहना करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने 500 से अधिक रियासतों को जोड़कर भारत का भूगोल एक किया था और आज गृहमंत्री अमित शाह राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवादों को संवाद और सहमति से सुलझाने की दिशा में उसी एकीकरण की भावना को आगे बढ़ा रहे हैं। साय ने कहा कि राज्यों के बीच जल विवादों का समाधान केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत को भावनात्मक रूप से जोड़ने की प्रक्रिया भी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 के बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि अब राज्यों के बीच दशकों पुराने जल विवादों को सुलझाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल हो रही है।मुख्यमंत्री ने हाल के अंतरराज्यीय जल समझौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष यमुना जल से जुड़े हरियाणा-राजस्थान के लंबे समय से लंबित प्रश्न, नर्मदा से जुड़े चार राज्यों के मुद्दों और बिहार-झारखंड के सोन नदी से जुड़े पुराने प्रश्नों को संवाद और सहमति के जरिए आगे बढ़ाया गया है। उनका कहना था कि वर्षों से लंबित जटिल विवाद भी राजनीतिक इच्छाशक्ति, संवाद और सहकारी संघवाद के माध्यम से समाधान की दिशा में बढ़ सकते हैं।

रक्षा वित्तीय व्यवस्थामें भी हो तीनों सेनाओं जैसा एकीकरण–राजनाथ

नयी दिल्ली (आससे.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि तीनों सेनाओं

के बीच जिस तरह तालमेल और एकीकरण पर जोर दिया जा रहा है, उसी भावना को रक्षा लेखा विभाग की वित्तीय व्यवस्था में भी लागू किया जाना चाहिए। रक्षा लेखा दिवस के अवसर पर उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रणालियों के एकीकरण से रक्षा प्रबंधन और अधिक प्रभावी एवं दक्ष बनेगा। राजनाथ सिंह ने रक्षा लेखा विभाग को रक्षा मंत्रालय को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी और रक्षा व्यवस्था की रीढ़ बताया। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता ऑडिट की बेहतर प्रक्रियाओं को अपनाने तथा बदलते मानकों के अनुरूप कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में रक्षा व्यय की बुकिंग करीब 100 प्रतिशत रही, जो विभाग और तीनों सेनाओं के सामूहिक प्रयासों का महत्वपूर्ण परिणाम है।

सितंबरमें जीएसटी संग्रह 14.7 फीसदी बढ़कर 2.03 लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली (आससे.)। सितंबर 2026 में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सालाना आधार पर 14.7 फीसदी बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। सितंबर 2025 में यह आंकड़ा 1.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। सितंबर में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) संग्रह 37,772 करोड़ रुपये, जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) संग्रह 45,363 करोड़ रुपये रहा। एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) से 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त हुए। घरेलू गतिविधियों से सकल जीएसटी राजस्व 10 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 1.38 लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं, आयात से जीएसटी संग्रह करीब 26 फीसदी बढ़कर 65,525 करोड़ रुपये हो गया।

राहुल गांधी मानहानि मामलेमें सुनवाई टली

सुलतानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दायर एमपी एमएलए कोर्ट में मानहानि मामले में गुरुवार को टल गई। परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अस्वस्थ होने का हवाला दिया, जिस पर कोर्ट ने 6 अक्टूबर सुनवाई की तिथि नियत की है। इससे पहले 21 सितंबर को अधिवक्ता संतोष पांडेय ने आंशिक बहस की जो पूरी नहीं हो पाई। वहीं राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि परिवादी की बहस पूरी होने पर वे बहस करेंगे। राहुल गांधी पर वर्ष 2018 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ बेंगलुरू में आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है।

देश-प्रदेशमें सामाजिक न्याय, भाजपायी आपातकालसे गुजर रहा है–अखिलेश यादव

लखनऊ (आससे.)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय भाजपाई आपातकाल से गुजर रहा है। इसके साथ ही अखिलेश ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्गों के खिलाफ अत्याचार और आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई का आरोप लगाया। एक संवाददाता सम्मेलन में अखिलेश ने कहा कि जिस अवधि में पीडीए को अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है या कराया जाएगा, उसे आपातकाल कहा जा सकता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके अखिलेश ने 1975 के आपातकाल का विरोध करने वालों को लोकतंत्र सेनानी बताते हुए कहा कि ऐसे कई लोग बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में उनसे मिले और अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर लोकतंत्र सेनानियों के महत्वपूर्ण सुझाव लागू किए जाएंगे। उन्होंने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर उनका मानदेय बढ़ाकर 51,000 रुपये किया जाएगा। साथ ही सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य, इलाज और दवाओं के विशेष इंतजाम तथा मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाएगी।

हाईकोर्ट समाचार

दरोगा भर्ती–२०२५ : नियुक्ति पत्र वितरण पर हाईकोर्टने लगायी रोक

प्रयागराज (आससे.)। उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक (सिविल पुलिस), प्लाटून कमांडर पीएसी, अग्निशमन अधिकारी, विशेष सुरक्षा बल और महिला उप निरीक्षक समेत विभिन्न पदों की भर्ती परीक्षा की उत्तर कुंजी की शुद्धता को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक भर्ती के तहत नियुक्ति पत्र जारी करने पर रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने श्याम सुंदर व दो अन्य की ओर से दाखिल

याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता संजय यादव ने बताया कि 2025 की दरोगा भर्ती प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी थी और अभ्यर्थियों का मेडिकल टेस्ट कराकर अंतिम परिणाम भी जारी कर दिया गया था। शासन द्वारा जारी कोरिजेंडम के अनुसार मुख्यमंत्री द्वारा अभ्यर्थियों को जल्द ही नियुक्ति पत्र दिए जाने प्रस्तावित थे। हालांकि, लिखित परीक्षा के बाद जब प्रोविजनल आंसर-की जारी की गई, तब अभ्यर्थियों से बिना कोई आपत्ति मांगे ही फाइनल आंसर-की में उत्तर के विकल्पों को बदल दिया गया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि प्रमाणिक स्त्रोतों के अनुसार जो उत्तर सही थे, उन्हें चयन समिति ने बदल दिया। यह परीक्षा कुल चार शिफ्टों में आयोजित की गई थी, जिसमें 14 और 15 तारीख की दोनों शिफ्टों के कई प्रश्नों के उत्तर पर विवाद बना हुआ है। अदालत में इस मामले पर बहस चल रही थी, जहां सरकार की ओर से पक्ष रखे जाने के लिए अधिकारियों को उपस्थित होना था, लेकिन उनके उपस्थित न होने के कारण हाईकोर्ट ने प्रश्नों के विवाद का समाधान होने तक पूरी नियुक्ति प्रक्रिया पर स्टे लगा दिया है। अब इस मामले की अगली अंतिम सुनवाई सोमवार, पांच अक्तूबर को होनी है।

डिप्टी सीएमने संचारी रोग नियंत्रण अभियानका किया आगाज

लखनऊ (आससे.)। लखनऊ से यूपी में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का गुरुवार को आगाज हुआ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने लोहिया संस्थान में अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि अभियान के जरिए जापानी इंसेफेलाइटिस, डेंगू, मलेरिया और काला ज्वर जैसे रोगों पर नियंत्रण में सफलता मिली है। इंसेफेलाइटिस से होने वाली मौतों में भी काफी कमी आई है। अभियान 31 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी 75 जिलों में चलेगा। इसका मकसद संचारी रोगों की रोकथाम, बचाव और इलाज पर जोर देना है। 12 अक्टूबर से दस्तक अभियान शुरू होगा। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी और संचारी रोगों से जुड़े मामलों की जानकारी जुटाएंगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश में संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसकी रोकथाम के लिए बड़ी कार्ययोजना तैयार की गई। उन्होंने कहा कि पहले मच्छरों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम को नगर विकास, ग्रामीण विकास और पंचायती राज जैसे विभागों से जुड़ा काम माना जाता था।

५८६ पीएम श्री स्कूलोंमें 'लर्निंग बाय डूइंग' को मिलेगी नयी गति

लखनऊ (आससे.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के पीएम श्री विद्यालयों में पढ़ाई को किताबों की सीमाओं से आगे ले जाकर प्रयोग, गतिविधि और अनुभव से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वर्ष 2024-25 के लिए चयनित 586 उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट पीएम श्री विद्यालयों में लर्निंग बाय डूइंग को और प्रभावी बनाया जाएगा।इसके लिए 2.34 करोड़ की धनराशि से कंज्यूमेबल्स,रॉ मैटेरियल क्रय किया जाएगा तथा प्रत्येक चयनित विद्यालय के लिए ध40 हजार की धनराशि की सीमा निर्धारित की गई है। इससे 586 पीएम श्री विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध होंगे और बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ प्रयोग एवं अनुभव के माध्यम से सीखने के अधिक अवसर मिलेंगे।लर्निंग बाय डूइंग के माध्यम से विद्यार्थियों को विषयवस्तु को केवल पढ़ने के बजाय गतिविधियों, प्रयोगों और प्रत्यक्ष अनुभवों के जरिए समझने के अवसर मिलेंगे।

स्वास्थ्य, सुरक्षा, सामाजिक संरक्षण और पेंशन जैसी सुविधाओं के साथ बुजुर्गों का सम्मान

लखनऊ (आससे.)। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर योगी सरकार ने वरिष्ठजनों के सम्मान और सामाजिक संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। समाज कल्याण विभाग, हेल्पेज इंडिया और वरिष्ठ नागरिक महासमिति के संयुक्त तत्वावधान में गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में आयोजित समारोह में 100 वर्ष की आयु पूरी कर चुके तीन वरिष्ठजनों को शतायु सम्मान और समाज में रचनात्मक योगदान दे रहे चार वरिष्ठजनों को 'सीनियर अचीवर्स सम्मान' प्रदान किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने लल्ली देवी, रानी कपूर और सेवानिवृत्त न्यायाधीश कमलेश्वर नाथ को शतायु सम्मान से सम्मानित किया। विनोद कुमार शुक्ल, ललित सिंह पोखरिया, इतिहासकार एवं लेखक डॉ. रवि भट्ट और डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य को सीनियर अचीवर्स सम्मान मिला।मंत्री असीम अरुण ने कहा कि वरिष्ठजन अनुभव, संस्कार और जीवन मूल्यों की अमूल्य धरोहर हैं।

ऐश्वर्या रायके सिर पर ताज

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बीते दिनों पेरिस फैशन वीक में शामिल हुईं। उनका लुक खूब वायरल हुआ। अब ऐश ने खुद भी कुछ बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं। बॉलीवुड की ब्यूटी क्वीन ऐश्वर्या राय बच्चन अदाकारी के मामले में दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। मगर अपनी खूबसूरती के चलते भी वे सुर्खियां बटोरती हैं। 50 की उम्र पार कर चुकीं ऐश्वर्या राय का लुक आज भी ऐसा है कि फैंस की नजरें टिक जाएं। ऐसा ही कुछ पेरिस फैशन वीक में उन्हें देखकर हुआ। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें साझा की हैं। ऐश्वर्या राय सोशल मीडिया पर कम ही एक्टिव रहती हैं। अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को वे सीक्रेट ही रखना पसंद करती हैं। मगर, जब भी कोई पोस्ट शेयर करती हैं तो मानो वह फैंस के लिए ट्रीट होती है। उन्होंने अपने कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर किए हैं। साझा की गई तस्वीरों में ऐश्वर्या राय ब्लैक कलर के स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने सिर पर ताज लगा रखा है और रेड कलर की लिपस्टिक से अपना लुक कंपलीट किया है।कैप्शन में उन्होंने रेड हार्ट इमोजी, ईविल आई इमोजी बनाए हैं। साथ ही हाथ जोड़ने वाला इमोजी बनाकर सभी का शुक्रिया अदा किया है। ऐश्वर्या राय सादगी के साथ स्टेज पर आईं, मगर अपने शाही अंदाज से महफिल लूट ली। उन्होंने दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों की तरफ हार्ट बनाया और फिर फ्लाइंग किस दिया। एक्ट्रेस के इस लुक को देख फैंस दीवाने हो गए हैं। ऐश्वर्या राय की तस्वीरों पर सिर्फ फैंस और नेटिजंस ने ही कमेंट नहीं किया, बल्कि बिपाशा बसु, अदिति राव हैदरी और मनीष मल्होत्रा समेत कई सेलेब्स ने भी रिएक्शन देते हुए रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं।

अजय देवगन की फिल्म दृश्यम ३ द कन्क्लूजन जल्द रिलीज

फिल्म दृश्यम 3 द कन्क्लूजन की रिलीज के पहले अजय देवगन ने मोहनलाल से जुड़ी जानकारी साझा की। इसके साथ ही अपनी आगामी फिल्म के लिए काफी कुछ कहा। बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 3 द कन्क्लूजन जल्द रिलीज होने वाली है। इसी बीच एक्टर ने एक बातचीत के दौरान बताया कि उन्होंने मोहनलाल से दृश्यम 3 द कन्क्लूजन देखने की गुजारिश की थी। मगर साउथ स्टार वह फिल्म नहीं देख सके। जानें क्या बताया अजय ने कारण अजय देवगन हाल ही में फिक्की फ्रेम्स में शामिल होने पहुंचे थे। जहां उन्होंने बातचीत के दौरान कहा, ' असल में, मैंने लाल (मोहनलाल) सर को फोन किया था, क्योंकि मैं चाहता था कि वह फिल्म देखें। जैसा कि उन्होंने (आलोक जैन) कहा कि वे बहुत अच्छा काम करते हैं, और इस बार हमने कहानी को बिल्कुल अलग दिशा दी है। इसलिए, मुझे लगा कि उनसे मंजूरी मिल जाए तो अच्छा रहेगा। मैं चाहता था कि वह फिल्म देखें, लेकिन वह छुट्टियों पर हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि वह लगातार बातचीत करते रहे, मुझे लगता है कि वह जल्द ही वहां फिल्म देखेंगे।

सड़क सुरक्षा और पुलिस आधुनिकीकरणसे सुरक्षित यातायात को मिलेगी मजबूती–राजीव कृष्ण

लखनऊ (आससे.)। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने कहा कि आज का समारोह उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए गौरव और प्रेरणा का अवसर है, जिसमें पुलिस सेवा के तीन महत्वपूर्ण पक्ष-शौर्य एवं उत्कृष्ट सेवा का सम्मान, सड़क सुरक्षा के लिए आधुनिक संसाधनों का सुदृढ़ीकरण तथा पुलिस सेवा के अनुभवों एवं विचारों का संरक्षण और उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य एक साथ हो रहा है।

समारोह में 16 राष्ट्रपति वीरता पदक और 10 मुख्यमंत्री वीरता पदक प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने निरीक्षक स्वर्गीय सुनील कुमार को मरणोपरांत कीर्ति चक्र प्रदान किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में 87 आधुनिक इंटरसेप्टर वाहनों को

प्रदेश के सर्वाधिक दुर्घटना बहुल जनपदों के लिए रवाना किया जा रहा है। डीजीपी ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट योजना लागू की गई है, जिसके तहत इंफोर्समेंट, इंजीनियरिंग, एजुकेशन और अवेयरनेस, इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट तथा इमरजेंसी रिस्पांस के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं और जनहानि को कम करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनवरी से अगस्त 2026 के बीच पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में 7.89 प्रतिशत, मृत्यु में 9.08 प्रतिशत और घायलों की संख्या में 8.1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जिससे 1,100 से अधिक बहुमूल्य जीवन बचाए गए हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा विकसित 'यूपी गति' एप के माध्यम से 20 शहरों के 109 सिटी रूट्स पर यातायात की 24म7 लाइव और रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है तथा अप्रैल 2026 से छह माह में कंजेशन प्वाइंट्स में चार प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

राष्ट्र नतमस्तक है आपके सम्मान में...

02.10.1904-11.01.1966

देश की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी के निकट मुगलसराय में 02.10.1904 को जन्मे जनप्रिय प्रधानमंत्री तथा सुप्रसिद्ध भारतीय स्वतंत्रता सेनानी **'लाल बहादुर शास्त्री जी'** के आज 122वीं जयंती पर **'मातृभूमि सेवा संस्था'** तथा हिन्दी दैनिक समाचार पत्र **'आज'** इन्हें कोटिश: नमन करती है।

'गीत गाता हूँ मैं, आज उन के लिए!'
'जो जीए भी मरे भी वतन के लिए!!'

परम सादगी, अद्भुत ईमानदारी, अनुकरणीय देशप्रेम के पर्याय, श्जय जवान जय किसानश नारे के प्रणेता तथा श्गुदड़ी के लालश भारत रत्न लाल बहाद. ुर शास्त्री जी के पिता के असमय मृत्यु के कारण उनका पालन-पोषण ननिहाल में हुआ। हरीश चंद्र हाई स्कूल, वाराणसी के देशभक्त शिक्षक निष्कमेश्वर प्रसाद मिश्र जी से प्रभावित लाल बहादुर श्रीवास्तव जी ने काशी विद्यापीठ से स्नातक की डिग्री प्राप्त करते ही अपने नाम के साथ श्श्रीवास्तवश के स्थान पर श्शास्त्रीश लगाना शुरू कर दिया। भारत सेवक संघ के सदस्य शास्त्री जी अनेकों बार जेल गए तथा भारतीय स्वाधीनता संग्राम के सन् 1921 के असहयोग आंदोलन, सन् 1930 का दांडी मार्च तथा सन् 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सन् 1942 में ष्मरो नहीं, मारो!ष् का महत्वपूर्ण नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री जी 09.06. 1964 को स्वतंत्र भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री बने तथा सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध में अद्भुत सफलता पाने के बाद वर्तमान उजबेकिस्तान की राजधानी ताशकंद (तत्कालीन रूस) में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अयूब खान के साथ समझौते उपरांत रहस्यमय मौत का शिकार हुए। -''**राकेश कुमार**'

मातृभूमि सेवा संस्था
www.mss-ind.org
9891960477-क्रांतिकारियों के जीवन पर निर्मित कैलेंडर प्राप्त करने हेतु संपर्क सूत्र।

मध्य प्रदेश समाचार

प्रधानमंत्रीसे मुख्यमंत्रीने की आत्मीय भेंट

भोपाल (आससे.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आत्मीय भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रधानमंत्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में जारी विकास कार्यों, जनकल्याणकारी पहलों, उपलब्धियों, निवेश और प्रदेश की प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी।इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2027 में मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया। उन्होंने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार किए जा रहे अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास और रोजगार

सृजन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में प्रारंभ की गई 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' के संबंध में भी प्रधानमंत्री मोदी को अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 17 सितंबर से प्रदेश में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रधानमंत्री मोदी को दी।

पर्यटन को मिलेगी नयी दिशा और गति डॉ. यादव

भोपाल (आससे.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में चीतों के सफल पुनर्स्थापन के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की सराहना की गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी से मिली यह सराहना हम सभी को नई ऊर्जा और उत्साह प्रदान करने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों और वन संरक्षण से जुड़े सभी मैदानी साथियों को एक अक्टूबर से प्रारंभ हुए वन्यजीव सप्ताह-2026 की बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को एक्स पर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव का विषय है कि प्रोजेक्ट चीता की सफलता ने वन्यजीव संरक्षण के हमारे संकल्प को और भी मजबूत किया है। सच्चे अर्थों में हमारे वनकर्मियों, अधिकारियों, वैज्ञानिकों और स्थानीय समुदायों के समर्पित प्रयासों को इसका श्रेय जाता है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर वन्यजीवों के सुरक्षित आवास और प्रकृति के संतुलन के संरक्षण में अपना योगदान दें। इससे वन्यजीव संरक्षण के साथ ही प्रदेश में वन पर्यटन को भी नई दिशा और गति मिलेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वन्यजीव सप्ताह के संदर्भ में 30 सितम्बर को एक संदेश जारी किया गया है। इस संदेश में उन्होंने कहा है कि पिछले एक दशक में भारत ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

भोपालमें आदर्श गौ शाला स्थापित करने के कार्य को शीघ्र पूर्ण करें- मुख्यमंत्री

भोपाल (आससे.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं पर चर्चा की। इन विभागों में नगरीय विकास एवं आवास, खनिज, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को हुई बैठक में विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति और कार्यों की जानकारी प्राप्त की और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नगरीय विकास और आवास विभाग द्वारा प्रदेश के नगरों के साथ ही राजधानी भोपाल के विकास में नए आयाम जोड़े जाएं। ग्वालियर, इंदौर और उज्जैन में बड़ी आदर्श गौशालाओं के संचालन में सफलता मिली है। इसी तरह भोपाल में इस मॉडल पर आदर्श गौ-शाला स्थापित करने के कार्य को गति प्रदान करते हुए अच्छे परिणाम प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंगरौली को आदर्श जिला बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों से भी चर्चा की जाए। नई टाउनशिप विकसित होने से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और सभी वर्ग लाभान्वित होंगे। खनिज विभाग के अधिकारियों ने सिंगरौली जिले में माइनिंग सेक्टर की8 नई संभावनाओं और भविष्य में जिले के समग्र विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की।

डॉ. यादव ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल से की भेंट

भोपाल (आससे.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटील से भेंट कर मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन और योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को गति देने के लिए केन्द्र सरकार से आवश्यक सहयोग और लंबित विषयों के शीघ्र निराकरण का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में जल जीवन मिशन के लिए केन्द्रांश जारी करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली योजनाओं के लिए केन्द्रांश की राशि की प्रतिपूर्ति के लिये पोर्टल पर विकल्प प्रारंभ करने का विषय भी रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल जीवन मिशन-2.0 के अंतर्गत मध्यप्रदेश के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष में आवंटित राशि में वृद्धि किए जाने का अनुरोध किया, जिससे प्रदेश में पेयजल योजनाओं के कार्यों को अपेक्षित गति से आगे बढ़ाया जा सके। बैठक में 'सुजलाम भारत' ऐप में जियो-टैगिंग से संबंधित तकनीकी कमियों के निराकरण का विषय भी प्रमुखता से रखा गया।

अलीगढ़ : ३७ करोड़ से बनेगा भारत का पहला लॉक म्यूजियम

अलीगढ़ (एजेंसी)। ताला और तालीम के नाम से पहचान रखने वाले अलीगढ़ को अब दुनिया के पहले लॉक म्यूजियम के नाम से नई पहचान मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत प्रदेश सरकार ने अलीगढ़ में 37 करोड़ रुपये की लागत से लॉक म्यूजियम एवं अर्बन कल्चरल सेंटर के निर्माण को प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति दे दी है। शासन ने परियोजना की पहली किस्त के रूप में 10.23 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दिए हैं। जवाहर भवन के सामने राजा महेंद्र प्रताप पार्क के किनारे प्रस्तावित स्थल पर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने सिविल इंजीनियर और अर्बन प्लानर की टीम के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने अधीनस्थों को आगे की कार्रवाई जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर निगम की ओर से जून 2025 में इस परियोजना का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया था।

श्राद्ध कर्मके लिए कुतुप, रोहिणी मुहूर्त

पितृपक्ष

पितृपक्ष हिंदू धर्म में पितरों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और स्मरण का विशेष समय माना जाता है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से लेकर आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक की अवधि को महालया, पितृपक्ष, श्राद्ध आदि कहते हैं। इस अवधि में पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान और ब्राह्मण भोज जैसी परंपराओं का पालन किया जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन कर्मों के माध्यम से व्यक्ति अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करता है और उनके लिए शांति एवं सद्गति की कामना करता है। पितृपक्ष के दौरान आपके अपने या दूसरे घरों में देखा होगा कि श्राद्ध का ब्राह्मण भोज दोपहर के समय किया जाता है।

श्राद्ध कर्म के लिए कुतुप मुहूर्त, रोहिणी मुहूर्त

पितृपक्ष में श्राद्ध का समय अपराह्न काल यानी दोपहर का समय महत्वपूर्ण माना गया है। श्राद्ध कर्म के लिए कुतुप मुहूर्त, रोहिणी मुहूर्त और उसके बाद दोपहर का समय महत्वपूर्ण माना गया है. आमतौर पर यह समय लगभग 11 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 15 मिनट के बीच में होता है. शहरों के बीच यह समय थोड़ा ऊपर नीचे हो सकता है।

दोपहर में ही क्यों होता है ब्राह्मण भोज?

पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म के लिए दोपहर का समय विशेष माना गया है. धर्मशास्त्रीय परंपराओं में दिन के इस हिस्से को पितृ कर्म के लिए उपयुक्त बताया गया है। मान्यता है कि दोपहर के समय सूर्य आकाश में ऊंचाई पर होता है और इसी अवधि में पितरों के निमित्त किए जाने वाले श्राद्ध, तर्पण तथा पिंडदान का विशेष महत्व माना जाता है। शास्त्रों में अलग-अलग समय को अलग-अलग कार्यों के लिए तय किया गया है। सुबह और शाम का समय देव कार्यों के लिए बताया गया है, तो दोपहर का समय पितरों के लिए माना गया है। वहीं रात के समय को नकारात्मक शक्तियों से जोड़ा गया है. इसलिए कहा जाता है कि दोपहर के समय देवी-देवताओं की पूजा अर्चना नहीं करना चाहिए क्योंकि दिन का मध्यकाल पितरों का समय माना गया है. दरअसल पितर मृत्यु लोक और देव लोक के मध्य लोक में निवास करते हैं, जो चंद्रमा के ऊपर बताया गया है. दिन का मध्य समय पितरों को समर्पित होने की वजह से इस समय श्राद्ध कर्म में ब्राह्मण भोज कराया जाता है. दूसरी वजह यह भी है कि सूर्योदय पूर्व दिशा की ओर होता है, जो देवताओं की दिशा मानी जाती है. दोपहर के समय सूर्य आकाश मध्य भाग में होते हैं, जिससे पितरों को सूर्य के माध्यम से उनका अंश प्राप्त होता है। इसी वजह से दोपहर का समय श्राद्ध के लिए उपयुक्त माना गया है.

कुतुप काल से क्या है संबंध?

श्राद्ध के समय से जुड़ा एक महत्वपूर्ण शब्द कुतुप काल है, पापों का शमन करने के कारण इस बेला को 'कुतुप' नाम दिया गया है. पारंपरिक हिंदू मान्यताओं में इसे दिन के उस विशेष समय से जोड़ा जाता है, जो श्राद्ध कर्म के लिए शुभ माना जाता है और यह हिंदू पंचांग का आठवां मुहूर्त माना जाता है. सामान्यतः कुतुप काल दोपहर के आसपास आने वाला समय माना जाता है, जो आमतौर पर दोपहर 11 बजकर 30 मिनट से 12 बजकर 30 मिनट तक होता है, इसकी अवधि 48 मिनट की होती है. इस समय सूर्य की किरणें और ऊर्जा का प्रभाव ऐसा होता है कि अर्पित किया गया भोजन और जल सीधे पितरों तक पहुंचता है. इसी अवधि को पितरों के निमित्त तर्पण, पिंडदान और अन्य श्राद्ध कर्म करने के लिए सबसे उत्तम माना गया है.

ब्राह्मण भोज का महत्व

पितृपक्ष में ब्राह्मण को श्रद्धापूर्वक भोजन कराने की भी पुरानी परंपरा है. धार्मिक दृष्टि से इसे पितरों को भोजन अर्पित करने के प्रतीकात्मक माध्यम के रूप में देखा जाता है. श्राद्ध में सात्विक भोजन तैयार करके पहले पितरों को स्मरण किया जाता है और फिर ब्राह्मण को भोजन कराया जाता है. भोजन के बाद यथाशक्ति दक्षिणा और अन्य सामग्री अर्पित करने की परंपरा भी कई परिवारों में है।

मोक्षके पवित्र द्वार

भारत की मोक्ष यात्राओं का कोई भी आख्यान मध्य प्रदेश और गुजरात की जीवनरेखा नर्मदा के उल्लेख के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। स्कंद पुराण के 'रेवा खंड' सहित कई प्राचीन भारतीय ग्रंथों में नर्मदा को 'रेवा' या 'रेवा' के नाम से संबोधित किया गया है। वायु पुराण में नर्मदा की उत्पत्ति के रहस्य को स्पष्ट करते हुए इसे 'पितरों की पुत्री' बताया गया है, जो इस नदी की आध्यात्मिक महिमा को पिंडदान के संदर्भ में सर्वाधिक प्रासंगिक बना देता है। शास्त्रीय मान्यताओं में यह स्पष्ट उल्लेख है कि रेवा (नर्मदा) के तट पर किसी भी स्थान पर किया गया श्राद्ध, पितृ तर्पण और पिंडदान मनुष्य को 'अक्षय' (कभी नष्ट न होने वाला) पुण्य प्रदान करता है। अन्य नदियों के विपरीत, नर्मदा में केवल स्नान करने से ही नहीं, बल्कि इसके दर्शन मात्र से भी पापों का नाश माना गया है. नर्मदा के तल से प्राप्त होने वाले स्वयंभू 'नर्मदेश्वर' या 'बाण लिंग' की पूजा बिना किसी प्राण-प्रतिष्ठा के की जा सकती है, जो इस नदी की अद्वितीय प्राणिक ऊर्जा का प्रमाण है. पितृ पक्ष के दौरान अमरकंटक से लेकर भरूच तक फैले रेवा के विस्तृत तटों पर पिंडदान करने से पूर्वज तृप्त होते हैं और आत्मा को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है।

खूनी व बादी बवासीर में बेहद असरकारक
अर्शवेदा कैप्सूल

सुविचार
जो लोग हर दिन अपने सपनों के लिए मेहनत करते हैं, वही असल में जीते हैं।
• 100% आयुर्वेदिक • सुरक्षित • असरदार
Customer Care : 9628078000
www.rphealthgroup.com
Also available at TATA 1mg amazon Flipkart

अपनी ज़िंदगी

प्रेम, विश्वास और पूर्णता की ओर यात्रा

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

अक्सर प्रेम को दो व्यक्तियों के बीच का संबंध समझा जाता है। यदि आप जिससे प्रेम करते हैं, उसके साथ एकात्मता का अनुभव नहीं करते, तो कालांतर में संदेह उत्पन्न होता है। संदेह के कारण आप बिना शर्त प्रेम करने और उसमें विलीन होने में असमर्थ हो जाते हैं। अतः प्रेम में विश्वास अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक स्थिति और भाव, जो प्रेम का विरोध करते प्रतीत होते हैं, उनके प्रति उदासीन रहें। कभी-कभी ऐसी घटनाएँ घटित हो सकती हैं, जो प्रेम के विरुद्ध हों। जिनसे प्रतीत होता है कि ईश्वर हमसे प्रेम नहीं करते। उन घटनाओं के प्रति उदासीन रहें; अन्यथा प्रेम, घृणा, क्रोध, ईर्ष्या और निराशा जैसे विपरीत तथा नकारात्मक भावों में उलझना अत्यंत सरल हो जाता है। यदि आप प्रेम में केंद्रित रहना चाहते हैं, तो आपको उन सभी बातों को छोड़ना होगा जो प्रेम का विरोध करती प्रतीत होती हैं; अन्यथा आप विरोधों के चक्र में फँस जाएँगे। तब आप कभी मुक्त नहीं हो पाएँगे और उस पूर्णता को प्राप्त नहीं कर सकेंगे। इस संसार में आपके जन्म का उद्देश्य पूर्णता को प्राप्त करना है।

> **मन बैसाखियों की तलाश करता है, किंतु परमात्मा की प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि सभी सहारों का त्याग कर दिया जाए-निराधार और निराश्रित बनकर। भगवान श्रीकृष्ण ने भगवद्गीता में कहा है-अनन्याश् चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते अर्थात् मैं उनके लिए हूँ, जो एकाग्रचित्त होकर अन्य किसी सहारे की तलाश नहीं करते। मैं उनके लिए आधार बन जाता हूँ, जो बैसाखियों की खोज नहीं करते।**

पूर्णता केवल कार्य या वचन में नहीं होती, अपितु अस्तित्व में होती है। केवल अस्तित्व की पूर्णता ही वचन और क्रिया में पूर्णता ला सकती है। अस्तित्व में पूर्ण होने के लिए, आपको प्रेम में डुबना होगा। अक्सर मनुष्य अनेक सहारों पर निर्भर रहता है। उदाहरण के लिए, यदि आप आध्यात्मिक मार्ग पर हैं, तो कभी-कभी आप किसी ज्योतिषी के पास जाकर पूछते हैं-क्या मैं प्रगति करूँगा? क्या होगा? इस प्रकार आप एक और सहारा खोज रहे होते हैं। किंतु परम की प्राप्ति के लिए अंततः सभी सहारों को छोड़ देना आवश्यक है। मन बैसाखियों की तलाश करता है, किंतु परमात्मा की प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि सभी सहारों का त्याग कर दिया जाए-निराधार और निराश्रित बनकर। भगवान श्रीकृष्ण ने भगवद्गीता में कहा है-अनन्याश् चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते अर्थात् मैं उनके लिए हूँ, जो एकाग्रचित्त होकर अन्य किसी सहारे की तलाश नहीं करते। मैं उनके लिए आधार बन जाता हूँ, जो बैसाखियों की खोज नहीं करते।

पढ़नेसे सचमें खुल जाता है दिमाग

वो कहावत को आपने भी सुनी होगी, 'पढ़ोगे-लिखोगे तो बनोगे नवाब' मम्मी-पापा या बड़े लोग अक्सर बच्चों को पढ़ाई की अहमियत समझाते नजर आते हैं। क्योंकि पढ़ने से हमारा दिमाग खुल जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा

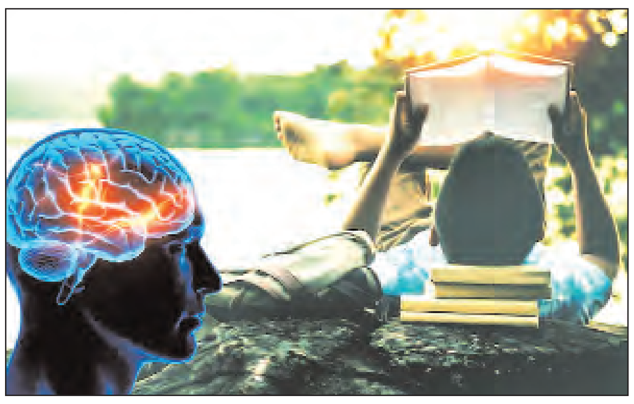

सच में भी होता है। अलग-अलग भाषाएं हमारे दिमाग के अलग-अलग हिस्सों को सक्रिय करती हैं। इसके पीछे गहरा विज्ञान है। वैज्ञानिकों ने लंबे रिसर्च के बाद जाना कि जैसे आंखों से देखना या आवाज निकालने के सर्किट हमारे दिमाग में नॉर्मल हैं, हम इसके साथ ही पैदा होते हैं, लेकिन पढ़ना, मानव मस्तिष्क के लिए कोई सामान्य क्षमता नहीं है, जो हमें जन्मजात मिलती है, तो आखिर पढ़ने से हमारे दिमाग में ऐसा क्या होता है कि पढ़ने से दिमाग तेज होता है? ये पूरा विज्ञान काफी मजेदार है। वैज्ञानिक बताते हैं, जैसे-जैसे विकास हुआ, मानव मस्तिष्क और शरीर कई चीजों के लिए तैयार हुआ। दिमाग ने कई चीजों के लिए सर्किट तैयार किए हैं। पर हमारे दिमाग के पास पढ़ने के लिए अलग सर्किट बनाने का समय नहीं रहा। इसलिए पढ़ने का नेटवर्क बनाने के लिए हम दिमाग के उन हिस्सों को इस्तेमाल करते हैं जो देखने, सुनने, भाषा, ध्यान और भावनाओं से जुड़े होते हैं। यानी पढ़ते समय ये सारे सर्किट काम में आते हैं. अलग-अलग भाषाएं हमारे दिमाग के अलग-अलग हिस्सों को सक्रिय करती हैं। वैज्ञानिक अब जानते हैं कि पढ़ने से दिमाग सक्रिय होता है, जिससे अक्षर और शब्द ध्वनियों और अर्थों से जुड़ जाते हैं। पढ़ना असल में पूरे दिमाग की प्रक्रिया है। इसमें कॉर्टेक्स के सभी चार लोब सक्रिय होते हैं। पढ़ने वाला दिमाग विकसित होने से, दिमाग की गतिविधि, संरचना और कनेक्टिविटी सब बदल जाता है. ये भी अहम है कि जो भाषा हम पढ़ते हैं, वह भी दिमाग को आकार देती है. जैसे चीनी अक्षर लॉगोग्राफिक सिस्टम हैं। हर वस्तु या विचार को अक्षरों के समूह की बजाय एक प्रतीक से दिखाया जाता है। शोध बताते हैं कि लॉगोग्राफिक लेखन प्रणाली सीखने से दिमाग के अलग हिस्से सक्रिय होते हैं, जबकि वर्णमाला-आधारित भाषा जैसी हिंदी या अंग्रेजी सीखने से अलग हिस्से. इसमें दृश्य स्मृति और दृश्य जुड़ाव वाले हिस्से ज्यादा काम करते हैं। यानी आप कौनसी भाषा सीख रहे हैं, वो भी आपके दिमाग के अलग-अलग हिस्से खोलती है। चाहे कोई भी भाषा हो, पढ़ना सिर्फ दिमाग को प्रभावित नहीं करता, बल्कि शारीरिक स्तर पर भी असर डालता है। पढ़ते वक्त हम किसी किरदार की घबराहट या दर्द को अपने अंदर महसूस कर सकते हैं और से सिर्फ भावुक होने से नहीं जुड़ा है। असल में, एंटीरियर इंसुला नाम का हिस्सा, जो पेट की हलचल, मतली, दर्द और असुविधा की भावनाओं के लिए जिम्मेदार है, कई सहानुभूति प्रक्रियाओं से भी जुड़ा होता है. गट-माइंड कनेक्शन के चलते ये भी प्रभावित होता है।

आपने बहुत से बंदरों के बारे में सुना होगा। बंदरों को अक्सर पेड़ों पर उछलते-कूदते या लोगों के आसपास घूमते देखा जाता है लेकिन आज हम आपको एक ऐसे बंदर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी जिंदगी किसी आम बंदर से बिल्कुल अलग थी। यह बंदर सिर्फ एक परिवार का प्यारा सदस्य ही नहीं था, बल्कि उसके नाम करोड़ों की संपत्ति भी थी। जी हां, उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक कपल ने इस बंदर को अपने बेटे की तरह पाला और बाद में अपनी पूरी संपत्ति उसके नाम करने की वसीयत तक तैयार कर दी। इतना ही नहीं इसके मरने के बाद मंदिर में इसकी मूर्ति भी लगवाई गई। हम जिस बंदर के बारे में बताने जा रहे है उसका नाम था 'चुनमुन'. दरअसल, यूपी के रायबरेली के रहने वाले राजेश श्रीवास्तव हिंदू थे, जबकि शबिस्ता मुस्लिम थीं। दोनों ने धर्म की दीवारें तोड़कर शादी की, लेकिन इसके बाद समाज और उनके अपने परिवारों ने उन्हें अपनाने से इनकार कर दिया। सामाजिक बहिष्कार के चलते यह कपल कई सालों तक अकेलेपन का सामना करता रहा। इसी तन्हाई को दूर करने के लिए साल 2005 में उनकी जिंदगी में 'चुनमुन' की एंट्री हुई। 500 रुपये में घर आया था चुनमुन बताया जाता है कि चुनमुन को 500 रुपये में खरीदा था। उसकी मां की बिजली का झटका लगने से मौत हो चुकी थी। मां के बिना वह छोटा बंदर अकेला था। कपल ने उसे अपने पास रख लिया और धीरे-धीरे उससे उनका लगाव बढ़ता चला गया। राजेश और शबिस्ता ने चुनमुन को कभी सिर्फ पालतू जानवर की तरह नहीं देखा। दोनों उसे अपने बेटे की तरह पालने ल। उसकी हर जरूरत का ख्याल रखा जाता था और घर में उसके लिए अलग इंतजाम किए गए थे।

८५० रुपये किलो नींबू, ६८० का टमाटर, खीरा भी 300 का

नॉर्वे के एक सुपरमार्केट में सब्जियों के दाम सुनकर लोग हैरान हैं। एक भारतीय शख्स नींबू, टमाटर और खीरे की कीमत बताता है. इन दामों की भारत से तुलना भी की गई है. लेकिन सब्जियों की कीमत से शुरू हुई यह चर्चा अब किसानों की कमाई और उन्हें मिलने वाले दाम तक पहुंच गई है। आखिर नॉर्वे में रोजमर्रा की सब्जियां इतनी महंगी क्यों हैं और भारत से कितना है अंतर नॉर्वे की खूबसूरत जगहें और वहां की लाइफस्टाइल लोगों को काफी पसंद आती है। विदेश में रहने वाले कई भारतीय वहां की जिंदगी से जुड़े वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं लेकिन इस बार नॉर्वे का एक वीडियो अपनी खूबसूरती नहीं, बल्कि सब्जियों की कीमतों की वजह से वायरल हो रहा है। सुपरमार्केट में मिलने वाली रोजाना इस्तेमाल की सब्जियों के दाम उन्हें भारतीय रुपये में बताता है। इन कीमतों को देखकर भारत और नॉर्वे में सब्जियों के दाम का बड़ा फर्क साफ नजर आता है. नॉर्वे में ऑर्गेनिक नींबू करीब 850 रुपये किलो है। लाल टमाटर की कीमत करीब 680 रुपये किलो है। वहीं, एक खीरा करीब 300 रुपये का मिल रहा है. अब भारत की कीमतों पर नजर डालें. यहां बड़े शहरों में नींबू करीब 90 से 110 रुपये किलो मिल जाता है. टमाटर की कीमत करीब 60 से 80 रुपये किलो रहती है।

वैदिक झोपड़ी

महानगरों की लाइफस्टाइल थका देती है. 5-6 दिन मशीन की तरह काम करने के बाद वीकेंड पर आराम के लिए शांत-एकांत प्रकृति के करीब जाने का मौका मिल जाए तो शरीर तरोताजा हो जाता है। खेत-खलिहान के बीच सात्विक भोजन मिल जाए तो ऐसी ताजगी मिलती है जो महीनों याद रहती है। अगर कोई ऐसी जगह मिल जाए जहां पूरा शरीर डिटॉक्स हो जाए, तनाव दूर भाग जाए तो फिर क्या कहना. राजस्थान के झुंझुनूं जिले में अनोखी वैदिक झोपड़ी बनी हुई है। यह झोपड़ी प्रकृति के करीब है। यहां पर प्राकृतिक विधियों से बीमारियों को भी दूर किया जाता है. देश-विदेश से लोग यहां पर भारतीय अनुभव पाने के लिए आते हैं.राजस्थान के झुंझुनूं जिले में ऐतिहासिक गांव मंडावा है। मंडावा में ही पीके-बजरंगी भाईजान जैसी फिल्मों की शूटिंग हुई है। मंडावा में बड़ी-बड़ी हवेलियां हैं जिन्हें फिल्मों में दिखाया जाता है। मंडावा के पास गोविंदपुरा गांव है। यह गांव भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। दरअसल, इस गांव में वैदिक झोपड़ियां बनी हुई है। यह इलाका शेखावटी कहलाता है। वैदिक झोपड़ी में नेचुरोपैथी से इलाज भी किया जाता है। यहां शुद्ध और सात्विक राजस्थानी भोजन परोसा जाता है। राजस्थानी संस्कृति, लोक संगीत और हस्तकला से परिचय कराया जाता है. प्रकृति के बीच ये वैदिक झोपड़ियां बनाई गई हैं। कॉटेज किराए पर भी मिलती हैं। ग्रामीण परिवेश के हिसाब से ये कॉटेज तैयार की गई हैं।

30 हजार फीटपर मौतसे जंग- कैप्टन स्मितने हवामें बचाई १८० लोगों की जान

स्मित माच्छर इस वक्त दुनिया के लिए हीरो बन गए हैं। बुधवार यानी 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की उड़ान के दौरान कॉकपिट में साथी पायलट के हमले के बाद वह बुरी तरह घायल हो गए। बावजूद इसके उन्होंने उड़ान संभालने की कोशिश की और 150 से अधिक यात्रियों की जान बचा दी। अभी तक की रिपोर्ट के मुताबिक साथी पायलट खुद विमान हाईजैक करने की कोशिश में थे। उससे विमान को बचाने की कोशिश में ही वह घायल हुए। अब उनकी बहादुरी की चर्चा भारत से लेकर दुनिया तक हो रही है लेकिन करीब 40 साल पीछे चलें तो एक और भारतीय नाम सामने आता है। वह नाम है नीरजा भनोट वह सिर्फ यात्रियों को बचाते-बचाते शहीद ही नहीं हुई थीं, बल्कि उनकी कहानी आज भी विमान में मौजूद किसी भी आपात स्थिति में साहस की मिसाल मानी जाती है। दोनों की घटनाएं एक जैसी नहीं थीं। नीरजा भनोट का सामना आतंकियों से हुआ था, जबकि स्मित माच्छर के मामले में उड़ते विमान के कॉकपिट में ही हिंसक हमला हुआ। नीरजा की जान चली गई, जबकि स्मित माच्छर घायल होने के बाद बच गए. लेकिन दोनों मामलों में एक चीज कॉमन रही। वह यह कि कुछ ही सेकंड में लिए गए फैसले सैकड़ों यात्रियों की जिंदगी तय कर सकते थे। 5 सितंबर 1986 को पैनएम की फ्लाइट 73 मुंबई से फ्रैंकफर्ट होते हुए न्यूयॉर्क जा रही थी। विमान कराची में रुका था। बोइंग 747 में यात्रियों और चालक दल समेत 379 लोग सवार थे। इनमें 193 भारतीय थे। इसी दौरान चार हथियारबंद आतंकी एयरपोर्ट सुरक्षा कर्मियों के भेष में विमान में दाखिल हुए और उन्होंने विमान पर कब्जा कर लिया। ये आतंकी अबू निदाल संगठन से जुड़े थे। इसके बाद करीब 17 घंटे तक हाईजैक संकट बना रहा। विमान में सीनियर फ्लाइट पर्सर थीं नीरजा भनोट। उन्हें जैसे ही हाईजैक का पता चला, उन्होंने कॉकपिट में मौजूद पायलटों को खतरे का संकेत दिया। पायलट, को-पायलट और फ्लाइट इंजीनियर आपात रास्ते से विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहे। विमान उड़ने की स्थिति में नहीं रहा। लेकिन अंदर मौजूद यात्रियों की सुरक्षा की बड़ी जिम्मेदारी केबिन क्रू पर आ गई। हाईजैकर्स यात्रियों के पासपोर्ट मांग रहे थे। उनका मकसद खास तौर पर अमेरिकी नागरिकों की पहचान करना था। नीरजा और उनके साथियों ने कई अमेरिकी यात्रियों के पासपोर्ट छिपा दिए। इससे आतंकियों के लिए अमेरिकी यात्रियों को अलग करना मुश्किल हो गया। घंटों तक नीरजा और बाकी क्रू यात्रियों को शांत रखने की कोशिश करते रहे। बाहर सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच बातचीत चल रही थी, लेकिन फिर हालात अचानक बिगड़ गए। आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने विमान में कार्रवाई की और यात्री बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। नीरजा यात्रियों को आपात निकास की ओर ले जा रही थीं। इसी दौरान उन्हें गोली लग गई। रिपोर्टों के मुताबिक वह घायल होने के बावजूद यात्रियों की मदद करती रहीं। बच्चों को बचाने की कोशिश के दौरान भी उन्होंने पीछे हटने के बजाय यात्रियों को बाहर निकालने की कोशिश जारी रखी। बाद में बुरी तरह घायल नीरजा की मौत हो गई ।30 सितंबर को एविएशन इंडस्ट्री में एक बार फिर एक भारतीय की हिम्मत की चर्चा हो रही है। फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड 1073 दुबई से इजरायल की राजधानी तेल अवीव जा रही थी। विमान में 174 लोग सवार थे। इसे भारतीय मूल के कप्तान स्मित माच्छर उड़ा रहे थे। उड़ान के दौरान कॉकपिट में उनके ओमानी को-पायलट ने कथित तौर पर उनपर हमला कर दिया और उन्हें चाकू मार दिया। हमले के दौरान विमान तेजी से नीचे जाने लगा। फ्लाइट-ट्रैकिंग आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि विमान करीब 30,875 फीट से 16,750 फीट तक सिर्फ 29 सेकंड में नीचे आ गया। यानी कुछ ही सेकंड में विमान करीब 14 हजार फीट नीचे आ गया। ऐसी स्थिति में विमान को संभालने के लिए पायलट के पास बेहद कम समय था। स्मित माच्छर हमले में घायल हो चुके थे। इसके बावजूद उन्होंने विमान को संभालने की कोशिश जारी रखी। वह कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। इसके बाद यात्री और चालक दल के कुछ सदस्य कॉकपिट में पहुंचे और हमलावर को काबू करने में मदद की। विमान को सऊदी अरब के ताबुक की ओर मोड़ दिया गया। वहां उतरने के बाद स्मित माच्छर को अस्पताल ले जाया गया। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। रिपोर्टों के मुताबिक विमान के तेजी से नीचे आने के दौरान उसके रडर को भी काफी नुकसान पहुंचा।

'तू है मेरी किरण' में पति संग रोमांस करती नजर आयेंगी सोनाक्षी सिन्हा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब कपल बहुत जल्द फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें घूर रहे हैं। फिल्म 'तू है मेरी किरण' 23 अक्टूबर 2026 को रिलीज होने वाली है। फिल्म का लेखन और निर्देशन करण रावल ने किया है। 'तू है मेरी किरण' में जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण सर्वेश गोयल, अश्वनी कुमार, मनोज दराक और नृपाल पटेल ने मिलकर किया है, फिल्म 'तू है मेरी किरण' का फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की ट्रोलिंग शुरू हो गई। यूजर्स ने फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह के कमेंट्स किये। एक यूजर ने लिखा, सुपर फ्लॉप होगी मेरे शब्द याद रखना। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, क्या सच में आपके लगता है कि इस तरह की फिल्म कोई देखेगा। वहीं अन्य यूजर ने कमेंट कर लिखा, ईडी को इसकी जांच करना चाहिए, कोई किसी ऐसी फिल्म पर पैसा क्यों लगाएगा जिसका फ्लॉप होना तय है। यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्स एल में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। । फिल्म का निर्देशन सतराम रमानी ने किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी। सोनाक्षी और जहीर पहली बार सलमान खान की एक पार्टी में मिले थे। दोनों ने लगभग 7 साल तक एक-दूसरे को डेट किया और अपने रिश्ते को मीडिया से छुपा कर रखा। साल 2022 में दोनों ने फिल्म डबल एक्सएल में एक साथ काम भी किया था। आखिरकार, जून 2024 में दोनों ने मुंबई में सोनाक्षी के घर पर स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट मैरिज कर ली थी।